कर्नाटक राज्यपाल भी विधानमंडल के संयुक्त सत्र में नहीं देंगे अभिभाषण - 12

रुपये को तगड़ा झटका, 67 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 91.64 पर आकर गिरा - 12

संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती - 13

पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में - 14

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष चतुर्थी 02:28 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 22 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 153, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

सोने में 6,500 रुपये का उछाल, 1.60 लाख पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

- चांदी 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम हुई

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना और चांदी नए शिखर पर पहुंच गए। सोने की कीमत 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 3.34 लाख प्रति किलोग्राम पर रही।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 6,500 रुपये यानी 4.24 प्रतिशत बढ़कर 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गया। मंगलवार को, सोने ने पहली बार देश की राजधानी में 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के महत्वपूर्ण स्तर को पार किया। स्थानीय सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में भी लगातार नौवें दिन तेजी जारी रही। चांदी की कीमत 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 20,400 रुपये बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

न्याय, समता और बंधुता लोकतंत्र की आत्मा : मुख्यमंत्री

- योगी का आह्वान-विधायिका बने संवाद, समन्वय और विकास का सशक्त मंच
- तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का समापन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि न्याय, समता और बंधुता संविधान के ये तीन शब्द भारत के लोकतंत्र की आत्मा हैं। इन्हें साकार करने का सबसे प्रभावी मंच विधायिका है।

उन्होंने आह्वान कि विधायिका संवाद, समन्वय और विकास का सशक्त मंच बने। विधानसभा में बुधवार को तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि विधायिका न केवल कानून निर्माण की धुरी है, बल्कि समग्र विकास की कार्ययोजना गढ़ने का मंच भी है। जहां सहमति-असहमति के बीच संवाद से समाधान निकलता है। सीएम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं अत्यंत मजबूत हैं और दुनिया के लिए प्रेरणा हैं। संसद और विधानसभाएं उस अंतिम व्यक्ति की आवाज को ताकत देती हैं, जो व्यवस्था की सबसे निचली सीढ़ी पर खड़ा है। योगी ने बताया कि नियमावली में बदलाव से अब सवा घंटे में 20 तारांकित प्रश्न व उनके साथ अनुपूरक प्रश्न पूछे जा रहे हैं, जिससे अधिक जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित हुई है।

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

विकसित भारत-विकसित उप्र पर ऐतिहासिक विमर्श

मुख्यमंत्री योगी ने सम्मेलन में पारित छह प्रस्तावों का अभिनंदन करते हुए कहा कि 'विजन-2047' को साकार करने के लिए 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' पर सत्ता-विपक्ष के 300 से अधिक सदस्यों ने 24 घंटे तक निरंतर चर्चा की। उन्होंने बताया कि देर रात तक सदन में विचार-मंथन चलता रहा और व्यावहारिक सुझाव सामने आए।

तकनीक, प्रशिक्षण और नियमित बैठकें

योगी ने वर्ष में कम से कम 30 बैठकों के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसे संसद से लेकर नगर निकायों और पंचायतों तक के लिए प्रेरक बताया। उन्होंने कहा कि तकनीक के युग में पीछे नहीं रहा जा सकता। इसीलिए यूपी में ई-विधान, पेपरलेस कैबिनेट और पेपरलेस बजट लागू किए गए हैं। जनप्रतिनिधियों का तकनीकी प्रशिक्षण भी उतना ही जरूरी है।

जन-संवाद से बना यूपी का विजन डॉक्यूमेंट

योगी ने बताया 'विकसित भारत-विकसित उप्र' के लिए 98 लाख सुझाव पोर्टल पर प्राप्त हुए हैं। आईआईटी कानपुर के सहयोग से एआई टूल्स के जरिए इन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि हर सेक्टर के सुझाव विजन डॉक्यूमेंट का हिस्सा बनें। सरकार के प्रोएक्टिव अप्रोच पर जोर दे कहा कि पीठ पक्ष-विपक्ष में संतुलन बनाती है और ऐसे सम्मेलन सीखो-सिखाओ के मंच होते हैं।

ब्रीफ न्यूज

5.85 करोड़ मूल्य का कोबरा का विष जब्त सात गिरफ्तार

सूरत। गुजरात पुलिस ने 5.85 करोड़ रुपये मूल्य का कोबरे का जहर जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने कहा कि कोबरे का जहर रेव पार्टियों में उपयोग किए जाने वाले नशीले पदार्थ और जीवन रक्षक दवाएं बनाने के लिए किया जाता है। सूरत पुलिस के एसओजी के उपायुक्त ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने घनश्याम सोनी नामक व्यक्ति से कमीशन पर बेचने के लिए 5.85 करोड़ रुपये मूल्य का 6.5 मिलीलीटर कोबरा विष लिया था। पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में कोबरा विष बरामद हुआ है।

रोहित शर्मा को मानद डॉक्टरेट की उपाधि की जाएगी प्रदान

पुणे। भारत के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा को क्रिकेट में उनके अतुलनीय योगदान और अनुकरणीय नेतृत्व के लिए शनिवार को यहां अजींक्या डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में डीलिट की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने घोषणा की कि उसके ऐतिहासिक 10वें दीक्षांत समारोह में रोहित प्रमुख आकर्षण होंगे। विश्वविद्यालय ने कहा, प्रशंसक उन्हें क्रिकेट के हिटमैन के रूप में जानते हैं, लेकिन दीक्षांत समारोह रोहित शर्मा के लिए एक अलग तरह का मील का पत्थर है।

शबरिमला मामले में पद्मकुमार, दो अन्य की जमानत याचिका खारिज

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने शबरिमला में सोना चोरी होने के मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार और दो अन्य की जमानत याचिकाएं बुधवार को खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति ए. बदरुद्दीन ने पद्मकुमार, टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बी. मुरारी बाबू और कर्नाटक के बल्लारी के जौहरी रोड्डम पांडुरंगैया नागा गोवर्धन को राहत देने से इनकार कर दिया।

पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा है अरावली का मुद्दा, अवैध खनन बर्दाश्त नहीं करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने खनन संबंधी मुद्दों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति बनाने की बात दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि अवैध खनन से अपूरणीय क्षति हो सकती है, इसलिए वह अरावली में खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगा। साथ ही कहा कि यह मुद्दा देश के पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा है और अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और न्यायमित्र के. परमेश्वर को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। पीठ ने कहा कि समिति इस न्यायालय के निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। कोर्ट ने अपने उस आदेश को भी विस्तारित किया, जिसमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करने वाले 20 नवंबर के निर्देशों को स्थगित रखा गया था। सुनवाई के दौरान न्यायालय को सूचित किया गया कि छिटपुट स्थानों पर अवैध खनन हो रहा है, और पीठ ने राजस्थान सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज के इस आश्वासन को रिकॉर्ड में लिया कि इस तरह का कोई भी अनधिकृत खनन नहीं होगा। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच, उच्चतम न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा तथा उससे जुड़े मुद्दे शीर्षक से इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था। अरावली की नई परिभाषा को लेकर जारी बवाल के बीच, न्यायालय ने पिछले साल 29 दिसंबर को अपने 20 नवंबर के उन निर्देशों को स्थगित कर दिया था, जिनमें इन पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया गया था।

इन निर्देशों में अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा स्वीकार की गई थी। न्यायालय ने कहा था कि कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है, जिनमें यह आशंका भी शामिल है कि 100 मीटर ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच 500 मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता है। न्यायालय ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार कर लिया था और विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले इसके क्षेत्रों के भीतर नए खनन पट्टे देने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

वायु प्रदूषण मामले में केंद्र व दिल्ली सरकार से कार्ययोजना मांगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार समेत अन्य हितधारकों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार के लिए केंद्रीय प्रदूषण निगरानी संस्था द्वारा अनुशंसित दीर्घकालिक उपायों पर अपनी-अपनी कार्य योजना चार सप्ताह के भीतर पेश करें।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा प्रस्तुत वस्तु स्थिति रिपोर्ट का संज्ञान लिया। पीठ ने कहा कि सीएक्यूएम ने 15 दीर्घकालिक उपायों की सिफारिश की है और उन संबंधित एजेंसियों की भी पहचान की है, जो इन दीर्घकालिक उपायों को लागू करने में सक्षम हैं। पीठ ने कहा, सीएक्यूएम द्वारा सुझाए गए उपायों के अलावा भी कुछ अतिरिक्त दीर्घकालिक उपायों को अपनाने की आवश्यकता हो सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीएक्यूएम द्वारा अनुशंसित इन दीर्घकालिक उपायों को बिना किसी देरी के लागू किया जाना आवश्यक है। इसलिए हम हितधारकों से इन उपायों को लागू करने के लिए अपनी-अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने का आग्रह करते हैं। पीठ ने कहा कि यह न्यायालय इन उपायों के संबंध में किसी भी आपत्ति पर विचार करने के पक्ष में नहीं है।

प्रयागराज में सेना का हल्का विमान क्रैश, तालाब में गिरा

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त विमान।

- दोनों पायलट सुरक्षित माघ मेला से ठीक तीन किमी दूर हुआ हादसा

नई दिल्ली/प्रयागराज, एजेंसी

वायु सेना का एक हल्का, विमान इंजन में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण बुधवार को प्रयागराज में हादसे का शिकार हो गया। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। यह हादसा माघ मेले से 3 किमी दूरी पर हुआ। भारतीय वायु सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए उसने जांच का आदेश दिया है। इस तरह के अत्यंत हल्के विमान का उपयोग आमतौर पर प्रशिक्षण, पक्षी सर्वेक्षण और भू सर्वेक्षण कार्यों में किया जाता है। हादसा उस वक्त हुआ, जब विमान एक नियमित उड़ान पर था। हादसे के दौरान विमान की रिकवरी (पैराशूट) प्रणाली सक्रिय की गई और दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

वायु सेना ने कहा, एक माइक्रोलाइट विमान में, 21 जनवरी को दोपहर सवा बारह बजे प्रयागराज के निकट बमरौली वायु सेना स्टेशन से नियमित उड़ान के दौरान तकनीकी गड़बड़ी आ गई और उसे एक निर्जन इलाके में सुरक्षित रूप से उतारा गया तथा जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। प्रयागराज में अधिकारियों ने दुर्घटना स्थल की घेराबंदी कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंजन में हुई थी गड़बड़ी

प्रयागराज के पुलिस उपायुक्त (नगर) मनीष शांडिल्य ने बताया कि विमान फफामऊ और संगम क्षेत्र की ओर उड़ान भर रहा था, तभी इसके इंजन में तकनीकी गड़बड़ी आ गई। शांडिल्य ने बताया कि पुलिस, दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों पायलट को सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान गोताखोरों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। उन्होंने बताया की इस घटना में जानमाल का कोई नुकसान होने की सूचना नहीं है।

वाई-फाई को बढ़ावा, 6 गीगाहट्र्ज बैंड में 500 मेगाहट्र्ज का स्पेक्ट्रम लाइसेंस मुक्त

- दूरसंचार विभाग ने अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने छह गीगाहट्र्ज बैंड की निचली फ्रीक्वेंसी रेंज में 500 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम को लाइसेंस-मुक्त करने की अधिसूचना जारी कर दी है। इस कदम से देश में वाई-फाई सेवाओं को काफी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

यह अधिसूचना 16 मई, 2025 को जारी मसौदा गजट अधिसूचना में छह गीगाहट्र्ज बैंड वाली इस फ्रीक्वेंसी को लाइसेंस से मुक्त करने के इरादे की घोषणा के करीब छह महीने बाद जारी की गई है। अधिसूचना के मुताबिक, 5925-6425 मेगाहट्र्ज फ्रीक्वेंसी बैंड में कम-पावर इनडोर और बहुत कम पावर वाले आउटडोर वायरलेस एक्सेस सिस्टम (रेडियो लोकल एरिया नेटवर्क (वाई-फाई) शामिल) के संचालन के लिए किसी लाइसेंस या फ्रीक्वेंसी आवंटन की जरूरत नहीं होगी।

महंत नृत्य गोपाल दास की हालत गंभीर, आईसीयू में भर्ती

अयोध्या। अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बुधवार को अचानक बिगड़ गई। उन्हें पेट संबंधी गंभीर समस्या हो गई। गंभीर हालत में उन्हें लखनऊ स्थित मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

शाम चार बजे महंत नृत्य गोपाल दास को आंशिक बेहोशी की हालत में मेदांता की इमरजेंसी में लाया गया। डॉक्टरों ने महंत को देखा, जरूरी जांचें कराईं। निदेशक डॉ. राकेश कपूर ने बताया कि खून की जांच में इलेक्ट्रोलाइट गड़बड़ पाया गया। डॉक्टरों की टीम गठित कर दी गई है। जो महंत की सेहत की निगरानी कर रहे हैं। उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया है।

चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में अब्बास अंसारी के खिलाफ आरोप तय

- जिले की एक विशेष सांसद/विधायक अदालत ने आरोप तय किए

मऊ। जिले की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में मऊ सदर से विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ बुधवार को आरोप तय किए।

सुभासपा के विधायक अंसारी, दक्षिण टोला थाने में दर्ज मामले के सिलसिले में अदालत में पेश हुए। यह मामला फरवरी 2022 में दर्ज किया गया था। वकील दरोगा सिंह ने बताया कि चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 2022 में अंसारी के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 133 (चुनावों में अवैध रूप से वाहन किराए पर लेने या खरीदने पर दंड) के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोप मुक्त करने का आवेदन दायर किया गया, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. केपी सिंह की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने बुधवार को विधायक के खिलाफ आरोप तय किए।

ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होगा इजराइल, नेतन्याहू हुए सहमत

यरुशलम, एजेंसी

- गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा 'बोर्ड ऑफ पीस'

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए सहमति दे दी है। इस घोषणा से पहले नेतन्याहू के कार्यालय ने गाजा पर निगरानी के लिए बोर्ड की कार्यकारी समिति की संरचना की आलोचना की थी।

ट्रंप के नेतृत्व वाले 'बोर्ड ऑफ पीस' की परिकल्पना मूलरूप से विश्व के कुछ चुनिंदा नेताओं के एक छोटे समूह के रूप में की गई है, जो गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा। ट्रंप प्रशासन की महत्वाकांक्षाएं अब एक व्यापक अवधारणा में तब्दील हो गई हैं, जिसमें ट्रंप ने दर्जनों देशों को निमंत्रण भेजा है और संकेत दिया है कि यह जल्द ही वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। नेतन्याहू की यह घोषणा उनके पहले के रुख के विपरीत है।

ग्रीनलैंड पर नियंत्रण को नहीं करेंगे बल प्रयोग : ट्रंप

दावोस। राष्ट्रपति ट्रंप ने विश्व आर्थिक मंच की बैठक में कहा कि वह ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल का प्रयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका तेजी से तरक्की कर रहा है, लेकिन यूरोप सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है। ट्रंप ने नाटो में सहयोगी डेनमार्क से ग्रीनलैंड का नियंत्रण हासिल करने की इच्छा जताई है। उनकी यह महत्वाकांक्षा अमेरिका के कई करीबी सहयोगियों से संबंधों को खराब करने का खतरा पैदा कर रही है। वैश्विक मंच पर ट्रंप की उपस्थिति अन्य देशों के साथ उनकी शिकायतों पर अधिक केंद्रित रही।

बदलाव केंद्र सरकार के निर्देश पर बदला गया नाम, नोटिफिकेशन जारी, उप्र में 'लोक भवन' पहले से था, इसलिए नाम रखा 'जन भवन'

यूपी में 'राजभवन' का नाम बदला, अब 'जनभवन'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में राज्यपाल के आधिकारिक आवास और कार्यालय के नाम में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। लखनऊ स्थित राजभवन को अब आधिकारिक रूप से 'जन भवन' के नाम से जाना जाएगा।

इस संबंध में राज्य सरकार ने औपचारिक अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी कर दिया है। यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यहां पहले से ही मुख्यमंत्री का प्रशासनिक कार्यालय 'लोक भवन' के नाम से है। एक ही शहर में दो महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थानों के लिए समान नाम होने से प्रशासनिक भ्रम की आशंका थी। इसी कारण 'लोक भवन' के स्थान पर 'जन भवन' नाम को अंतिम रूप दिया गया। यह निर्णय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में लिया गया है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्यपालों एवं उप राज्यपालों के आधिकारिक आवासों के नाम अधिक जनोन्मुखी और लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप रखने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने भी 'राजभवन' का नाम बदलने का फैसला किया। अब तक 'राजभवन' के नाम से पहचाने जाने वाले राज्यपाल के आधिकारिक आवास को आगे से सभी शासकीय, प्रशासनिक और वैधानिक कार्यों में 'जन भवन' के नाम से ही संबोधित किया जाएगा। शासन स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और आने वाले समय में सरकारी पत्राचार, निमंत्रण पत्र, दस्तावेज, साइन बोर्ड और अन्य आधिकारिक संकेतकों में भी 'जन भवन' नाम का ही प्रयोग किया जाएगा। यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी।

औपनिवेशिक सोच से दूरी का प्रयास

केंद्र सरकार के इस कदम को औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों से दूरी बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गृह मंत्रालय ने राज्यपालों के एक सम्मेलन में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा था कि 'राज' शब्द ब्रिटिश शासनकाल की मानसिकता को दर्शाता है, जबकि स्वतंत्र भारत में शासन व्यवस्था जनता-केंद्रित होनी चाहिए। इसी सोच के तहत देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने यहां राजभवन के नाम बदले हैं। यूपी ने हालांकि 'लोक भवन' के बजाय 'जन भवन' नाम अपनाकर एक अलग पहचान बनाई है।

इन राज्यों में पहले ही बदला गया नाम

यूपी से पहले ही पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात और त्रिपुरा के राज भवनों के नाम बदले गए हैं। उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत आठ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने औपनिवेशिक काल की पहचान मिटाने के लिए अपने राज भवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया है। लद्दाख के उप राज्यपाल के निवास-कार्यालय को अब लोक निवास कहा जाएगा। इसे पहले राज निवास कहा जाता था।

उपलब्धियों और संभावनाओं को जन-जन तक पहुंचाएगा यूपी दिवस : मुख्यमंत्री

योगी ने की कार्यक्रमों की तैयारी की समीक्षा, सजेंगी संस्कृति-लोककलाएं व शिल्प, 'एक जनपद-एक व्यंजन' मुख्य आकर्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. दिवस प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, विकास यात्रा और जनसहभागिता का भव्य उत्सव बनेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि यह प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। सांस्कृतिक उत्सव, लोककलाएं और शिल्प मेले सजेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि हर जिले की भागीदारी और प्रदेश की आत्मा स्पष्ट रूप से झलके। 'एक जनपद-एक व्यंजन' आयोजन का मुख्य आकर्षण होगा, जहां हर जिले का स्वाद मिलेगा।

तैयारियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं गरिमा, अनुशासन और समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं। राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर उत्तर प्रदेश दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जिलों में किया जाएगा। इसके साथ ही सभी जिलों में स्थानीय स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे, ताकि उत्तर प्रदेश दिवस का उत्सव एक साथ पूरे प्रदेश में मनाया जा सके।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनी और शिल्प मेला लगाया जाएगा। इसमें प्रदेश की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। हर जिले के पारंपरिक और विशिष्ट व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे।

संस्कृति उत्सव से जुड़ेगा यूपी दिवस

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश दिवस से प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए। उन्होंने कलाकारों और आगंतुकों के लिए समुचित सुविधाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारी को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

संस्कृति उत्सव के लिए 1.75 करोड़ की मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उत्तर प्रदेश दिवस को संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों से प्रभावी रूप से जोड़ने के निर्देश के बाद सभी 75 जिलों के लिए 1.75 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। प्रति तहसील 50 हजार की धनराशि कार्यक्रमों पर खर्च होगी। संस्कृति विभाग के संयुक्त निदेशक उमा द्विवेदी की ओर से निदेशालय को भेजे गए शासनादेश के अनुसार, संस्कृति उत्सव के तहत लोकनृत्य, लोकगीत, शास्त्रीय व लोक संगीत, नाटक, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति, सांस्कृतिक मेले और क्षेत्रीय कला रूपों को मंच प्रदान किया जाएगा। स्थानीय कलाकारों को न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि मानदेय और आवागमन भत्ता भी प्रदान किया जाएगा।

दो ग्राम पंचायतों से आधार सेवाएं शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायती राज विभाग ने लखनऊ में ग्राम पंचायत स्तर पर आधार केंद्रों की शुरुआत कर दी है, जिससे ग्रामीणों को आधार से जुड़ी सेवाएं अब अपने गांव में ही उपलब्ध हो सकेंगी। ब्लॉक सरोजनीनगर की ग्राम पंचायत भटगवां पांडेय व चिनहट ब्लॉक की सैरपुर ग्राम पंचायत में आधार सेवाएं शुरू की गई हैं। पहले दिन 40 से अधिक ग्रामीणों को आधार से संबंधित सेवाएं प्रदान की गई हैं। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने कहा कि पहले चरण में प्रदेश की 1000 ग्राम पंचायतों में आधार सेवाएं शुरू की जाएंगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से यह सुविधा प्रदेश की सभी 57,694 ग्राम पंचायतों तक विस्तारित की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

हर न्याय पंचायत में शिक्षा चौपाल 24 को

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में एक साथ 'शिक्षा चौपाल' का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समितियों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से बच्चों की बुनियादी भाषा और गणितीय दक्षताओं को सुदृढ़ करना है। यह जानकारी देते हुए स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने बताया कि सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को बालवाटिका के प्रभावी संचालन, बच्चों के नामांकन व नियमित उपस्थिति, और शिक्षा के दीर्घकालिक महत्व को लेकर निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, विद्यालयों में उपलब्ध प्रिंट-रिच सामग्री, गणित किट, क्रियाशील पुस्तकालय, खेल सामग्री और डिजिटल संसाधनों (स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, दीक्षा, खान अकादमी, टीचर्स ऐप) की जानकारी साझा की जाएगी। प्रत्येक न्याय पंचायत के लिए 10 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

आगरा-अलीगढ़ में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। आगरा और अलीगढ़ मंडलों में सर्जिकल प्रैक्टिस के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। यह निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। आगरा मंडलायुक्त कार्यालय से बुधवार को आयोजित वर्चुअल बैठक में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि एस.एन. मेडिकल कॉलेज के सहयोग से दोनों मंडलों में एक-एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया जाएगा, जिससे सर्जिकल प्रशिक्षण एवं उपचार की गुणवत्ता में सुधार होगा। बैठक में एनएचएम की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने कहा कि गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन की दक्षता और जवाबदेही जरूरी है। बैठक में स्वास्थ्य महानिदेशक समेत वरिष्ठ अधिकारी, दोनों मंडलों के मंडलीय अपर निदेशक, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण आजीविका में बनाया रिकॉर्ड

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए 23 लाख से अधिक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। ग्रामीण रोजगार गारंटी व्यवस्था के तहत महिलाओं की भागीदारी अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। मानव दिवस सृजन में महिलाओं की हिस्सेदारी 43 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो यह दर्शाता है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अब महिलाएं केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं सिर्फ श्रमिक नहीं, बल्कि मेट के रूप में निगरानी, प्रबंधन और नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 32 हजार से अधिक महिला मेट्स को कार्य सौंपा गया है। ये महिलाएं कार्यस्थलों पर श्रमिकों की हाजिरी, काम की गुणवत्ता और प्रबंधन का दायित्व निभा रही हैं। सरकार ने इन महिला मेट्स को 111 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे बैंक खातों में अंतरित की है, जिससे पारदर्शिता और भरोसे की भावना मजबूत हुई है।

अटल विद्यालयों में कौशल प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और आने वाले वर्षों में रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे। यह बात बुधवार को मिशन निदेशक पुलकित खरे ने समीक्षा बैठक में कहीं। बैठक में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (बीओसीडब्ल्यू) योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लाभार्थियों के सत्यापन तथा प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए जाने पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। प्रशिक्षण के लिए स्वास्थ्य सेवा, ब्यूटी एवं वेलनेस, फूड प्रोसेसिंग, आईटी एवं आईटीईएस तथा परिधान जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। बैठक में पूजा यादव (सचिव, यूपीबीओसीडब्ल्यू), अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह और संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नवाचार, संवाद और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर

पीठासीन अधिकारी सम्मेलन : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोगों को किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह में लोकतंत्र को अधिक सशक्त, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने का स्पष्ट संकल्प उभरकर सामने आया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती मिली है। सुशासन, सामाजिक कल्याण, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश के क्षेत्र में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जो पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के ऐसे सम्मेलन लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता की अपेक्षाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। इन मंचों पर हुए संवाद केवल विमर्श तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इनके ठोस और सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखने चाहिए। उन्होंने नवाचार, संवाद और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं जनता के और निकट आएंगी तथा जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ेगी।

यूपी का विजन डॉक्यूमेंट आदर्श- हरिवंश : समापन सत्र में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने उत्तर प्रदेश के "विजन-2047" डॉक्यूमेंट की सराहना करते हुए इसे सभी राज्यों के लिए आदर्श बताया।

बदले उत्तर प्रदेश की छाप देश के सामने- सतीश महाना : उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुशासन, त्याग और जनता के साथ निरंतर संवाद के जरिए बदले हुए उत्तर प्रदेश की मजबूत प्रशासनिक छाप देश के सामने रखी है।

लखनऊ में आयोजित सम्मेलन के समापन समारोह में पीठासीन अधिकारियों को संबोधित करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

सम्मेलन में छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित

अमृत विचार, लखनऊ: 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में विधायी कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनकेन्द्रित बनाने को लेकर तीन प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई, जिसके उपरांत छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित किए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सम्मेलन के समापन के बाद बुधवार को विधानभवन स्थित तिलक हॉल में पत्रकारों को इसकी जानकारी दी।

विधानभवन में पारित छह प्रमुख संकल्प

1. सभी विधानसभाएं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य एवं राष्ट्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगी।
2. राज्य विधानमंडलों में वर्ष में कम से कम 30 बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाएं अधिक उत्तरदायी बन सकें।
3. विधायी कार्यों में प्रौद्योगिकी और एआई का उपयोग बढ़ाया जाएगा, लेकिन नैतिकता, जवाबदेही और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जाएगी।
4. पंचायत से लेकर लोकसभा तक सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं में संवाद और समन्वय के लिए आदर्श नेतृत्व को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
5. विधायकों की क्षमता वृद्धि के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग, रिसर्च विंग की मजबूती, डिजिटल लाइब्रेरी और पुरानी बहसों का डिजिटलीकरण किया जाएगा।
6. विधायी निकायों के कार्य संचालन का वस्तुनिष्ठ मानकों पर मूल्यांकन और तुलनात्मक आकलन करने के लिए राष्ट्रीय विधायी सूचकांक बनाया जाएगा, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

कृषि उत्पादन बढ़ाने को 600 करोड़ के बजट को हरी झंडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृषि विश्वविद्यालयों में अवस्थापना विकास और किसानों को विद्युत आपूर्ति के लिए मिली वित्तीय स्वीकृतियां

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कृषि उत्पादन को गति देने, किसानों को रियायती दरों पर विद्युत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की हैं। बजट उपलब्ध होने से किसानों को सिंचाई में राहत मिलेगी और कृषि विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

शासन ने कृषकों के निजी नलकूपों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उप्र. विद्युत निगम को अनुदान योजना के अंतर्गत 60,000 लाख रुपये (600 करोड़ रुपये) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि जनवरी 2026 से मार्च 2026 की अवधि के लिए किसानों को दी जाने वाली विद्युत सब्सिडी की प्रतिपूर्ति हेतु उपयोग की जाएगी। कृषि महाविद्यालय, हरदोई परिसर में 75 कमरों के आधुनिक बालक छात्रावास के निर्माण के लिए 18.32 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कृषि महाविद्यालय, आजमगढ़ को विकास कार्यों के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा राज्य कृषि विकास योजना अंतर्गत कृषि उत्पादन वृद्धि योजना के लिए 4.30 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति भी जारी की गई है। संबंधित विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि योजनाओं का लाभ सीधे किसानों और विद्यार्थियों तक पहुंच सके।

साधु-संतों के अपमान का लगाया आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर साधु-संतों और शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि शंकराचार्य और सभी साधु-संत हमारे समाज की शोभा हैं और जनता उनसे आशीर्वाद लेने आती है। सपा प्रमुख ने बुधवार को राजधानी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर अधिकारी शंकराचार्य से उनके परिचय और प्रमाण पत्र मांग रहे हैं तो यह सनातन धर्म का अपमान है। भाजपा सरकार संविधान, कानून और परंपरा की अवहेलना कर रही है और साधु-संतों, माघ मेले और देश की धार्मिक भावनाओं के साथ असम्मानपूर्ण व्यवहार कर रही है।

महिला आयोग की बैठक में नहीं पहुंचीं अपर्णा यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और भाजपा की नेता अपर्णा यादव लखनऊ में बुधवार को राज्य महिला आयोग की बैठक में नहीं पहुंचीं। जबसे उनके पति व मुलायम सिंह यादव के पुत्र प्रतीक यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दो पोस्ट साझा करके तलाक देने का एलान किया है, तबसे वह मीडिया और कार्यक्रमों से दूर हैं। हालांकि बुधवार को उनके एक्स हैंडिल से शाम को 5.30 बजे भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई दी है। 18 जनवरी के बाद यही एक मात्र पोस्ट है।

लखनऊ में बुधवार को उप्र. राज्य महिला आयोग में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक एक कार्यशाला" का आयोजन किया गया था।

सभी पोस्ट्स में कमेंट सेक्शन बंद

अपर्णा यादव ने सोशल मीडिया पर अपने सभी पोस्ट्स में कमेंट सेक्शन बंद कर दिया है। माना जा रहा है कि अपर्णा की सोशल मीडिया टीम ने यह फैसला उनके पति प्रतीक यादव की तलाक वाली पोस्ट के बाद लिया है।

प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र के लिए आवेदन होंगे ऑनलाइन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10 लाख की आबादी पर बनेगा एक प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और प्रशिक्षित चालकों को ही स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में नए प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र (एडीटीसी) खोले जाएंगे। आटोमेटेड ड्राइविंग ट्रैक का नए सेंटर शुरू के लिए आवेदन प्रक्रिया को अब ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने दी।

परिवहन मंत्री ने बुधवार को बताया कि वाहन के चालन प्रशिक्षण को वैज्ञानिक, व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में संशोधन किए गए हैं। उक्त क्रम में प्रत्यायन प्राप्त चालन प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं उनके क्रियान्वयन के लिए नए प्रावधान जोड़े गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक केन्द्रों की स्थापना एवं रख-रखाव के लिए आवेदन प्रक्रिया ऑफलाइन थी, लेकिन अब नए विकसित पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। पोर्टल को शीघ्र ही लाइव कर दिया जाएगा।

58 जिलों में बदलेगी प्रक्रिया

मंत्री दया शंकर सिंह ने बताया कि अब तक 58 जिलों (आईडीटीआर एवं डीटीटीआई को छोड़कर) में प्रत्यायन प्रशिक्षण केन्द्रों की कार्रवाई ऑफलाइन माध्यम से की जा रही थी, लेकिन आगे से सभी जिलों में आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 10 लाख की आबादी पर एक प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाने का प्रावधान है। वर्तमान में लगभग 21 जिलों में इन प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

मुलाकात...

जनभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट कर 'मोदी : वैश्विक व्यवस्था के शिल्पकार' पुस्तक भेंट की।

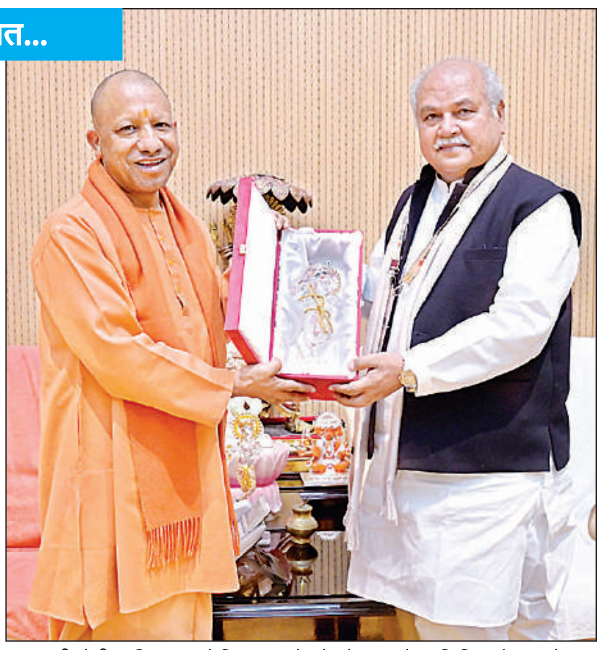
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट के दौरान उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट करते मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर।

क्रूरता बनाम मानवीयता | उन्नाव में झोलाछाप ने गोकशी या गलाघोंटू से बचाव का यूट्यूब देख बिगाड़ा केस, बरेली में जटिल सर्जरी कर गाय को दिया गया जीवनदान

सांस व खाने की नली काटकर डाला पाइप, आईवीआरआई ने बचाई जान

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ/महिपाल गंगवार, बरेली

- अत्यधिक रक्तस्राव होने और सांस में तकलीफ होने की वजह गोवंश के बचने की संभावना थी कम

अमृत विचार : भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) बरेली के प्रधान वैज्ञानिक अभिजीत पावडे ने निराश्रित गाय की सांस नली काटकर क्रूरता से डाला गया करीब 10 इंच का पाइप निकाल दिया। साथ ही डॉ. अमन तिवारी, डॉ हर्षा, डॉ. बलकरण आदि के साथ ढाई घंटे की जटिल सर्जरी कर काटी गई सांस व खाने की नली दोबारा जोड़ उस गोवंश को नया जीवनदान दिया। 'अमृत विचार' के प्रयास से आखिरकार क्रूरता के शिकार इस गोवंश को राहत मिली।

दरअसल, उन्नाव के दयालखेड़ा में किसी झोलाछाप ने निराश्रित गाय को गलाघोंटू से बचाने या फिर शोध करने के लिए सांस की नली काट दी। सांस लेने के लिए नली के एक हिस्से में करीब 10 इंच का पानी का पाइप डाल दिया। इस अप्रशिक्षित कृत्य से खाने की नली भी कटकर अलग हो गई। अधिक रक्तस्राव व हालत गंभीर होने पर उसे छोड़कर किनारे हो गया। रविवार को उन्नाव की हनुमंत जीव आश्रय संस्था ने गाय का रेस्क्यू किया। रात को निजी चिकित्सकों को दिखाया तो हाथ खड़े कर दिए। दूसरे दिन सोमवार को नवाबगंज पशु चिकित्सालय के योग्य सर्जन डॉ. राजेश मौर्या के पास ले गए। उन्होंने भी जटिल सर्जरी और बचने की उम्मीद कम बताकर बरेली ले जाने की सलाह दी। आठ घंटे का सफर तय करने के लिए जरूरी उपचार दिया।

इधर, संस्था के कुछ लोगों ने आईवीआरआई के निदेशक डॉ. त्रिवेदी दत्त को अवगत कराते हुए सहयोग मांगा। उन्होंने तत्काल डॉ. किरनजीत सिंह विभागाध्यक्ष और पीआरओ सतीश जोशी को सर्जरी के लिए निर्देशित किया। साथ ही प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अभिजीत पावडे के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम गठित कर मंगलवार सुबह जटिल सर्जरी कराई। निदेशक निराश्रित गाय और उसकी यह स्थिति देख स्वयं ओटी देखने पहुंच गए। सब कुछ ठीक होने पर उन्नाव वापस भेज दिया। वहां, डिप्टी सीवीओ सदर डॉ. संजय चतुर्वेदी की निगरानी में आगे का उपचार किया गया।

गाय के गले में पड़ा पाइप।

आईवीआरआई बरेली में सर्जरी के बाद गाय।

एक नली थी गायब, अनास्टोमोसिस विधि से ढूंढकर जोड़ी

सर्जरी के दौरान सांस की नली का एक हिस्सा गायब था। जिसे ऊतक संधि या अनास्टोमोसिस विधि द्वारा एसेल्यूलर ग्राफ्ट यानी कोशिकाविहीन प्रत्यारोप की मदद से ढूंढकर जोड़ा गया। इसके बाद खाने की नली को भी इसी विधि से खोजकर जोड़ा। चूंकि पाइप के निकलते ही बहुत रक्तस्राव भी हुआ। एक्सरे में साफ दिख रहा कि पाइप के लचीले पन की वजह से अंदर डालने के बाद वह मुड़ गया। पाइप मुड़ा होने की वजह से सांस ठीक से आ जा नहीं पा रही थी। अतिउत्साहित झोलाछाप के इस कार्य से पशु की जान पर बन आई।

गोकशी की आशंका यह 5वां केस

डॉ. अभिजीत ने बताया कि गाय की श्वास नली यानी ट्रेकिया और खाने की नली यानी इसोफैगस दोनों कटी थी। प्रथमदृष्टया गोकशी का केस है। इस तरह के यूपी के चार जटिल केस की वह सर्जरी कर चुके हैं। ऐसा ही यह पांचवां केस है। किसी व्यक्ति द्वारा बचाव करके झोलाछाप को दिखाया गया। उसने अपूर्ण ज्ञान जो की यूट्यूब वीडियो के माध्यम से देखकर श्वास नली में एक घरेलू पानी का पाइप 10 इंच तक का ट्रेकिया में डाल दिया और एक इंच पाइप बाहर सांस लेने के लिए बाहर लटका दिया। इससे खून और गंदगी भी सांस के द्वारा फेफड़ों में जाती रही। झोलाछाप की यह प्रैक्टिस जानलेवा हो गई।

न्यूज ब्रीफ

नाले में मिला छह दिन से गायब वृद्ध का शव

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के इकघरा गांव निवासी 67 वर्षीय लापता बुजुर्ग हुकुम सिंह का शव छह दिन बाद बुधवार को नाले में मिला है। नाला रिंद नदी की ओर जाता है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हुकुम सिंह बीते शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे घर से बिना बताए कहीं चले गए थे। काफी खोजबीन के पश्चात उनका कहीं सुराग नहीं मिला तो उनके पुत्र संतोष सिंह ने थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे लालपुर से करिगांव के बीच रिंद नदी जाने वाले नाले में हुकुम सिंह का शव पड़ा मिला, लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

बाइक की टक्कर से स्कूल की रसोइया हुई घायल

शिवली। स्कूल में खाना बनाने जा रही एक रसोइया को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए शिवली सीएचसी भेजा। डाक्टर ने महिला को कानपुर हैलट रेफर कर दिया गया। शिवली कस्बे के शिवाजी नगर मोहल्ला निवासी राधा देवी कस्बे के प्राथमिक विद्यालय में रसोइया है। वह बुधवार को पैदल अपने घर से विद्यालय जा रही थी। गेस्ट हाउस के सामने पहुंची थी। कि पीछे से एक बाइक सवार ने उनके जोरदार टक्कर मार दी। जिससे गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर एंबुलेंस के एमटी दिनेश चालक ओजस कुमार घायल को लेकर सीएचसी शिवली पहुंचे। ईएमओ ने राधा को घायल हालत में कानपुर हैलट रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर प्रवीण यादव ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

सड़क हादसे में दंपति व बेटा जख्मी

रसूलाबाद। महेरा गांव के पास स्कूटी की टक्कर से बाइक सवार दंपति व उनका बेटा घायल हो गए। बहादुरपुर गांव निवासी शिवपाल 40 पत्नी संगीता 35 व बेटा विकास 17 के साथ बाइक से रसूलाबाद की तरफ आ रहे थे। रसूलाबाद की तरफ से जा रहे एक अनियंत्रित स्कूटी सवार ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में पति पत्नी व बेटा घायल हो गए।

युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, भर्ती

रसूलाबाद। भैसाया गांव निवासी एक युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया, हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज किया गया। भैसाया निवासी दीपू 30 पुत्र राम रतन ने शराब के नशे में धुत होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां ईएमओ डॉक्टर सौरभ शाक्य ने इलाज किया।

पुलिस ने दर्ज किया हादसे का मुकदमा

रसूलाबाद। थाना क्षेत्र के रतनपुर निवासी अभिषेक ने पुलिस को बताया कि 23 नवंबर 2025 को उनके पिता रामकुमार मुंडेरा किन्नर सिंह गांव के पास करिया झाला जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहे थे। तभी झींझक की तरफ से आ रहे ऑटो चालक ने तेज व लापरवाही से ऑटो चलाते हुए उसके पिता के जोरदार टक्कर मार दी जिससे उनके पिता के एक हाथ की हड्डी व एक पैर तीन जगह से टूट गया, जिसे इलाज के लिए झींझक ले जाया गया। वहां से उन्हें रेफर किया गया। अभी तक उनका इलाज चलता रहा। पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू की है।

रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट, कई लोग घायल

मंगलपुर। थाना क्षेत्र के संदलपुर कस्बे में बुधवार दोपहर को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में एक पक्ष से अरशद, परवीन व आमना घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से तौसीफ, साजिद और एक अन्य युवक को चोटें आई हैं। सूचना पर थाना प्रभारी महेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस की सहायता से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हवासपुर भिजवाया। वहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. गुफरान खान ने प्राथमिक उपचार के बाद तौसीफ व साजिद की हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसके बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों के घायलों का उपचार कराया जा रहा है। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ब्लड सैंपल को करनी पड़ रही मान-मनव्वल

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः एनजीटी के निर्देश पर रनियां नगर पंचायत क्षेत्र के चार अलग-अलग वार्डों में प्रत्येक वार्ड से चिन्हित 30 घरों से लगातार लोगों के खून के नमूने संकलित किए जा रहे हैं। हालांकि जो सैंपल लिए जा रहे हैं उनमें से अधिकांश पूरी तरह से स्वस्थ हैं और उन्हें ये सब-कुछ अजीबो-गरीब लग रहा है। स्वास्थ्य टीम को क्रोमियम व मरकरी की बात बताकर उन्हें सैंपल के लिए मनाना पड़ रहा है।

तीसरे दिन भी संकलित किए खून के नमूने। अमृत विचार

खानचंद्रपुर व इसके आस-पास के इलाके का भू-गर्भ जल प्रदूषित हो चुका है। यहां पर लगे हैंडपंप व सबमर्सिबल पंप पीला व रंगीन बदबूदार पानी निकलता है। पूरा खानचंद्रपुर गांव जिसमें पालन पुर्वा, यादव पुर्वा, चौहान पुर्वा शामिल हैं यहां रहने वाले लोगों का जीवन अभिशाप बन चुका है। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए सरकार द्वारा यहां ओवरहेड टैंक का निर्माण कराया गया था और पाइपलाइन के माध्यम से पानी की आपूर्ति होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केमिकल फैक्ट्रियों से डंप क्रोमियम वेस्ट ने उनकी जिंदगी नर्क बना कर रख दी है। खून की जांच में क्रोमियम व मरकरी मानक से अधिक मिलने से लोग आने वाले कुछ सालों में इससे होने वाले अंजान खतरे से भयभीत हैं। एनजीटी ने जांच का दायरा बढ़ाया है। बुधवार को तीसरे दिन अंबेडकर नगर वार्ड में 30 लोगों के खून के नमूने संकलित किए गए हैं। इस दौरान डा विशाल भसीन, डा राहुल नड्डा, डॉ. भावना, डॉ. मयूरी गुप्ता, फार्मासिस्ट संदीप सिंह रहे।

कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : डीएम

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः डीएम कपिल सिंह की अध्यक्षता में जनपद में संचालित फ्लैगशिप विकास कार्यक्रमों तथा विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभागीय योजनाओं एवं सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। डीएम ने जनपद में संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। शासन की मंशा के अनुरूप सभी योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित की जाए।

विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एवं सीएमआईएस. पोर्टल पर प्रदर्शित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों से संबंधित अद्यतन, सत्यापित एवं सटीक आंकड़े समय से पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किए जाएं। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं समय-सीमा पर पूर्ण करें।

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम कपिल सिंह। अमृत विचार

बैठक में फैमिली आईडी कार्ड से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। नगरीय क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारियों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में खंड विकास अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष कार्य पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि फैमिली आईडी से संबंधित कार्य शासन की एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि फैमिली आईडी के कार्य में लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा भी विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ समय से पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाएं। कहा कि विकास कार्यों का मुख्य उद्देश्य जनसामान्य के जीवन-स्तर में सुधार लाना है, सभी को पूर्ण निष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा।

रनियां-मैथा मार्ग पर हुआ हादसा, जैनपुर की एक फैक्ट्री में कार्यरत था युवक

पिक-अप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, 1 घायल

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः रनियां-मैथा मार्ग पर बुधवार की शाम तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई और उसमें सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजन घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कालेज ले गए जहां डाक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मृतक के घर में कोहराम मच गया।

अवधेश बाजपेई।

रनियां कस्बे के किशरवल रोड शिवपुरी वार्ड निवासी अवधेश बाजपेई (35) वर्ष पुत्र हरीराम बाजपेई जैनपुर की एक लेदर फैक्ट्री में नौकरी करता था। बुधवार की शाम वो बाइक लेकर निकला और किशरवल शिवपुरी वार्ड निवासी दुर्गेश उम्र करीब 36 वर्ष पुत्र देव नारायण सविता भी उसके साथ ही बाइक पर बैठ कर किसी काम से परसौली की ओर जा रहा था। इस बीच सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार पिकअप की सिहुरा भावन गांव के सामने भिड़ंत हो गई। घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजन उपचार के लिए घायलों को मेडिकल कालेज ले गए जहां डाक्टरों ने अवधेश बाजपेई को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत के बाद मां उर्मिला, पिता हरीराम, भाई विनय मृतक की पत्नी लक्ष्मी व पुत्री दीक्षा का रो रोकर बुरा हाल था। जानकारी पर आस-पड़ोस व मोहल्ले के लोग घर पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार को ढांढस बंधाया। इस संबंध में इंस्पेक्टर रनियां शिवनारायण सिंह ने बताया कि फौती सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है, तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

घटनास्थल पर जांच करते रनियां इंस्पेक्टर शिवनारायण सिंह। अमृत विचार

अधेड़ को डंपर ने रौंदा थमीं सांसें

सिकंदरा। सड़क के किनारे पैदल जा रहे अधेड़ को पीछे से आ रहे तेज गति से अज्ञात डंपर ने टक्कर मार दी। इससे अधेड़ की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सिकंदरा थाना क्षेत्र के धसमऊ गांव के पास संदलपुर रोड पर सड़क के किनारे पैदल जा रहे विनय कुमार पुत्र खुमान उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम सलेमपुर थाना सट्टी को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात डंपर मार दी। इसके बाद डंपर चालक वाहन समेत फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर थाना पुलिस दुर्घटना स्थल पर पहुंची। पूर्व विधायक मिथलेश कटियार अपने पति कमलेश कटियार के साथ शव की पहचान करवा रही थी। कड़ी मशक्कत के बाद शव की शिनाख्त हुई। एसएसआई तबारक अहमद ने पंचनामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम को भेजा।

ऑटो व बाइक को ट्रक ने मारी टक्कर, एक की मौत, 7 घायल

रसूलाबाद : रसूलाबाद कानपुर रोड पर पहाड़ीपुर स्थित हसानंद इंटर कॉलेज के समीप एक ट्रक ने सामने से आ रहे ऑटो व बाइक में टक्कर मार दी। इस पर ऑटो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि बाइक सवार, ऑटो चालक समेत सात लोग घायल भी हुए हैं। चौबे निवादा निवासी धर्मपाल अपने निजी ऑटो से बनीपारा कथा सुनने अपनी पत्नी सिया दुलारी 55, सृष्टि 14 पुत्री सोनू, अनीता 35 पत्नी सोनू, अंशिका, कोहिनूर व रोशनी 26 पत्नी अमित निवासी डोमापुर गए थे। ऑटो धर्मपाल का पुत्र अक्षय 28 चला रहा था जबकि डोमापुर निवासी अमित 28 बाइक से था। रसूलाबाद कानपुर रोड पर कॉलेज के समीप रसूलाबाद की ओर से आ रहे ट्रक ने ऑटो व बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार धर्मपाल की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस सीएचसी रसूलाबाद लाई। यहां डॉक्टर शैलेंद्र ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में ऑटो चालक अक्षय व बाइक सवार डोमापुर निवासी अमित भी घायल हुए। गंभीर दशा के चलते उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया गया है।

पशुबाड़े में आग से चार मवेशी व किसान झुलसा

संवाददाता, रसूलाबाद

- मक्का निवादा गांव की घटना, चचेरे भाई पर आग लगाने का आरोप

अमृत विचारः मक्का निवादा गांव में एक किसान के पशु बाड़े में अज्ञात कारणों से आग लग गई। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक उसकी चपेट में आकर चार मवेशी झुलस गए। आग बुझाने में लगे किसान का हाथ भी आग से जल गया है। आग लगने की सूचना किसान ने यूपी 112 डायलकर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस आग की चपेट में आकर झुलसे किसान को सीएचसी रसूलाबाद ले गई है। पीड़ित किसान ने थाने में इस मामले में अपने चचेरे भाई के विरुद्ध आग लगाने का आरोप लगाकर तहरीर दी है

मक्का निवादा निवासी शिवम उर्फ कल्लू पुत्र शिवनाथ ने पुलिस को बताया कि उसके पशुबाड़े में रात अचानक आग लग गई। जब तक ग्रामीण और किसान आग बुझाने पहुंचे तब तक उसने विकराल रूप ले लिया। इससे उसकी चपेट में आकर शिवम की एक भैंस, दो भैंस के बच्चे (पड़वा) एक गाय आग झुलस गए। अपने मवेशियों को बचाने के प्रयास में आग बुझाने में लगे शिवम का हाथ भी आग से झुलस गया। इसकी सूचना तत्काल यूपी 112 डायलकर पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस घायल शिवम को सीएचसी रसूलाबाद ले गई जहां डॉक्टर एन चंद्रा ने उसका उपचार किया है। शिवम ने थान में अपने चचेरे भाई के विरुद्ध आग लगाए जाने का आरोप लगाकर तहरीर दी है।

आग से झुलसा किसान। अमृत विचार

थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए मौके पर पुलिस को भेजा गया है। जांच सही पाए जाने पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

निपुण विद्यालय व एप के बारे में दी जानकारी

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः बच्चों को नियमित विद्यालय आने के लिए प्रेरित करें ताकि विद्यालयों में छात्रों की संख्या बढ़ सके।

यह बात मिशन निपुण के लिये बुधवार को रसूलाबाद के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों की बीआरसी कार्यालय में संपन्न हुई बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह ने कही। उन्होंने छात्रों को नियमित विद्यालय आने के लिए प्रेरित करने की जरूरत पर जोर दिया ताकि छात्र उपस्थिति संख्या बढ़ सके। उन्होंने विद्यालयों को निपुण बनाने के लिए विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने हेतु अभिभावकों से लगातार संपर्क करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा निपुण असेस्मेंट कराया जाना प्रस्तावित है। इसलिए सभी बच्चों को अभ्यास पत्र के माध्यम से लगातार अभ्यास करा लिया जाए।

बैठक के दौरान एसआरबी अजय गुप्ता ने निपुण विद्यालय एवं निपुण लक्ष्य एप की बारीकियों को विस्तार से समझाया। एआरपी पारुल निरंजन व सोनू द्वारा शिक्षण कार्य के दौरान विज्ञान किट और गणित किट का उपयोग कर शैक्षिक स्तर को ऊंचा करने की बात पर जोर दिया गया। बैठक में अन्य उपस्थित जनों में केसी मिश्रा, विवेक पाल, मंयक मिश्रा,गौरव सिंह, शैलेन्द्र सिंह, अनूप अवस्थी अनुराग पाण्डेय, शिव गोविन्द, वीरेन्द्र कुशवाहा, मुहम्मद इसरार, सत्यवीर, प्रवीण अवस्थी, अमरेश कुमार, सलिल, सतेन्द्र, अपर्णा, अनुपमा मौजूद रहीं।

नमस्ते कल्चर अपनाएं, विवाद से निजात पाएं

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड और नेशनल हाईवे एथारिटी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को बारा जोड़ टोल प्लाजा पर आईएमएस स्टाफ का जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें अहम जानकारियां दीं गईं।

एजीएम मनोज शर्मा ने बताया कि 12 जनवरी से 25 जनवरी तक प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इसमें आईएमएस स्टाफ को जीवन रक्षक उपयोग एवं किसी भी दुर्घटना में बिना किसी देर की दुर्घटना स्थल पर जल्द से जल्द पहुंचकर पीड़ित व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहुंचाने एवं यातायात व्यवस्था को सुचार रूप से बिना किसी व्यवधान के चालू रखनी है, इस बारे में जानकारी दी जा रही। हादसों के बाद गोल्डन ऑवर में कैसे घायलों को बचाएं, इसके लिए विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। ट्रेनरों ने बताया कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल तक पहुंचाना बेहद जरूरी है। दिल का दौरा पड़ने के बाद पीड़ित को सीपीआर दिया जाना चाहिए। हालांकि इसके लिए पर्याप्त प्रशिक्षण जरूरी है। बताया कि घायल व्यक्ति को उठाने के दौरान विभिन्न सावधानी बरतनी चाहिए। बुधवार को टोल प्लाजा स्टाफ को भी प्रशिक्षण दिया गया। रोड यूजर यात्री से अच्छा व्यवहार रखने एवं नमस्ते कल्चर को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इससे यूजर और टोल कर्मचारियों के बीच होने वाले झगड़ों को कम किया जा सकता है। एचएलएल प्रतिनिधि हरी बाबू, प्रशिक्षक सरोज कुमारी, विनीत यादव,अतुल कुमार, विपिन कुमार आदि रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम की देखरेख टोल प्रबंधक मनोज शर्मा ने की।

एजीएम मनोज शर्मा ने दी यातायात नियमों की जानकारी। अमृत विचार

- एचएलएल लाइफ केयर व नेशनल हाईवे एथारिटी ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

मतदाता सूची में शामिल कराएं परिवार के पात्र वोटर का नाम

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः डोर-टू-डोर अभियान चलाकर प्रत्येक परिवार के प्रत्येक सदस्य की मतदाता सूची मिलान कर छूटे मतदाताओं और नए मतदाताओं के शत प्रतिशत फार्म भरवाने अपना योगदान करें। यह बात सदस्य विधान परिषद अरुण पाठक ने कार्य कर्ताओं के बीच कही।

प्रदेश अध्यक्ष के कानपुर आगमन पर उनके स्वागत कार्यक्रम और मतदाता सघन पुनरीक्षण अभियान सफल बनाने के लिए कानपुर देहात का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से संपर्क कर अभियान की प्रगति एसआईआर सफल बनाने पर बिंदु वार चर्चा की। मैथा के मनोरमा वीरेंद्र सिंह उमा विद्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर एमएलसी ने एसआईआर के बाबत जानकारी ली। अभियान में समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि हर हाल में मतदाता पुनरीक्षण अभियान सफल बनाएं। नए मतदाताओं के फार्म भराए जाएं।

इसके साथ ही गुरुवार को नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत में पहुंचने की अपील की। इसके बाद उन्होंने कहिंजरी रसूलाबाद, झीझक, डेरापुर में बैठकर कार्यकर्ताओं से रूबरू हो पार्टी के अभियानों को सफल बनाने का आह्वान किया। इस दौरान प्रमुख रूप से जिला महामंत्री बबलू शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख राहुल तिवारी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष बाल जी शुक्ला, जिला मंत्री राकेश तिवारी, शैलेंद्र सिंह, केशव सिंह, योगराज राजपूत, अंकित परमार महेश भदौरिया, अतुल अग्निहोत्री, मुनीश शुक्ला, सुखदेव शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

मॉक ड्रिल कल

युद्ध और हवाई हमले की स्थिति में खुद के बचाव की दी जानकारी

सायरन बजे तो सुरक्षित जगहों पर लें शरण

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः शुक्रवार को नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर ब्लैक आउट के लिए मॉक ड्रिल होगा। इसे सफल बनाने के लिए नागरिक सुरक्षा कोर के स्वयं सेवक एनसीसी, पीआरडी, एनएसएस के लोगों को आज अकबरपुर महाविद्यालय कॉलेज में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण गुरुवार को भी चलेगा। लखन कुमार शुक्ला मुख्य प्रशिक्षक आपदा प्रबंधन व अश्वनी वर्मा आपदा विशेषज्ञ द्वारा दिया जा रहा।

ब्लैक आउट क्या होता है, इस बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि यदि आपके इलाके में हवाई हमले होने की आशंका है, तो ब्लैक आउट किया जाता है। हवाई हमले की चेतावनी सुनते रहें। सरकारी अलार्म, सायरन, या रेडियो-टीवी की घोषणाओं पर ध्यान दें। अगर सायरन बजे तो तुरंत सुरक्षात्मक स्थिति लें। तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाएं बंकर, तहखाना (बेसमेंट), या घर का सबसे मजबूत कमरा चुनें, जैसे बाथरूम या सीढ़ियों के नीचे का इलाका। हवाई हमले की जानकारी मिले तो खिड़कियों और शीशों से दूर रहें। खिड़कियां और दरवाजे बंद कर दें। ध्वनि और विस्फोट से आने वाले मलबे से बचने के लिए खिड़कियां, दरवाजे, और परदों को बंद रखें। यदि संभव हो तो खिड़कियों पर टेप लगा दें ताकि कांच टूटे तो नुकसान कम हो। पेट के बल लेट जाएं। प्रशिक्षण में अग्नि शमन एवं आपदा सेवा कानपुर देहात की टीम, स्वास्थ्य विभाग की टीम पशु पालन विभाग की टीम ने अपना सहयोग प्रदान किया। प्रशिक्षण में नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवक, एनसीसी 59 बटालियन के कैडेट एनएसएस,पीआरडी के लोग उपस्थित रहे।

ट्रेनर ने बताया हमला हो तो ऐसे झुककर करें बचाव। अमृत विचार

हमले के बाद तुरंत बाहर न निकलें : एयर अटैक के हालात में जरूरी चीजें जैसे पानी, सूखा भोजन, प्राथमिक उपचार, दवाइयां, टॉर्च, रेडियो, दस्तावेज और पहचान पत्र पहले से तैयार रखें। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सुरक्षा दें। बच्चों को मानसिक रूप से शांत रखें । हमले के बाद तुरंत बाहर न निकलें। जब तक आधिकारिक पुष्टि न हो जाए कि खतरा टल गया है, तब तक बाहर न निकलें।

एसआईआर का मिला नोटिस आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे वोटर

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः मैथा तहसील में एसआईआर के जरिए तैयार मतदाता सूची से नाम कटने वाले 9114 नागरिकों को आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया गया है। जिससे अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकें। तहसील कार्यालय में यह प्रक्रिया चल रही है। बुधवार को बड़ी संख्या में लोग अपनी आपत्तियां दर्ज कराने के लिए पहुंचे हैं।

तहसीलदार सुनील कुमार और नायब तहसीलदार अनिरुद्ध कुमार ने सभी लोगों की आपत्तियां सुनीं। उन्होंने दस्तावेजों के साथ दिए गए आपत्तियों का गंभीरता से अवलोकन किया और संबंधित मामलों का समाधान निकालने के लिए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इनमें से एक प्रमुख मामला प्रतापपुर खासगांव के अनिल और उनकी पत्नी सोनी का था। सोनी का नाम मतदाता सूची से कट गया था, जिस पर अनिल ने आपत्ति दर्ज कराई। उनका कहना था कि उनकी पत्नी का नाम बिना किसी कारण के वोटर लिस्ट से हटा दिया गया। इसके लिए उन्होंने अपने ससुराल से उनकी पत्नी का रिकॉर्ड भी मंगवाया है। तहसीलदार सुनील कुमार ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का पूरा हक है, वे पूरी तरह से जांच करेंगे।

आपत्तियां दर्ज कराते मतदाता।

अलग-अलग जगहों पर जरूरतमंदों को बांटे कंबल

सिकंदरा। आलमपुर गांव के पंचायत भवन में उत्तर प्रदेश खादी ग्राम उद्योग के सदस्य वंशलाल कटियार ने 60 जरूरतमंदों को कंबल बांटे। सिकंदरा कस्बा के मालवीय नगर स्थित राघवेन्द्र तिवारी के आवास पर थाना प्रभारी दिनेश कुमार गौतम ने 50 कंबल बांटे। थाना प्रभारी ने कहा कि गरीबों को कंबल वितरण के लिए संभ्रांत नागरिकों को आगे आना चाहिए। राघवेन्द्र तिवारी ने बताया कि गरीब वृद्धों को प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी 50 कंबल वितरण किए। मोहल्ला के 11 संभ्रांत नागरिकों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किए जाने के साथ ही खिचड़ी भोज कराया गया। इस मौके पर प्रदीप त्रिवेदी, राजेन्द्र बाबू अग्निहोत्री,आशाराम तिवारी, पप्पू दीक्षित, रामचंद्र शुक्ल, सहित मौजूद रहे।

विराट हिंदू सम्मेलन में उमड़ा हिंदू समाज

संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल ने युवाओं से जड़ों से जुड़े रहने का किया आह्वान, बिठूर और बिल्हौर में हुआ आयोजन, साधु संत भी रहे मौजूद

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। बिठूर स्थित श्री राम जानकी इंटर कॉलेज परिसर में बुधवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक अनिल रहे।

अपने संबोधन में क्षेत्र प्रचारक अनिल ने कहा कि भारतवर्ष में सनातन धर्म ही ऐसा धर्म है जिसमें जाति, भाषा, प्रांत और क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी जड़ों से जुड़ें तभी सनातन का वैभव चारों ओर फैलेगा। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आज परिस्थितियां ऐसी बन गई हैं कि अपने ही देश के कुछ निवासी हिंदू प्रसाद तक ग्रहण करने से मना कर देते हैं और पूछताछ करने पर पता चलता है कि वे क्रॉस धारण किए हुए हैं। उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों में जाति, भाषा, प्रांत और क्षेत्र के आधार पर राजनीतिक पार्टियों का गठन हुआ है, जो समाज को विभाजित करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से कहा कि घर में 'लोहा' होगा, तभी उससे शस्त्र बनेंगे और रक्षा संभव होगी। कार्यक्रम में पनकी धाम के महंत एवं महामंडलेश्वर जितेंद्र दास जी महाराज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सनातन संस्कृति के संरक्षण पर अपने विचार रखे। सम्मेलन में विभाग प्रचारक बैरिस्टर, विभाग कार्यवाहक अंकुर, समीर, जिला प्रचारक शिवम, जिला प्रचार प्रमुख डॉ. नीरज, जयकुमार सहित अनेक संघ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच संचालन अनिल द्विवेदी ने किया। इसके अलावा कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के विधायक अभिजीत सिंह सांगा, ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला, पुष्कर शुक्ला, विकास सिंह भोले सहित तमाम जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

बिठूर में विराट हिंदू सम्मेलन में मौजूद संत व अन्य लोगों को संबोधित करते वक्ता।

अमृत विचार

बिल्हौर में विराट हिंदू सम्मेलन में बोलते वक्ता। अमृत विचार

सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण का किया आह्वान

बिल्हौर। ककवन खंड के अंतर्गत आने वाली विषधन न्याय पंचायत में 'विराट हिंदू सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं और प्रबुद्ध जनों ने शिरकत की। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज में एकजुटता, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, विभाग प्रचारक राहुल ने अपने संबोधन में समाज की वर्तमान चुनौतियों और उनके समाधान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदू संस्कृति न केवल प्राचीन है, बल्कि विश्व कल्याण की भावना से ओत-प्रोत है। उन्होंने युवाओं से अपनी जड़ों से जुड़े रहने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अन्य वक्ताओं ने कहा कि हमें जाति-पाति के बंधनों से ऊपर उठकर संगठित रहना होगा। कार्यक्रम का समापन सामूहिक आरती और राष्ट्रगान के साथ हुआ। सम्मेलन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करने के लिए बाबूलाल जी समेत संत समाज के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों, सरोज जी और राधा दास जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। संतों ने सनातन धर्म की शिक्षाओं को जीवन में उतारने और आपसी भेदभाव मिटाकर समरस समाज बनाने पर बल दिया।

किशोरी व अपहर्ता की तलाश में जुटीं पुलिस की दो टीमें

हमीरपुर। तमंचे की नोंक पर किशोरी को अगवा करने वाले का नहीं सुराग नहीं लगा है। पकड़े गए तीन आरोपियों में दो युवकों को जेल भेज दिया गया है। जबकि एक आरोपी अस्पताल में भर्ती है।

महेरा गांव से एक किलोमीटर दूर डेरा में कुंदन राजपूत सपरिवार रहता है। मंगलवार को सुबह गांव का हिस्ट्रीशीटर रिंकू उर्फ डूंगर राजपूत अपने तीन साथियों के साथ आ धमका और किशोरी के कनपटी पर तमंचा लगाकर परिजनों उसको अगवा कर ले जाने लगे। ग्रामीणों के पीछा करने पर नाले में एक साथी के गिर जाने पर दो साथी उसकी मदद करने लगे। तब तक भीड़ ने वहां पहुंचकर तीनों को पकड़ लिया। वही डूंगर उर्फ रिंकू राजपूत तमंचा दिखाते हुए किशोरी को नदी के उस पार लेकर फरार हो गया। पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को बुधवार को जेल भेज दिया है। घायल ऋषि का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। पुलिस की दो टीमें रिंकू व अगवा की गई किशोरी की तलाश में लगी है।

न्यूज ब्रीफ

अपना दल एस के विधानसभा अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

घाटमपुर। अभिषेक पटेल विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा घाटमपुर अपना दल (एस) ने व्यक्तिगत कारणों के चलते अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र अपना दल के प्रदेश अध्यक्ष को भेजा है। इसमें उन्होंने कहा है कि अपने कार्यकाल के दौरान पार्टी द्वारा दिए गए सम्मान, विश्वास एवं सहयोग के लिए मैं हृदय से आभारी हूं। मैं सदैव अपना दल (एस) का एक सक्रिय सदस्य बना रहूंगा तथा पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों एवं संगठन को मजबूत करने हेतु निरंतर समर्पित भाव से कार्य करता रहूंगा। कृपया मेरे इस त्यागपत्र को स्वीकार किया जाये।

राम दरबार के साथ निकलेगी कलश यात्रा

घाटमपुर। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत जुरेया गांव में होने वाली श्रीमद् भागवत महापुराण कथा को लेकर सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। कमेटी के संयोजक ओम बाबा ने जानकारी देते हुए बताया कि राम स्थापना दिवस के अवसर पर 22 जनवरी को श्री राम दरबार झांकी एवं ग्राम भ्रमण व भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। 23 जनवरी को श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ होगा। 29 जनवरी को श्रीमद् भागवत कथा का समापन किया जाएगा। इसके उपरांत 30 जनवरी को हवन भंडारा एवं रात्रि में विशाल रामलीला का आयोजन किया जाएगा। कथा का श्रवण आचार्य श्री देवेश तिवारी जी के द्वारा किया जाएगा।

सजेती में महिला के साथ की छेड़छाड़

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ छेड़खानी और जबरदस्ती का मामला सामने आया है। पीड़िता ने बताया कि वह अपनी कास्मेटिक की दुकान बंद कर घर जा रही थी। तभी एक व्यक्ति ने उसे रोककर अभद्रता करने लगा और खेत में घसीटकर लेजाकर जबरदस्ती का प्रयास करने लगा। पीड़िता के अनुसार, आरोपी का नाम सुबोध है। पीड़िता ने इस घटना की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। सजेती पुलिस ने मामला दर्ज जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जालौन में कानपुर के दंपती घायल

जालौन। त्रियोदशी संस्कार में शामिल होते जा रहे दंपति यमुना पुल पर हादसे का शिकार हो गये। बुधवार सुबह लगभग दस बजे कानपुर के मुहल्ला किदवई नगर निवासी सत्येंद्र वर्मा, पत्नी सुनीता के साथ बाइक से उरई आ रहे थे लेकिन जैसे ही वह यमुना पुल पर आए तभी पीछे से किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे हिन्दूवादी नेता नीलाभ शुक्ला व दीपक शर्मा ने एनएचएआई की एम्बुलेंस के जरिये सीएचसी भेजा, लेकिन महिला की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया है।

पुराने विवाद पर दो पक्षों में हुई मारपीट

हमीरपुर। पुराने विवाद को लेकर विचाराधीन मुकदमे की तारीख पर दोनों पक्ष बुधवार को कोर्ट पहुंचे, जहां फिर विवाद हो गया। दोनों पक्ष न्यायालय परिसर के बाहर सड़क पर मारपीट पर उतारू हो गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर तमाचे, मुक्का, घूंसा-लात बरसाते रहे। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो गया। वकीलों ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत करवा दिया।

एक ई-रिक्शा और दूसरे की बैटरी चोरी

हमीरपुर। कोतवाली के कुर्रा गांव निवासी जगदीश साहू ने बताया कि मंगलवार की शाम वह ई रिक्शा चार्जिंग पर लगाकर सो गया। रात में चोर रिक्शा चुरा ले गए। बगल में खड़े दूसरे ई रिक्शा की चार बैटरियां भी ले गए। करीब डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

ड्रॉप मोर क्रॉप और बागवानी के टिप्स

हमीरपुर। उद्यान विभाग ने सुमेरपुर ब्लाक परिसर में किसानों को ड्रॉप मोर क्रॉप व एकीकृत बागवानी के टिप्स दिए। वेदांता पॉलिमर्स, जैन इरीगेशन नेटाफीम, इरीलिंक इरीगेशन, वीके पैकवेल कंपनियों ने स्टॉल लगाए और स्प्रिंकलर का लाइव डेमोस्ट्रेशन भी किया। जिला उद्यान अधिकारी आशीष कटियार ने किसानों को फसलों में बौछारी सिंचाई कर पैदावार बढ़ाने को प्रेरित किया।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने छह छात्रों को लिया गोद

घाटमपुर। बैंक ऑफ़ बड़ौदा शाखा पड़री पतारा ने एलएमएम श्री बाबा वासुदेव स्कूल के छह छात्र एवं छात्राओं को गोद लिया है। अब इनकी पढ़ाई का खर्चा बैंक ऑफ़ बड़ौदा शाखा पड़री उठायगी।

इसको लेकर एक कार्यक्रम एलएम एम श्री बाबा वासुदेव स्कूल में विशेष आयोजन रखा गया। इस आयोजन में बैंक के समस्त पदाधिकारी शाखा प्रबंधक मोहम्मद फिरोज अहमद, उप शाखा प्रबंधक बृजेश कुमार वर्मा, सीनियर एसोसिएट देवल मिश्रा, हेड कैशियर अमित कुमार, मोहम्मद राशिद व विद्यालय प्रधानाचार्य राजकमल सैनी, प्रबंधक रमेश सैनी एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ मौजूद रहा। गोद लिए गए छात्र एवं छात्राओं में देवांशी देवी, रिया गोस्वामी, कृष्ण गोस्वामी, लवकुश, राधा आदि छात्र छात्राएं शामिल रहीं।

गोद लिये गये छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

शिवराजपुर में बम्बे की पटरी कटने से फसलें हुईं जलमग्न

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। रजबहा में अधिक मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण महिपालपुर गांव के पास से निकले रजबहे की पटरी कट गई। इसके चलते बम्बा का पानी खेतों में भर गया। इससे आलू व लाही की 20 बीघा फसल बर्बाद हो गयी।

मंगलवार की रात महिपालपुर गांव की पुलिया संख्या 18 के पास रजबहा की पटरी कटने से लगभग 20 बीघा फसल जलमग्न हो गई। सुबह खेतों पर पहुंचे किसानों ने खेतों में पानी भरा देखकर एसडीएम को इसकी जानकारी दी। कमलेश कटियार, रजनीश कटियार, पप्पू कटियार, दीपू कटियार, आशुतोष कटियार आदि किसानों का कहना है कई बार सिचाई विभाग को रजबहे की पटरी ठीक करने की सूचना दी गई किंतु उसे ठीक नहीं किया गया। इसके चलते यह घटना हो गयी और उनकी फसलें नष्ट हो गईं।

बम्बा की पटरी कटने से खेत में जाता पानी। अमृत विचार

- ग्रामीणों की बीस बीघा फसल हुई बर्बाद
- जेई ने कहा, नुकसान की जांच कराकर मुआवजा दिलाया जायेगा

सिंचाई विभाग के जेई नीरज पाल ने बताया कि मंगलवार को भी जेसीबी से पटरी बांधने का काम किया गया, किंतु सफल नहीं हुए बुधवार को दोबारा जेसीबी मशीन बुलाकर एवं ग्रामीणों के सहयोग से रजबहे की पटरी को ठीक किया गया। इस मामले में जेई ने बताया कि किसानों के फसलों का नुकसान हुआ है। उसकी जांच करा कर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

छज्जे से रगड़ा कंटेनर छह घंटे तक लगा जाम

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। कस्बे का अति व्यस्ततम रोड शिवराजपुर शिवली मार्ग है, जो कि कस्बे में अतिक्रमण के चलते काफी संकरा हो गया है। इसके बाद भी बहुत बड़े-बड़े वाहन इसी रोड से निकलते हैं। आए दिन वाहनों के फंसने से जाम भी लग जाता है। इसके बावजूद जन प्रतिनिधि एवं प्रशासन मूकदर्शक बने रहते हैं और कस्बा एवं क्षेत्र के नागरिक इस समस्या से जूझते रहते हैं।

बुधवार की सुबह एक लम्बा कंटेंनर शिवली की तरफ से आ रहा था। बर्राजपुर कस्बे में सड़क किनार बने मकान के छज्जे से रगड़ कर फंस गया। इसकी वजह से करीब छह घंटे तक जाम लगा रहा। शिवराजपुर-शिवली मार्ग पर सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। सुबह 10 बजे लगा जाम पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शाम 3 बजे खुलवाया। तब कहीं जाकर राहगीरों ने राहत की सांस ली।

- कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने खुलवाया जाम

छज्जे से रगड़ कर खड़ा कंटेनर।

गढ़ोलामऊ में मंगलवार को साधन सहकारी समिति का हुआ शुभारंभ

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गढ़ोलामऊ में मंगलवार को साधन सहकारी समिति का शुभारंभ हुआ। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में घाटमपुर विधानसभा की विधायक सरोज कुरील पहुंची और फीता काटकर समिति का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर विधायक सरोज ने कहा कि साधन सहकारी समिति किसानों एवं ग्रामीणों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने समिति से पारदर्शिता एवं जनहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया।

समिति का फीता काटकर शुभारंभ करतीं विधायक सरोज कुरील।

- क्षेत्रीय विधायक सरोज कुरील ने फीता काटकर किया उद्घाटन
- लोगों ने कहा इससे क्षेत्र की जनता को मिलेगी राहत

उन्होंने कहा कि किसानों को यूरिया, डीएपी सहित उर्वरक को किसानों को भरपूर मात्रा में मिल रही है। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने समिति के सफल संचालन की कामना की।

पूर्व सैनिक की हालत बिगड़ी, थम गई सांस

राठ (हमीरपुर)। मझगवां गांव में संदिग्ध परिस्थितियों के चलते एक पूर्व सैनिक की मौत होने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी लगते ही पूर्व सैनिक के परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार मझगवां गांव के रहने वाले पूर्व सैनिक पुष्पेन्द्र (45) पुत्र रणवीर सिंह की बुधवार रात संदिग्ध परिस्थितियों के चलते हालत बिगड़ गई। परिजन पूर्व सैनिक को लेकर नौरंगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि पुष्पेन्द्र आर्मी में जवान था। बीते दो वर्ष पहले ही रिटायर्ड हुआ था। मृतक अपने पीछे पत्नी प्रतिमा सिंह एवं पुत्र आदर्श सहित भाई भूपेंद्र सिंह के अन्य सभी परिजनों को रोता बिलखता हुआ छोड़ गया है। मझगवां थानाध्यक्ष आशुतोष सिंह ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

सपाइयों ने बनारस की घटना पर जताया आक्रोश, कार्रवाई की मांग

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। ककवन ब्लॉक के कुरेह गांव में समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीण और सपा कार्यकर्ता जुटे। इस दौरान सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने गौतम समाज को संबोधित करते हुए सामाजिक एकता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम के दौरान विनय यादव ने बनारस में कथित रूप से अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए मांग की कि दोषियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कहा कि संविधान ही वह कवच है जो समाज के अंतिम व्यक्ति को अपनी बात रखने की शक्ति देता है। उन्होंने गौतम समाज के युवाओं से शिक्षा को हथियार बनाने और संगठित रहने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के बहकावे में न आयें और सामाजिक भाईचारा बनाए रखें। इस दौरान मुख्य रूप से पूर्व प्रधान चुन्नी लाल गौतम, अभिरन सिंह गौतम, सचिव गौतम, हरि शंकर गौतम, गौतम कुमार, रघुवीर गौतम, प्रेम चंद्र गौतम, डॉ. सीता राम मौजूद रहे।

विरोध जताते सपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

- कुरेह गांव में सपा का जन जागरूकता अभियान

अभियान | मतदाता पुनरीक्षण के तहत विशेष सुनवाई शुरू

पहले दिन 400 मतदाताओं के दावों का निस्तारण

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के क्रम में, बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के सुदृढ़ीकरण और शुद्धिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया गया है।

बुधवार को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बिल्हौर संजीव दीक्षित और 15 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के नेतृत्व में उन मतदाताओं की सुनवाई की गई, जिनका मिलान वर्ष 2003 की मतदाता सूची से नहीं हो पा रहा था। यह विशेष प्रक्रिया उन मतदाताओं के लिए आयोजित की जा रही है, जिनकी मैपिंग 2003 की मतदाता सूची में स्वयं, उनके माता-पिता, दादा-दादी या नाना-नानी के विवरण से नहीं हो सकी है। ऐसे मतदाताओं की पहचान कर बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर नोटिस तामील कराए गए थे।

बीएलओ के माध्यम से कुल 2,199 मतदाताओं को सुनवाई के लिए नोटिस प्रदान किए गए थे। पूर्व निर्धारित स्थलों पर आयोजित सुनवाई में आज पहले दिन 400 मतदाताओं ने उपस्थित होकर साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिनका मौके पर निस्तारण किया गया। यह प्रक्रिया 21 जनवरी से शुरू होकर 6 फरवरी 2026 तक निरंतर चलेगी। प्रशासन ने मानवीय आधार पर 80 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजन। गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्ति और किसी भी अपरिहार्य स्थिति में फंसे मतदाता को छूट दे रखी है। ऐसे मतदाताओं के परिवार का कोई भी सदस्य आयोग द्वारा निर्धारित 13 वैकल्पिक दस्तावेजों में से संबंधित साक्ष्य लेकर सुनवाई स्थल पर उपस्थित हो सकता है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी संजीव दीक्षित ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। जिन लोगों को नोटिस प्राप्त हुए हैं, वे निर्धारित तिथियों के भीतर अपने दस्तावेजों का सत्यापन करा लें।

मतदाता सूची में नाम पता सही कराते लोग। अमृत विचार

12 मिनट की देरी पर नहीं डाल सके टेंडर

मौदहा। हाईवे पर जाम की वजह से 12 मिनट देर से नगर पालिका कार्यालय पहुंचे ठेकेदारों को निविदा डालने से रोक दिया गया।

पं.दीनदयाल जल निकासी योजना के तहत 4 करोड़ रुपये के काम के लिए 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे तक ऑनलाइन टेंडर अपलोड कर ऑफलाइन टेंडर शाम 5 बजे तक बॉक्स में पड़ने थे। ठेकेदार बेबी सिंह, वरदानी लाल का कहना है कि ऑनलाइन प्रक्रिया करने के बाद वह हमीरपुर से रवाना हुए, मगर हाईवे पर जाम में फंस जाने के कारण 12 मिनट देरी से शाम 5:12 बजे कार्यालय पहुंचे तो टेंडर बॉक्स सील किया जा चुका था। अपर जिलाधिकारी रिजवाना शाहिद ने मामले की जांच कर कार्यवाही करने की बात कही है।

पशुओं की खाल से भरी पिकअप पुलिस ने पकड़ी

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। बुधवार देर रात क्षेत्र के नेवादा टोल प्लाजा पर पशुओं की खाल से भरा हुआ एक पिकअप कानपुर की ओर जा रहा था। टोल पे मौजूद कर्मचारियों ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस गाड़ी को क़ब्ज़े में लेकर थाने ले आयी और गाड़ी में मिले दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीसपी कपिल देव सिंह भी मौके पर पहुंच गये और जांच पड़ताल की।

जानकारी के अनुसार हरदोई से कानपुर की तरफ एक पिकअप जा रहा था। पिकअप में पशुओं की खाल भरी हुई थी। जैसे ही पिकअप टोल प्लाजा पर पहुंची टोल प्लाजा कर्मियों ने गाड़ी से खून रिशता हुआ देखकर उसे रोकने का प्रयास किया। इस पर चालक ने पिकअप को भगाने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हुआ। इसके बाद टोल कमियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस चालक को लोडर सहित थाने ले गई है। थानाध्यक्ष वरुण शर्मा ने बताया मौक़े पर पहुंचकर गाड़ी को हिरासत में लिया गया है चालक और एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं जानकारी मिलते ही विहिप समेत अन्य हिंदू संगठनों के नेता और कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गये।

सुविचार

जीवन का महानतम उपयोग इसे किन्हीं ऐसे अच्छे कार्यों पर व्यय करना है जो कि इसके जाने के बाद भी बने रहें।

- विलियम जेम्स

www.amritvichar.com

अमृत विचार

कानपुर महानगर

कानपुर के प्रमुख समाचार

- अखिलेश दुबे के साथी ने किया सरेंडर-II
- इस्पात नगर में सड़कें सुधरेंगी, रोशनी बढ़ेगी -III
- बच्चों से खाली घर, बुजुर्गों में अवसाद रहा भर -IV

कानपुर, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **वितरण** : डीएसडब्लूसीए की ओर से स्कूल किट का वितरण शास्त्री नगर काली मठिया चौराहा पर सुबह 9 बजे।
- **शिविर** : दीनदयाल वाटिका फूलबाग में रक्तदान शिविर दोपहर 3 बजे।
- **यात्रा** : नयागंज चौराहा से रामोत्सव यात्रा दोपहर 3 बजे।

सिटी ब्रीफ

तीन सेंटरों पर जेईई मेंस की परीक्षा

कानपुर। देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए होने वाली जेईई मेंस की परीक्षा बुधवार को शहर के तीन केंद्रों में आयोजित हुई। परीक्षा ओन डिजिटल वन हाथीपुर, इओन डिजिटल टू हाथीपुर व इओन डिजिटल भौंती में आयोजित हुई। 30 तक चलने वाली इस परीक्षा के पहले दिन 3128 परीक्षार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया था। दो शिफ्ट में हुई परीक्षा में पहले दिन 2870 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों को कड़ी सुरक्षा के बीच केंद्र में प्रविश दिया गया।

युवक पर ईंट व राड से किया हमला

कानपुर। रेलबाजार के खपरा मोहाल निवासी महताब आलम का घोड़ी-बग्गी का काम है। वह जोगीराम धर्मशाला के पास घोड़ी-बग्गी की रखवाली के लिए चारपाई डालकर मंगलवार रात सो रहे थे। इसी दौरान चार-पांच युवक आए और उनको जगाकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध पर ईट और राड से हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गए। पीड़ित के परिजनों ने थाने में शिकायत की।

छात्रों को विज्ञान की अवधारणा बताई

कानपुर। शिक्षा सोपान एवं सोपान ट्रस्ट की ओर से स्कूल ऑफ बेसिक साइंस, सीएसजेएमयू में शैक्षणिक सलाह कार्यक्रम आयोजित हुआ। पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा ने छात्रों को भौतिकी की मूल अवधारणाओं पर आधारित समस्या-समाधान तकनीकों से अवगत कराया। तार्किक विश्लेषण तथा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए आवश्यक दृष्टिकोण पर विशेष बल दिया गया। प्रो. आरके द्विवेदी, निदेशक, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़, मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों ने भी भाग लिया।

एक्सप्रेसवे के प्रवेश द्वार तक पहुंचने में ट्रैफिक जाम, वाहनों की बेतरतीब चाल का करना होगा सामना, नहीं कोई समाधान

45 मिनट में लखनऊ का सफर पर शहर में तो लग जाएंगे घंटों

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे बनकर लगभग तैयार है। एनएचएआई का दावा है कि हर हाल में दो माह के भीतर यह मार्ग वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। 63 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे के जरिए लखनऊ की यात्रा में लगने वाला समय घटकर 40 से 45 मिनट रह जाएगा। अभी कानपुर से लखनऊ की दूरी तय करने में कई बार तीन घंटे तक समय लग जाता है।

जाजमऊ गंगा पुल के आगे उन्नाव-शुक्लागंज बाईपास के पास आजाद चौराहे पर प्रवेश द्वार से बंथरा तक एक्सप्रेसवे का 45.2 किमी हिस्सा ग्रीनफील्ड और बनी मोड़ से सैनिक स्कूल के आगे तक 17.5 किमी एलिवेटेड है। लेकिन इस रास्ते लखनऊ का सफर सुहाना होने का दावा पूरी तरह सच नहीं है, 63 किमी लंबे एक्सप्रेस वे पर आप भले ही फर्राटा भरते हुए यह दूरी 45 मिनट में पूरी कर लें, लेकिन लखनऊ जाने के लिए एक्सप्रेस वे पर चढ़ने या लखनऊ से आते समय एक्सप्रेस वे से उतरकर कानपुर में अपने गंतव्य तक पहुंचने में जाम और यातायात अराजकता के चलते दो घंटे से कम समय नहीं लगने वाला है, ऐसा इसलिए है कि एक्सप्रेस वे के लिए शहर के कोई सुगम एक्सेस नहीं तैयार किया गया है। वर्तमान लखनऊ हाईवे पर स्थित शुक्लागंज बाईपास को एक्सप्रेसवे से नहीं जोड़ा गया है।

अमृत विचार की टीम ने इसी समस्या का रियलिटी चेक किया तो पाया कि शहर से एक्सप्रेस वे तक पहुंचने के लिए कोई भी मार्ग चुनें ट्रैफिक में जरूर फंसेंगे। इसकी वजह पूरी तरह से चरमराई यातायात व्यवस्था है। मंगलवार दोपहर अम=त विचार की दो टीमों ने अलग-अलग रास्ते चुने। पहली टीम बड़ा चौराहा तो दूसरी घंटाघर से जाजमऊ गंगा पुल के पार आजाद चौराहा के लिए निकली, जहां से एक्सप्रेस वे शुरू होता है।

बड़ा चौराहा से मरहला चौराहा होकर दूरी 16 किमी, समय लगा 55 मिनट : बड़ा चौराहा से शुक्लागंज गंगा पुल पार करते हुए मरहला चौराहा होकर लखनऊ हाईवे पर स्थित आजाद चौराहा पहुंचने में टीम को व्यस्त समय नहीं होने के बावजूद करीब 55 मिनट लगे। टीम को मालरोड, फूलबाग, झाड़ी बाबा का पड़ाव, शुक्लागंज नया पुल के अंतिम छोर से मरहला चौराहा तक जगह-जगह ई-रिक्शा, टेंपो और यातायात की बेढंगी चाल के कारण रुकना पड़ा। मरहला चौराहे से लखनऊ बाईपास पर दोनों तरफ आबादी, दुकानों और अवैध कट की वजह से रास्ता तेजी से पार करने में समस्या आई।

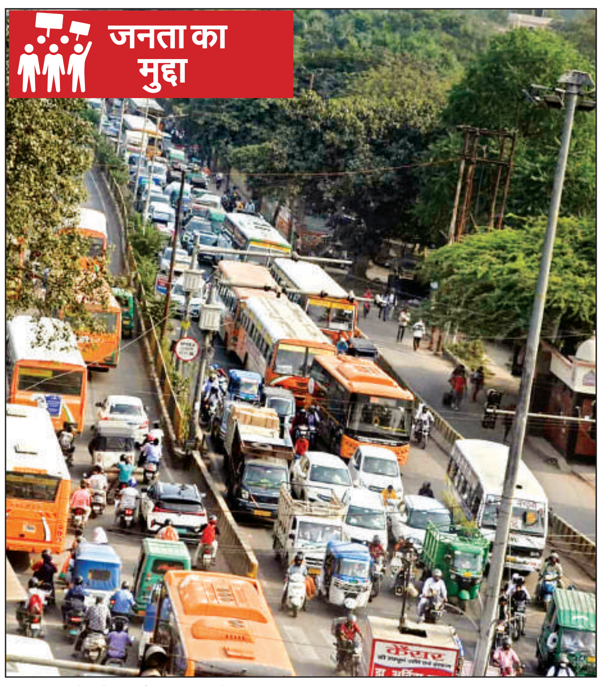

टाटमिल चौराहे पर रोज लगता है जाम। अमृत विचार

घंटाघर से रामादेवी जाजमऊ होकर दूरी 13 किमी, समय लगा 50 मिनट

- घंटाघर से आगे बढ़ते ही पुल पर चढ़ने के लिए जाम में फंसना पड़ा, आगे टाट मिल चौराहा पर स्लिप रोड से निकलना था, लेकिन लाल बत्ती के कारण वाहनों के जमाव से रास्ता खाली नहीं मिला। किसी तरह आगे बढ़े तो जीटी रोड पर सेंट्रल स्टेशन, ट्रैफिक पुलिस लाइन के लिए बने कट के कारण रुकना पड़ा। श्याम नगर पीएसी मोड़ तक कुछ राहत रही, लेकिन इसके बाद जाजमऊ गंगा पुल तक पूरे रास्ते कभी रुकते, कभी वाहनों की बेतरतीब चाल में उलझते हुए चलना पड़ा। गंगा पुल पार करने में भी कुछ यही हाल रहा।

घंटाघर से कैंट होकर दूरी 12 किमी, समय लगा 45 मिनट

- घंटाघर से कैंट और जाजमऊ गंगापुल होकर आजाद चौराहा पहुंचने में सबसे ज्यादा समस्या इस रूट के आरंभ और अंत में उठानी पड़ी। एक्सप्रेस रोड पार करने में ही काफी समय लग गया, हालांकि इसके बाद मुरे कंपनी पुल और रॉकेट तिराहा होकर कैंट मार्ग पर परेशानी नहीं आई, लेकिन गोल्फ कोर्स पार करते ही ट्रैफिक में ई-रिक्शा, खड़खड़ा की संख्या बढ़ गई, आगे सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण रुकना या रेंगने जैसी हालत में चलना पड़ा। जाजमऊ गंगा पुल पर भी तेजी से आगे बढ़ने का रास्ता नहीं मिला।

जाजमऊ में गंगा पर पुल बनाए बिना अधूरा है एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट

जाजमऊ में एक फोरलेन पुल बनाकर एक्सप्रेसवे से आवागमन सुगम किया जाना चाहिए। जब एक्सप्रेसवे का प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा था, उसी समय यह बात ध्यान में रखी जानी चाहिए थी।

– डॉ. विकास शुक्ला, वरिष्ठ न्यूरो सर्जन

लखनऊ से 45 मिनट में आने से कोई लाभ नहीं होगा। जब तक कि जाजमऊ में गंगा पर पुल नहीं बनेगा। जाजमऊ में वर्तमान गंगा पुल पर जब घंटों जाम में वाहन फंसेंगे तो एक्सप्रेसवे का कोई लाभ नहीं मिल पाएगा।

– प्रदीप तिवारी वरिष्ठ अधिवक्ता

गंगा पर पुल के निर्माण का प्रोजेक्ट तो एक्सप्रेसवे के प्रोजेक्ट में ही शामिल होना चाहिए था लेकिन आधा-अधूरा प्रोजेक्ट बना। आवागमन सुगम करने के लिए तत्काल पुल का प्रोजेक्ट बने और उसे मंजूरी दी जाए।

-आशु शर्मा, व्यापारी नेता

एक्सप्रेसवे का प्रोजेक्ट बहुत ही अच्छा है। बस गंगा पर पुल न होना अखरेगा। एनएचएआई को चाहिए कि भूल सुधार करे और तत्काल प्रोजेक्ट तैयार करे। सांसद व अन्य जनप्रतिनिधि भी इस मुद्दे पर परिवहन मंत्री से बात करें।

– अजय सिंह, व्यापारी नेता

सीएसजेएमयू के 20 छात्रों को 8 लाख का पैकेज

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस बार जॉब इंटरव्यू में बेहतर प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय के 20 छात्र ऐसे हैं जिन्हें इस बार 8 लाख रुपये से अधिक के पैकेज पर नौकरी हासिल हुई है। नौकरी हासिल करने वालों में ज्यादातर छात्र बीकॉम, बीबीए व एमबीए सहित अन्य पाठ्यक्रमों के हैं। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के जरिए हुए इस सेलेक्शन के लिए प्री प्लेसमेंट टॉक, ग्रुप डिसकशन व फाइनल इंटरव्यू के तीन राउंड का युवाओं को सामना करना पड़ा। इस प्रक्रिया में 110 छात्रों ने प्रतिभाग किया था। अंतिम रूप से 20 छात्र-छात्राओं में बीबीए से 3 शौर्य वर्मा, कोमल पटेल, वैष्णवी प्रजापति एमबीए से 4 सृष्टि सिंह, प्रशांत मिश्रा, विप्रा सचान, राघवेंद्र दीक्षित, बीकॉम से 4 अनन्या चौरसिया, महक कपूर, रिधिमा तिवारी, प्रियांशी श्रीवास्तव सहित अन्य युवाओं ने नौकरी हासिल की। इस दौरान हुए एक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ प्रवीण भाई पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय में इसी प्रकार छात्र-छात्राओं के लिए बिजनेस डेवलपमेंट के रोल के लिए और भी कंपनियां साक्षात्कार के लिए आती रहेंगी। सह-निदेशक ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल डॉ विशाल अवस्थी, डॉ प्रशांत त्रिवेदी एवं संजय सिंह ने छात्र-छात्राओं को प्लेसमेंट ड्राइव में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी सौरभ गुप्ता एवं शुभ्रा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

दादा नगर की प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग, पांच घंटे में काबू पाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दादानगर औद्योगिक क्षेत्र में 156-बी विनायक ट्रेडर्स में भीषण आग लग गई। बुधवार सुबह 5:30 बजे मिनी कंट्रोल रूम फजलगंज को सूचना मिली कि थाना गोविन्द नगर के अंतर्गत प्लास्टिक की फैक्ट्री में आग लगी है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के आदेशानुसार फायर स्टेशन फजलगंज के प्रभारी अग्निशमन अधिकारी यूनिट के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। प्लास्टिक का दाना होने के कारण देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। फैक्ट्री में प्लास्टिक से बने सामान, खिलौने इत्यादि बनाने का कार्य किया जाता था। कुछ ही देर में फैक्ट्री से ऊंची लपटें उठने लगीं। आग दूसरी फैक्ट्रियों तक फैलने का खतरा हो गया। आग की विकरालता एवं आसपास अन्य संवेदनशील औद्योगिक क्षेत्र होने के दृष्टिगत मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा घटनास्थल पर पहुंचे। कंट्रोल रूम को अन्य फायर स्टेशनों से फायर टेण्डर रवाना करने के लिए निर्देशित किया गया।

थोड़ी ही देर में फायर स्टेशन पनकी, मीरपुर कैण्ट, लाटूश रोड, कर्नलगंज, किदवई नगर तथा जाजमऊ के फायर टेण्डर घटनास्थल पर पहुंच गए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देशन में फैक्ट्री के चारों तरफ हौज पाइप फैलाकर आग को बुझाना प्रारम्भ किया गया। आग को चारों तरफ से घेरकर फैक्ट्री तक सीमित कर दिया गया। प्लास्टिक का धुआं भरने से आग बुझाने में दिक्कत आई, लेकिन करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग शार्ट सर्किट से लगने की बात कही गई।

फैक्ट्री में धधक रही आग से जूझता दमकल कर्मचारी। अमृत विचार

- आसपास की फैक्ट्रियों को बचाया गया, नौ दमकलों ने पांच घंटे में आग पर काबू पाया
- प्लास्टिक का सामान भरा होने से आग हुई बेकाबू, दमघोंटू धुआं भरने से दिक्कत आई

पेड़ से टकराई कार, दो छात्रों की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर में तेज रफ्तार कार सड़क किनारे पेड़ से सीधी टकरा गई। हादसे में पनकी हनुमान मंदिर के दर्शन व पार्टी करके लौट रहे चार छात्र गंभीर घायल हो गए। सभी को तत्काल हैलट भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। कार चला रहे छात्र का ध्यान भटकने से पल भर में हादसा हुआ। एकलौते बेटों की हादसे में मौत की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। एक छात्र डी-फार्मा तो दूसरा ऑप्टोमेट्री में डिप्लोमा कर रहा था। दोनों छात्र कन्नौज के रहने वाले थे। घायल छात्रों की हालत गंभीर बनी है। दोनों का सर्वोदयनगर स्थित निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मूलरूप से कन्नौज के सौरिख आरिमपुर निवासी गिरीश चंद्र यादव प्राइवेट नौकरी करते हैं। परिवार में पत्नी बेबी, बेटी दीप्ति और 18 वर्षीय एकलौता बेटा आकाश था। आकाश महाराणा प्रताप से डी-फार्मा का प्रथम सेमेस्टर का छात्र था। वहीं तिर्वा के लोहियानगर के रहने वाले शैलेश कुमार खेती के साथ कैटरर्स के यहां खाना बनाने का काम करते हैं। परिवार में पत्नी संगीता, बेटी श्रद्धा और एकलौता बेटा 19 वर्षीय प्रथम पांडेय था।

वह सीएसजेएमयू से ऑप्टोमेट्री में डिप्लोमा कर रहा था। उसकी बहन श्रद्धा मेडिकल कॉलेज से आर्थो का कोर्स कर रही है। एक ही क्षेत्र के होने के कारण आकाश व प्रथम में अच्छी मित्रता हो गई थी और कल्याणपुर में एक ही हॉस्टल में रहते थे। परिजनों ने बताया कि मंगलवार होने के कारण दोनों अपने मित्र सत्यम व आर्यन के साथ कार से पनकी मंदिर दर्शन करने गए थे। लौटते समय पार्टी की और हॉस्टल लौट रहे थे।

रात करीब डेढ़ बजे के करीब सत्यम कार चला रहा था। आर्यन आगे की सीट पर बैठा था। पीछे की सीट पर प्रथम व आकाश थे। कार आवास विकास स्थित एक नर्सिंगहोम के सामने से गुजरी तभी चालक का ध्यान भटकने से सीधी सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। जोरदार आवाज और चीख-पुकार सुनकर पहुंचे लोगों ने पुलिस को खबर दी। पुलिस आई और सभी को हैलट भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की सूचना पर कन्नौज से दोनों के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और बिलखते रहे।

प्रथम पांडेय अमृत विचार

आकाश यादव। अमृत विचार

- एक महाराणा से डी-फार्मा, दूसरा सीएसजेएमयू से कर रहा था ऑप्टोमेट्री में डिप्लोमा
- घर के एकलौते थे कन्नौज के दोनों छात्र, दोस्तों संग पनकी मंदिर दर्शन व पार्टी करने गए थे

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा, 110 के ऊपर थी रफ्तार

- नर्सिंगहोम के बाहर खड़े तीमारदारों ने पुलिस को बताया कि सड़क सूनसान थी। कार की रफ्तार करीब 110 के ऊपर होगी। इस कारण सभी उसकी तरफ देखने लगे थे। इसी बीच पलक झपकते ही कार पेड़ से टकरा गई। लोगों ने कार से चारों छात्रों को बाहर निकाला, इसी बीच पहुंची पुलिस ने उन्हें हैलट भिजवाया। निजी अस्पताल में भर्ती दोनों छात्रों की भी हालत चिंताजनक बनी है।

आगे से कार के उड़े परखचे

- हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिला है। जिसमें रफ्तार के साथ कार का अनियंत्रित होना दिखाई दे रहा है। कार चला रहा छात्र सीट बेल्ट भी नहीं लगाए था। पुलिस के अनुसार सीट बेल्ट से सुरक्षा मिल सकती थी। कार के आगे से परखचे उड़ गए हैं।

बर्रा में इलेक्ट्रानिक्स दुकान के ताले तोड़कर 10 लाख रुपये की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बर्रा में इलेक्ट्रानिक्स दुकान का शटर तोड़कर चोर 10 लाख कीमत के मोबाइल, टीवी आदि चोरी कर ले गए। बुधवार सुबह शटर खुला देखकर पड़ोसियों ने दुकानदार को सूचना दी। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो दो नकाबपोश कंधे पर साबड़ रखे टहलते हुए दिखे। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है।

बर्रा-दो के रहने वाले अनूप सिंह भदौरिया की कर्रही रोड पर किराए पर हरिओम इलेक्ट्रानिक्स के नाम से दुकान है। जहां एलइडी टीवी, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, मोबाइल फोन सहित अन्य इलेक्ट्रानिक्स उपकरण की बिक्री होती है। अनूप का बेटा रिबुदमन दुकान पर बैठता है। अनूप ने बताया कि मंगलवार रात बेटा दुकान बंद करके घर आया था। बुधवार सुबह पड़ोसियों ने उन्हें शटर उठा होने व चोरी की आशंका की सूचना दी। मौके पर पहुंचकर देखा तो शटर के ताले व अंदर कांच का दरवाजा भी टूटा था। शटर का सेंटर लॉक भी उखड़ा था। चोर दुकान में रखे 16 कीमती मोबाइल, आठ एलइडी टीवी, छह म्युजिक सिस्टम, चार वाटर गीजर, छह वाटर प्यूरीफायर, आठ चांदी के सिक्के और चार सोने के सिक्के ले गए हैं। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरा खंगाला तो देर रात 2.28 बजे दो नकाबपोश चोर कंधे में साबड़ रखकर दुकान के अंदर घुसते दिखे। इससे पहले उन्हें दुकान की आते तरफ भी देखा गया है। चोरों ने डीवीआर का तार हटा दिया था, जिससे उनकी हरकत कैद नहीं हुई। बर्रा थाना प्रभारी रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि चोरों की तलाश की जा रही है।

पान की दुकान से डेढ़ लाख की चोरी : बलीपुरवा निवासी अंकित यादव की रामगोपाल चौराहा पर पान की दुकान है। दुकान का ताला तोड़कर चोर पान-मसाला, सिगरेट समेत करीब 1.5 लाख का माल ले गए है। पीड़ित ने पुलिस को सू चोरी की तहरीर दी है।

- सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए दो नकाबपोश चोर, कंधे पर साबड़ रखकर दुकान में घुसे
- चोरों ने दुकान में घुसते डीवीआर का तार हटाया, जिससे उनकी हरकत नहीं हुई कैद

सोना-चांदी

24 घंटे में पीली और सफेद धातु दोनों की कीमतों में आया आठ हजार का उछाल

जितने में अम्मा ने सोने के चढ़ाए, बहू के लिए चांदी के न आए

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सराफा बाजार में बुधवार को सोना 1,60,000 का 10 ग्राम और चांदी 3,30,000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई, जो अब तक की कीमतों की ऊंचाई का नया रिकार्ड है। रॉकेट की तरह बढ़ते दाम देखकर आभूषण बाज़ार ने अपने तौर तरीके में बदलाव किया है। अब ज्वैलर्स के यहां चांदी भी ग्राम के हिसाब से उपलब्ध है। सिर्फ एक दिन में सोने और चांदी के भाव में आठ हजार रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

35 साल पहले जिस भाव सोना मिलता था, अब चांदी के दाम भी ग्राम में लगभग उतने ही हैं। बुधवार को 10 ग्राम चांदी 3,350 रुपये की रही। 1990 में 10 ग्राम सोना 3,300 रुपये में मिल जाता था। सोने-चांदी की इस चाल को देखकर महिलाएं कहती सुनी गईं कि उनकी शादी में जितनी कीमत का सोने के गहने का चढ़ावा चढ़ाया गया था, आज उतने रुपये में बेटे की शादी में चढ़ावे के लिए बहू को चांदी के गहने बनवाने पड़ेंगे। सोना-चांदी की आसमान छूती कीमतों का असर है कि अब सोने ही नहीं, चांदी के भी बेहद हल्के गहने और सिक्के ढाले जा रहे हैं। ग्राहकों को सोने की तरह चांदी भी ग्राम के हिसाब से उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र का कहना है कि वैश्विक आर्थिक हालात, रुपये की कमजोरी, टैरिफ़ वॉर, बड़े देशों में तनातनी के साथ इन धातुओं की कीमत ऊंचाई के नित नए रिकार्ड बना रही है।

- कीमतों को लेकर बाजार में लगातार अनिश्चितता और अस्थिरता का माहौल जारी

1,60,000
रुपये प्रति 10 ग्राम सोना

3,30,000
रुपये प्रति किलो चांदी

हल्के और चांदी पर सोने की पॉलिश वाले गहनों की मांग

चांदी कारोबारी विकास ओमर का कहना है कि अब ग्राहक चांदी के हल्के गहने या वस्तुएं ही मांग रहे हैं।, मशीन के जरिये बेहद हल्के गहने बनाए जा रहे हैं। काशी ज्वैलर्स के महाप्रबंधक करमजीत सिंह भल्ला ने बताया कि महिलाओं के लिए बेहद हल्के डिज़ाइनर गहनों की अलग रेंज काशी बाई काशी खास तौर पर उतारी है। कारोबारियों के अनुसार सोने की पॉलिस लगे चांदी के गहनों की मांग ज्यादा बढ़ गई है।

सहालग में सन्नाटे की आशंका से सराफा बाजार में बेचैनी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में मची उथल-पुथल और दुनिया भर में बढ़ते तनाव की वजह से सोने की चमक और चांदी की दमक अब आम आदमी की पहुंच से दूर होती दिख रही है। दोनों कीमती धातुओं के दाम जिस जिस रफ्तार से बढ़ रहे हैं, उससे आम आदमी हैरत में है। तमाम लोगों ने तो सोना-चांदी खरीदने का प्लान ही बदल दिया है। ऐसे में सर्राफा व्यापारियों को इस बात का टेंशन सता रहा है कि शादियों के सीजन में अब पहले की अपेक्षा काफी कम खरीदारी हो सकती है।

सिटी ब्रीफ

एसटीएफ के हत्थे चढ़ा फरार गांजा तस्कर

कानपुर। 50 हजार का इनामी गांजा तस्कर को एसटीएफ ने धर दबोचा। उसे जाजमऊ पुलिस के हवाले किया है। जिसे जेल भेजा गया। गैंगस्टर की कार्रवाई के बाद तस्कर फरार चल रहा था। उसके खिलाफ जाजमऊ थाने में दो मुकदमें दर्ज हैं। जाजमऊ पुलिस के अनुसार 23 नवंबर 2024 को जाजमऊ चौराहा पर एक डंपर रोका गया था। उसकी तलाशी लेने पर उसमें 18 क्विंटल गांजा बरामद हुआ था। पुलिस ने गैंग के सदस्य पुंडलिक केंद्रे, संतोष यादव व मंगेश यादव को जेल भेजा था। मुख्य आरोपी 50 हजार का इनामी राम सागर यादव की तलाश में टीमें लगी थीं। पुलिस ने सभी पर गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। मंगलवार रात एसटीएफ ने पुरानी चुंगी से मुख्य आरोपी राम सागर यादव को दबोच लिया। जाजमऊ पुलिस के हवाले किए गए आरोपी को जेल भेजा गया है।

निर्माणाधीन मकान से चोरों ने बिजली का तार किया पार

कल्याणपुर। इंद्रानगर राजकीय उन्नयन बस्ती निवासी संजीत के मुताबिक घर के पास ही उनका एक तीन मंजिला निर्माणाधीन मकान है। गत 29 दिसम्बर को दीवार फांद कर मकान में दाखिल हुए चोर पाइप में पड़ा लगभग तीन लाख रुपए कीमत का बिजली का तार खींच ले गए। पीड़ित की शिकायत पर घटना के 22 दिन बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

सहायक शिक्षिका से छेड़छाड़

कल्याणपुर। कल्याणपुर निवासी एक महिला के मुताबिक वह उत्तरीपुरा क्षेत्र के एक इंटर कालेज में सहायक अध्यापक हैं, जबकि उनके पति मध्य प्रदेश में नौकरी करते हैं। आरोप है कि कालेज में एक सहायक शिक्षक पिछले एक वर्ष से लगातार उनके साथ छेड़छाड़ कर रहा है। इतना ही नहीं गत 12 जनवरी को आरोपित ने कालेज ग्रुप पर सार्वजनिक रूप से उनके लिए आपत्तिजनक टिप्पणी की है। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की है।

हाईवे पर 5 मिनट से ज्यादा वाहन रोका तो पकड़ेगा कैमरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहनों से होने वाली दुर्घटनाएं रोकने के लिए उठाया गया कदम
- कैमरे में लगे सेंसर कंट्रोल रूम को मैसेज भेजेंगे, हाईवे पर तैनात टीम तुरंत हटाएगी वाहन

अमृत विचार। रोड एक्सीडेंट और इनमें होने वाली मौतों के मामले में कानपुर देश के बदनाम शहरों में शामिल है। सबसे ज्यादा मौतें हाईवे पर हादसों के कारण होती हैं। इसकी वजह यह है कि शहर से चार हाईवे गुजरते हैं। आंकड़ों की पड़ताल में सामने आया है कि हाईवे पर हादसों की बड़ी वजह सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहन होते हैं। रात या कोहरे में ये वाहन दिखाई नहीं देते हैं और तेज रफ्तार से आने वाले वाहन इनसे टकरा जाते हैं। अब इस तरह खड़े होने वाले वाहनों को रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस(एआई) वाले कैमरों की हेल्प ली जाएगी। जिससे अगर कोई वाहन 5 मिनट से अधिक समय तक हाईवे पर खड़ा रहता है तो कैमरे में लगे सेंसर एक्टिव हो जाएंगे और तुरंत कंट्रोल रूम को मैसेज भेज देंगे। इसके बाद हाईवे पर तैनात नजदीकी टीम मौके पर पहुंचकर वाहन को हटाएगी। इस सतर्कता से ऐसे वाहनों के कारण होने वाले एक्सीडेंट और मौतों पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

एनएचएआई अधिकारियों का कहना है कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत सेंसर वाले एआई कैमरे लगाने की शुरुआत शहर के तीन नेशनल हाईवे से होगी। इस वर्ष देश भर के एक्सप्रेसवे पर लोगों के सफर को सुरक्षित बनाने के लिए एआई आधारित घटना प्रबंधन प्रणाली (एआईएमएस) लागू की गई है। इसके लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया भी लागू की गई है। इसके लिए लगाए जाने वाले कैमरों की मदद से ओवरस्पीडिंग और रांग साइड से आने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई की जा सकेगी।

एआई आधारित नई तकनीक के लागू होने से गोल्डन ऑवर (दुर्घटना के बाद पहला एक घंटा) में घायलों तक समय पर मदद पहुंचाना संभव होगा। यह सिस्टम दुर्घटना की स्थिति में नजदीकी एम्बुलेंस और क्रेन को जीपीएस के जरिए लोकेशन भेज देगा। जिससे एक्सीडेंट में घायल होने वालों को गोल्डन ऑवर में मेडिकल हेल्प मिल जाएगी और एक्सीडेंट में मौतों के आंकड़ों को भी कम किया जा सकेगा।

ब्लैक स्पॉट्स सुधारे गए, अब लगाए जाएंगे वहां भी कैमरे

- सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए नेशनल हाईवे के दुर्घटना बाहुल्य प्वाइंट यानी ब्लैक स्पॉट्स में भी सुधार किया जा रहा है। पिछले वर्ष शहर के भीतर और नेशनल हाईवे पर कुल 27 ब्लैक स्पॉट चिह्नित किए गए थे। इनमें सुधार के बाद अब 17 ब्लैक स्पॉट ही बचे हैं। इस बीच नेशनल हाइवे में 11 नए ब्लैक स्पॉट को चिन्हित किया गया है। यहां पर भी आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस वाले हाई रेज्योलूशन वाले कैमरे लगाए जाएंगे।

1700 वाहनों पर कार्रवाई, 27 को किया गया सीज

एआरटीओ प्रवर्तन मानवेंद्र सिंह ने बताया कि जनवरी माह को राज्य सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जा रहा है। सड़क सुरक्षा जागरूकता के साथ नियम कानून तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। अब तक लगभग 1700 वाहनों पर कार्रवाई की गई है। 27 वाहनों को सीज किया गया है। नेशनल हाईवे, एक्सीडेंट प्रोन एरिया में लगातार चेकिंग अभियान चल रहा है। स्कूली बसों में भी सेफ्टी रूल्स की जांच की गई है। कई टूरिस्ट बसों की चेकिंग कर नियम विरुद्ध पाए जाने पर भारी जुर्माना लगाया गया है।

अभ्यर्थी की तलाश में छापेमारी जारी

कानपुर। माल रोड स्थित एवी विद्यालय में सहायक अध्यापक परीक्षा में पकड़ी गई साल्वर के बाद अब अभ्यार्थी की तलाश है। फतेहपुर खागा की रहने वाली अभ्यर्थी रेनू यादव के स्थान पर उसके नाम से केंद्र पर परीक्षा देने पहुंची साल्वर की पहचान झारखंड के गिरिडीह की रहने वाली शिखा कुमारी के रूप में हुई थी। कैंट पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं, बुधवार को पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड बिहार के राजीव कुमार को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कैंट थाना प्रभारी ने बताया कि अब अभ्यर्थी की तलाश में फतेहपुर, कानपुर देहात, उन्नाव समेत कई जिलों में छापेमारी की जा रही है।

पांच माह से था फरार, 10 जनवरी को हुई थी कुर्की की कार्रवाई

अखिलेश दुबे के फरार साथी ने किया सरेंडर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने व 50 लाख रंगदारी मांगने के आरोप में जेल में बंद अधिवक्ता अखिलेश दुबे के फरार साथी अभिषेक बाजपेई ने बुधवार को सीजेएम कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने उसे जेल भेजा। भाजपा नेता रवि सतीजा ने बीती आठ अगस्त को बर्रा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने अखिलेश दुबे, लवी मिश्रा और अधिवक्ता शैलेंद्र यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं अभिषेक फरार था। बीती 10 जनवरी को पुलिस ने उसके घर पर कुर्की की कार्रवाई की थी।

अखिलेश दुबे, लवी मिश्रा, टोनू यादव, अभिषेक बाजपेई, विमल यादव के खिलाफ भाजपा नेता ने मुकदमा लिखाया था। उसके बाद से विमल व अभिषेक फरार चल थे। सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट ने संपत्ति कुर्क के आदेश दिए थे। नौबस्ता थाना प्रभारी ने डब्ल्यू ब्लाक उस्मानपुर निवासी अभिषेक के घर पर कुर्की की कार्रवाई की थी। विमल के घर समेत अन्य संपत्तियों पर कुर्की की नोटिस चस्पा हुई थी। पांच माह बाद बुधवार को अभिषेक ने सीजेएम कोर्ट में सरेंडर किया। जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया।

अनुज निगम की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

कानपुर। होटल संचालिका प्रज्ञा त्रिवेदी से दो लाख प्रतिमाह रंगदारी मांगने, डकैती व अश्लील किताब छपवाने के मामले में गाजियाबाद निवासी आरोपी अनुज निगम की अग्रिम जमानत याचिका एडीजे-प्रथम सपना त्रिपाठी की कोर्ट ने खारिज कर दी। साकेतनगर की प्रज्ञा त्रिवेदी ने 31 जनवरी 2011 में कोर्ट के आदेश पर अखिलेश दुबे, अजय निगम, अनुज निगम के खिलाफ जूही में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लेकिन अखिलेश दुबे के प्रभाव में विवेचक राजेश कुमार तिवारी ने पांच घंटे में एफआर लगा दी थी। प्रज्ञा ने दोबारा कोर्ट की शरण ली। जिसपर जांच के आदेश दिए गए। उसके बाद मामले में कर्मचारी नेता भूपेश अवस्थी, उसके बेटे रोहित अवस्थी का भी नाम मुकदमे में बढ़ाया गया। पुलिस ने अखिलेश दुबे और भूपेश अवस्थी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। वहीं अनुज की याचिका खारिज हुई।

40 लाख की चोरी में चोर और ज्वैलर्स को दबोचा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जाजमऊ में 40 लाख की चोरी का खुलासा कर पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। शातिर चोर ने चोरी का जेवर घर के सामने नाली में गड्ढा करके और गमले में छिपाया था। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि चोरों ने एक ज्वेलर्स को माल जेवर देने की बात कबूली, जिस पर उसे भी पकड़ा गया। आरोपी ज्वैलर्स के पास से 35 लाख का जेवर बरामद हुआ है। तीनों को जेल भेजा गया है।

केडीए कालोनी में रहने वाले सेवानिवृत्त बैंक कर्मी सुधीर कुमार अग्रवाल के छोटे बेटे जेके कालोनी निवासी चंदन अग्रवाल ने बताया कि पिता जयपुर में दिगंबर मंदिर में दर्शन करने गए थे। घर में ताला लगा था। बंद मकान देखकर चोरों ने 40 लाख के जेवर पार किए थे। पुलिस ने बुधवार तड़के व्योंदी के पास अंकित गुप्ता उर्फ कृष्णा व फिरोज उर्फ अजमेरी को दबोचा। चोरों ने बताया कि जेवर नौबस्ता के खाड़ेपुर में ज्वैलर्स अनुराग त्रिपाठी को बेचा है।

पकड़े गए दोनों चोर व जेवर खरीदने वाला ज्वैलर्स अमृत विचार

- 40 में 35 लाख के जेवर बरामद किए, शातिर ने नाली व गमले में छिपाए थे जेवर
- जाजमऊ केडीए कालोनी में रिटायर्ड बैंक कर्मचारी के घर को बनाया था निशाना

पुलिस ने अनुराग त्रिपाठी को पकड़ा तो करीब 35 लाख के जेवर बरामद हुए। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि अंकित व फिरोज ने चोरी की थी। इसके बाद अंकित पूरा जेवर अपने घर ले गया। उसने 60 प्रतिशत जेवर घर के सामने नाली में गड्ढा बनाकर और कुछ गमले में छुपाया। फिरोज से कह दिया कि जेवर आर्टिफिशियल हैं। बाकी का 40 प्रतिशत उसने ज्वैलर्स को बेच दिया था। ज्वैलर्स ने माल के बदले दो लाख रुपये देने की बात कही थी।

जेवर में हिस्सा न मिलने पर कबूली चोरी : बेकनगंज निवासी आरोपी फिरोज उर्फ अजमेरी को पुलिस ने पहले गिरफ्तार किया। उसने चोरी की घटना कबूल कर ली। बताया कि अंकित के साथ चोरी की थी, लेकिन अंकित पूरा माल हजम करना चाहता था। जेवर को आर्टिफिशियल बता दिया था, जिससे वह नाराज था। पुलिस के अनुसार अंकित पर चकेरी में पांच चोरी समेत अन्य मामले दर्ज हैं। फिरोज के खिलाफ बजरिया में एक व सीसामऊ में तीन मुकदमे हैं। पुलिस के अनुसार अंकित की मां ने भी उसका चोरी में साथ दिया, इसलिए उसकी मां को भी आरोपी बनाया जा सकता है।

चोरी से पहले फिरोज ने की थी रेकी: पुलिस के अनुसार घटना से एक दिन पहले आरोपी फिरोज ने रेकी की थी। रेकी करने के अगले ही दिन उसने अपने साथी अंकित के साथ चोरी की घटना को अंजाम दिया। खुलासे के लिए पुलिस की चार टीमें लगी थीं। सीसीटीवी की मदद से पुलिस आरोपियों तक पहुंची।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

पहले प्रयास में ही रामस्वरूप को मिला था आईआईटी में प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी के पीएचडी छात्र राम स्वरूप के परिजन बुधवार पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। बेटे का शव देख फफक पड़े। चचेरे भाई ने कहा, होनहार था रामस्वरूप। पहले प्रयास में उसका आईआईटी में प्रवेश हुआ था। वह एथलीट था, जल्द हार मानने वाला नहीं था। वह जरूर किसी प्रेशर में था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार उसके शरीर की 11 हड्डियां टूटी हैं। जिसमें कूल्हा, पैर, सिर की हड्डियां शामिल हैं। कोमा में जाने के कारण मौत की पुष्टि हुई है।

राजस्थान के चूरू निवासी राम प्रताप ईश्वर के तीन बेटों में 25 वर्षीय राम स्वरूप ईश्वर तीसरे नंबर के थे और आईआईटी से पीएचडी छात्र थे। रामस्वरूप एए-21 न्यू एसबीआरए बिल्डिंग में रहते थे। बड़े भाई रामपाल, राम निवास हैं। चचेरे भाई राजेंद्र चौधरी ने बताया कि रामस्वरूप अपनी पत्नी मंजू और बेटी चारू के साथ बीते रविवार को ही लेकर आया था। उसकी पत्नी गर्भवती भी है।

पोस्टमार्टम हाउस पर पंचनामा भरवाते रामस्वरूप के परिजन। अमृत विचार

- परिजनों ने कहा, होनहार व एथलीट था रामस्वरूप, जरूर किसी प्रेशर में था

उन्होंने बताया कि रामस्वरूप रविवार यहां आने से पहले रिसर्च के लिए अपने साथी के साथ राजस्थान आया था, जहां शोध के लिए कुछ संग्रह किया था। लौटते समय परिवार लेकर आया। छठी मंजिल से कूदने से पहले उसने पत्नी से कहा था कि लैब जा रहा है। इसके बाद लैब नहीं गया, पत्नी से कहा बालकनी में चलते हैं। फिर वह बालकनी से कूद गया। राजेंद्र के अनुसार राम स्वरूप ने कभी एंजाइटी की समस्या नहीं बताई। वह बहुत होनहार था। उसने जिस तरह आत्महत्या की, उससे लगता है बहुत प्रेशर में था। वहीं रामस्वरूप के दोस्त राजीव ने बताया उसे सिजोफ्रेनिया बीमारी थी।

आईआईटी छात्रों ने किया रात में हंगामा, मांगा जवाब

आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर में मंगलवार को छात्र के आत्महत्या के मामले पर छात्रों का आक्रोश फूटा। लगभग सौ से अधिक छात्र घटना की देर रात संस्थान के डीएसडब्लू के आवास पहुंचे। वहां पर जाकर छात्रों ने संस्थान में लगातार घटनाओं पर जवाब मांगा। छात्र की मौत के बाद संस्थान की ओर से भी जांच शुरू कर दी गई है। जांच के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी।

आईआईटी कानपुर के पीएचडी छात्र राम स्वरूप की आत्महत्या के बाद संस्थान का माहौल गर्म हो गया। मंगलवार देर रात संस्थान के छात्र डीएसडब्लू के आवास पहुंचे। यहां पर छात्रों ने डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर्स प्रोफेसर प्रतीक सेन से कहा कि संस्थान में लगातार इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। संस्थान पर जो इन बैलेंसमेंट ऑफ पॉवर हो रहा है उस पर आप लोग क्या कर रहे हैं। छात्रों की नाराजगी प्रोफेसर्स को सभी पॉवर दिए जाने पर भी रही। उधर संस्थान की ओर से इस मामले पर एक कमेटी का गठन जांच के लिए किया है। तीन सदस्यों की कमेटी को तीन सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देनी है। यह कमेटी छात्र के सभी पहलुओं की जांच करेगी। इनमें संस्थान, कक्षा, मित्र, परिवार के सदस्यों को भी शामिल किया जाएगा। कमेटी की ओर से पुलिस रिपोर्ट को भी जांच के दौरान शामिल किया जाएगा। तीन सप्ताह में रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद उस रिपोर्ट के आधार पर छात्र हितों के चलते कई बादलव कर सुविधाएं भी दी जा सकती हैं।

- संस्थान ने बनाई फैक्ट फाइंडिंग कमेटी, देगी रिपोर्ट

सचेंडी-बिल्हौर जैसी घटनाएं न हों अब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जन शिकायत क्यों नहीं सुनी जाती हैं। थाने में सुनवाई नहीं की जा रही है। जन सुनवाई हो तो थाने से ही पीड़ित को न्याय मिल जाए। वह अधिकारियों के कार्यालय नहीं पहुंचेंगे। थाने में न्याय करेंगे तो अधिकारी दूसरे काम कर सकेंगे। यह बातें क्राइम मीटिंग में पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने कहीं। उन्होंने महिला अपराध पूरी तरह खत्म करने व भूमाफिया, नशीला पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा। सचेंडी और बिल्हौर में हुई घटनाओं को लेकर सभी थानेदारों को चेतावनी दी। कहा कि इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिए।

क्राइम मीटिंग में पुलिस कमिश्नर ने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर हर हाल ठीक रहना चाहिए। सभी मेहनत से काम करें। साइबर क्राइम और नशे को लेकर लगातार क्षेत्रों में लोगों को जागरूक किया जाए। जिससे लोग जागरूक रहेंगे तो मामलों में गिरावट आएगी। पुलिस कमिश्नर ने थाना प्रभारियों से कहा कि घटनास्थल पर सबसे पहले खुद पहुंचें। देखा जाता है कि अधिकारी पहले पहुंच जाते हैं, यह ठीक नहीं है।

क्राइम मीटिंग में मौजूद पुलिस कमिश्नर, अन्य अधिकारी अमृत विचार

- ग्वालटोली, फीलखाना, रावतपुर व कल्याणपुर इंस्पेक्टर की लगी क्लास
- महिला अपराध पर लगाम और थाना स्तर पर ही लोगों को मिले न्याय

थानेदार को अपने थानाक्षेत्र की पूरी जानकारी होनी चाहिए। हिस्ट्रीशीटर की निगरानी में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी दिखनी चाहिए। चौकी प्रभारी को भी अपने क्षेत्र में रहने वाले अपराधियों की पूरी जानकारी होनी चाहिए। बीट पुलिस कर्मी भी भ्रमणशील रहे। वहीं क्राइम मीटिंग में ग्वालटोली, फीलखाना, रावतपुर व कल्याणपुर के थाना प्रभारियों की जमकर क्लॉस लगी। फुट पेट्रोलिंग और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाने का आदेश दिया।

ऑडिट आपत्तियों के कारण भुगतान में आती दिक्कत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम के सेवानिवृत्त एवं सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों से संबंधित देयकों, पेंशन व अन्य सेवा-निवृत्ति लाभों के प्रकरणों पर नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने समीक्षा की। उन्होंने पाया कि लेखा परीक्षण (ऑडिट) आपत्तियों के कारण नियमानुसार आवश्यक कार्यवाहियों में विलंब हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों को उनके वैधानिक देयकों के भुगतान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

नगर आयुक्त ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके देय लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं की जाएगी। उन्होंने मुख्य नगर लेखा परीक्षक को पत्र जारी कर सभी लंबित ऑडिट आपत्तियों का गुणवत्तापूर्ण और समय से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। संपूर्ण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित व प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक समिति का गठन भी किया है, जो प्राथमिकता के आधार पर सभी संबंधित प्रकरणों की समीक्षा कर कार्यवाही सुनिश्चित करेगी। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस आदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए। विलंब की मुख्य वजह आवश्यक सहायक दस्तावेज (जैसे बिल, वाउचर, प्रस्ताव) ऑडिट के समय उपलब्ध न होना या अपूर्ण होना, मामले में लापरवाही बरतना और लेखा परीक्षा रिपोर्ट मिलने में देरी आदि हैं।

- नगर आयुक्त ने कर्मचारियों के देयकों, पेंशन व सेवानिवृत्ति लाभों के मामलों की समीक्षा की

साइकिल सवार दो युवकों ने बहनों से की छेड़छाड़

कानपुर। चकेरी के सनिगवां में साइकिल सवार दो युवकों ने पैदल जा रही सगी बहनों के साथ छेड़छाड़ की। दोनों को उठा ले जाने की धमकी भी दी। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस तलाश कर रही है। सनिगवां केडीए कालोनी की रहने वाली महिला के अनुसार उनकी 14 वर्षीय व 7 वर्षीय बेटी 15 जनवरी को उनके घर से 250 मीटर की दूरी पर स्थित दादी से मिलकर आ रही थी। इस दौरान दो साइकिल सवार युवकों ने टक्कर मारकर रोका और छेड़खानी करने लगे। उठा ले जाने की धमकी दी। लौटने पर घटना की जानकारी परिजनों को दी। पुलिस ने घटनास्थल के पास सीसीटीवी कैमरा खंगाला तो दोनों आरोपी कैद मिले। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर तलाश की जा रही है।

सुविधा | दान से मिली ऑटोमैटिक सीरम इलेक्ट्रोलाइट टेस्टिंग मशीन

डफरिन में महिलाओं की इलेक्ट्रोलाइट जांच भी होगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। डफरिन अस्पताल में आने वाली महिलाओं व गर्भवतियों में अब रक्त से प्लाज्मा या सीरम में सोडियम, पोटेशियम, क्लोराइड, कैल्शियम और बाइकार्बोनेट जैसे प्रमुख इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा की जानकारी मौके पर ही हो सकेगी। इन सभी जांचों के लिए अस्पताल में ऑटोमेटिक सीरम इलेक्ट्रोलाइट टेस्टिंग मशीन की स्थापना की जाएगी, यह मशीन अस्पताल में आ गई है और इसे आईडीबीआई बैंक ने अस्पताल प्रशासन को दान स्वरूप दिया है।

बड़ा चौराहा स्थित डफरिन अस्पताल में प्रतिदिन ओपीडी में औसतन तीन सौ से अधिक महिलाएं इलाज के लिए पहुंचती हैं, जबकि प्रतिदिन 15 से 20 प्रसव कराए जाते हैं। लेकिन अस्पताल में महिलाओं व गर्भवतियों की इलेक्ट्रोलाइट्स की जांच नहीं होने से उन्हें निजी पैथोलॉजी की तरफ रूख करना पड़ता है। आईडीबीआई बैंक ने मरीजों के शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की जांच करने के लिए अस्पताल प्रशासन को ऑटोमेटिक सीरम इलेक्ट्रोलाइट टेस्टिंग मशीन दान स्वरूप भेंट की है। इसके अलावा 30 बेडसाइड और लॉकर भी उपलब्ध कराए हैं। अस्पताल की प्रमुख अधीक्षक डॉ.रूचि जैन के मुताबिक ऑटोमेटिक सीरम इलेक्ट्रोलाइट टेस्टिंग मशीन की मदद से सोडियम, पोटेशियम, क्लोराइड, कैल्शियम, मैग्नीशियम और बाइकार्बोनेट जैसे प्रमुख इलेक्ट्रोलाइट्स की जांच संभव होगी, जो मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। इस दौरान प्रमुख अधीक्षक डॉ.रूचि जैन, सीएमएस डॉ. मंजू सचान, आईडीबीआई बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख जितेंद्र सिंह नेमी, शाखा प्रमुख प्रवीण चौबे, अस्पताल प्रबंधक डॉ. दरख्शा परवीन, सौरभ कनोडिया, अभिषेक शुक्ला समेत आदि डॉक्टर व स्टाफ कर्मी मौजूद रहे।

आईडीबीआई बैंक द्वारा दान की गई मशीन, बेडसाइड व लॉकर्स। मौजूद डॉक्टर और स्टाफ। अमृत विचार

मशीन के मुख्य रूप से ये होंगे लाभ : अस्पताल प्रबंधक डॉ. दरख्शा परवीन ने बताया कि गर्भावस्था में शरीर को अधिक पानी की आवश्यकता होती है. इलेक्ट्रोलाइट टेस्ट से जानकारी होगी कि गर्भवती ठीक से हाइड्रेटेड है या नहीं, क्योंकि पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) से ऐंठन और अन्य समस्याएं हो जाती है। यह मशीन गुर्दे के स्वास्थ्य की भी जांच कर सकती हैं। मांसपेशियों और तंत्रिका कार्यों में सहायक होगी, जिससे पता चलेगा कि पोटेशियम और सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स मांसपेशियों के संकुचन और तंत्रिका आवेगों के लिए आवश्यक है। इसके अलावा हृदय रोग और मधुमेह जैसी स्थितियों के निदान और निगरानी के लिए भी सहायक साबित हो सकती है।

सिटी ब्रीफ

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बांटे निमंत्रण के लिए चावल

कानपुर। कैंट विधानसभा के श्याम नगर स्थित भाजपा के जनसंपर्क कार्यालय में श्यामनगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के आगमन की तैयारी को बैठक की। साथ ही घर-घर जाकर लोगों को पीले चावल देकर कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया। कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी सुबह 11 बजे पंडित उपवन पुल के पास एकत्रित होकर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करेंगे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष आलोक वर्मा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रेम लता तिवारी, आशा पाण्डेय, ममता राजपूत, आरपी कटियार, सर्वेश सिसौदिया, आनंद सिंह, सुभाष कुशवाहा आदि रहे।

आज निकलेगी यात्रा

कानपुर। श्री जगन्नाथ रथ यात्रा प्रबंधक समिति बाईजी मंदिर की ओर से 22 को शहर में श्रीरामोत्सव यात्रा निकाली जाएगी। समिति के उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि यह यात्रा नयागंज चौराहा से शुरू होकर विभिन्न रास्ते से होते हुए फूलबाग तक जाएगी। दोपहर तीन बजे निकलने वाली यात्रा का कई स्थानों पर स्वागत भी किया जाएगा।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

इस्पात नगर में सड़कें सुधरेंगी, रोशनी बढ़ेगी

जल निकासी के लिए नालियां भी बनेंगी, फिलहाल अव्यवस्थाओं से करोड़ों का कारोबार हो रहा प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

24 सौ प्लॉट योजना में हैं मौजूद

08 सौ प्लॉट में फिलहाल काम चल रहा

45 करोड़ रुपये से विकास कार्य कराए जाएंगे

03 हजार करोड़ सालाना होता कारोबार

अमृत विचार। इस्पात नगर के दिन अब बहुरने वाले हैं। इस योजना में अब सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा अंधेरा दूर करने के लिए लाइट भी लगाई जाएगी। जल निकासी के लिए नालियां भी बनाई जाएंगी। इन कार्यों के लिए लंबे समय से वहां के उद्यमी मांग कर रहे थे। इस औद्योगिक क्षेत्र की योजना में तमाम अव्यवस्था की वजह से उद्यमियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है।

इस्पात नगर योजना के लिए केडीए की ओर से टेंडर जारी कर ठेकेदारों का चयन शुरू हो गया है। इस्पात नगर में लगभग 45 करोड़ रुपये से विकास कार्य होंगे। इनमें मुख्य सड़कों पर नाली निर्माण का काम, सीसी सड़क निर्माण, कार्य पार्ट ए इस्पात नगर में 18 मीटर चौड़ी वड़क पर नाली निर्माण का काम शामिल हैं। इसी तरह इस्पात नगर योजना कार्य पार्ट बी में 24 मीटर चौड़ी सड़क पर नाली व सीसी सकड़ का निर्माण व पार्ट सी में एलएमएल चौराहे से केस्को के पास तक 24 मीटर चौड़ी सड़क का सुद्ढीकरण का काम शामिल हैं। अन्य विभागों से 8 सौ लाइट लगाए जाने का भी कार्य जल्द शुरू किया जाना है।

उद्यमियों का कहना है कि यह सिर्फ शुरुआत है। इस्पात नगर में हर ओर अव्यवस्था है। यदि सिर्फ लाइट की बात की जाए तो 35 सौ लाइट के मुकाबले सिर्फ 8 सौ लाइट को ही लगाए जाने की सहमति बनी है। इसी तरह बाकी बची सड़कों और नालियों को भी जल्द दुरुस्त कराए जाने की जरूरत है।

इस्पात नगर की लापता सड़क। अमृत विचार

टूटी सड़कें, अंधेरा है पहचान

- इस्ताप नगर की पहचान टूटी सड़क और अंधेरा बन गई है। हालात यह है कि रात में अंधेरा होने की वजह से कई छोटे उद्यमी रात होने से पहले ही यह औद्योगिक क्षेत्र से निकलना मुनासिब समझते हैं। उधर शहर को सालाना लगभग 3 हजार करोड़ रुपये का कारोबार देने वाला यह क्षेत्र समस्याओं की वजह से लगातार पिछड़ता जा रहा है। योजना के आने के बाद आगे बढ़ने के बजाए इसका विस्तार काफी धीमी गति से हो रहा है।

आने से बचते हैं ट्रक

- इस्पात नगर योजना में बसे औद्योगिक क्षेत्र में बरसात के समय स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। उद्यमियों ने बताया कि स्थिति यह तक होती है कि माल भरे ट्रक कई बार यहां पर फंस चुके हैं। ऐसे में ट्रक चालक भी बरसात के मौसम में इस क्षेत्र के कई इलाकों में आने से बचते हैं। ऐसे में तैयार स्टॉक काफी समय तक गोदाम में ही पड़ता रहता है।

इस्पात नगर औद्योगिक क्षेत्र के विकास की लड़ाई हम लोग लगभग 10 साल से लड़ रहे हैं। अब जाकर इस क्षेत्र के विकास की शुरुआत हुई है। विकास कार्य शुरू हुआ है, यह सकारात्मक पहल है। बावजूद इसके इस क्षेत्र में काफी विकास की जरूरत है। बचे हुए विकास कार्यों की लड़ाई लगातार जारी रहेगी।

– उमंग अग्रवाल, महासचिव फीटा

इस्पात नगर की खराब स्थिति की वजह से यहां पर जिस तेजी से औद्योगिक विकास होना चाहिए था वह नहीं हो सका। क्षेत्र लगातार अपने औद्योगिक स्वरूप को खोता जा रहा है। अब विकास की शुरुआत हुई है, यहां की सभी बड़ी समस्याओं का समाधान होना चाहिए। इससे इस क्षेत्र का औद्योगिक विकास होगा और राजस्व भी तेजी से बढ़ेगा।

– अक्षय सिंह, उद्यमी

यहां पर समस्याओं का इतना अधिक अंबार लगा हुआ है कि अब उद्यमी पूरी तरह से निराश हो चुके हैं। सड़क, नालियां व लाइट की समस्या का हल निकाला गया है, लेकिन यह सिर्फ शुरुआत है। यहां पर बहुत किए जाने की जरूरत है। शुरुआत अच्छी पहल है लेकिन यह लगातार जारी रहना चाहिए। यह क्षेत्र अब तक विकास का इंतजार ही कर रहा है।

– प्रदीप केडिया, उद्यमी

बरसात में यहां की स्थिति इस तरह खराब होती है कि यहां पर स्थापित आधी युनिट्स पर काम ही धीमा हो जाता है। सड़क चलने लायक नहीं होती है। जिससे ट्रक तक आने से मना कर देते हैं। बरसात में ट्रकों का रोड पर फंस जाना यहां पर आम हो गया है। जल निकासी के लिए नालियां बनाई जा रही है लेकिन यह पूरे क्षेत्र में बनना चाहिए।

– मनीष खंडेलवाल, उद्यमी

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बैठक करते डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह।

लोन स्वीकृत करने और बांटने की गति है धीमी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- तीन फरवरी तक सभी लंबित प्रकरणों के निस्तारण के दिए निर्देश

अमृत विचार। जिले में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत विभिन्न बैंकों के ऋण स्वीकृति और वितरण संबंधित गति की प्रगति काफी धीमी है। योजना का ये हाल तब है, जब यह राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। जानकारी होने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने नाराजगी जाहिर की।

सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के संबंध में बैंकर्स के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमे उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बैंक अपने स्तर पर लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा करें और प्रत्येक आवेदक से सीधे संपर्क स्थापित किया जाए। यदि किसी आवेदन में दस्तावेजों की कमी है तो उसकी स्पष्ट जानकारी आवेदक को देकर तत्काल उसे पूरा कराया जाए। बैठक में बैंकर्स ने योजना के तहत आंकड़े भी प्रस्तुत किए, जिसमे बताया कि जिले को प्राप्त 4000 के लक्ष्य के सापेक्ष 5380 आवेदन बैंकों को भेजे गए हैं, जिनमें से 2168 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई है और 2120 मामलों में ऋण का वितरण किया गया है। इसके बावजूद 1006 आवेदन अभी स्वीकृति के स्तर पर और 254 आवेदन ऋण वितरण के स्तर पर लंबित हैं।

जिलाधिकारी ने इस स्थिति को गंभीर बताया और सभी संबंधित बैंकों को निर्देश दिया कि तीन फरवरी तक प्रत्येक लंबित प्रकरण का अनिवार्य रूप से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान सीडीओ दीक्षा जैन, उपायुक्त उद्योग अंजनीश प्रताप सिंह, लीड जिला प्रबंधक आदित्य कुमार समेत विभिन्न राष्ट्रीयकृत व निजी बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यों का निरीक्षण करते महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह। अमृत विचार

सेंट्रल पर रि-डेवलपमेंट कार्यों के साथ मेमू शेड का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने निरीक्षण के बाद सुविधाओं प्रशिक्षण का लिया जायजा

अमृत विचार। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने सूबेदारगंज-कानपुर के बीच रात्रि फुटप्लेट निरीक्षण के बाद बुधवार को कानपुर में मेमू शेड, ट्रेक्शन मशीन शेड एवं एमडीडीटीआई को देखा। फुटप्लेट निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने संरक्षा मानकों की समीक्षा की।

लोको पायलट की कार्यप्रणाली, कंट्रोल डेस्क की स्थिति, ब्रेक प्रणाली की कार्यशीलता, स्पीडोमीटर, रेडियो संचार व्यवस्था, फायर फाइटिंग उपकरण, आपातकालीन ब्रेक प्रणाली, लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट की सतर्कता, निर्धारित वर्दी एवं संरक्षा उपकरणों का उपयोग तथा नियमों के अनुरूप ड्राइविंग पद्धति को परखा, ताकि सुरक्षित एवं समयबद्ध रेल परिचालन सुनिश्चित किया जा सके। महाप्रबंधक ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर चल रहे रि-डेवलपमेंट कार्यों का जायजा भी लिया।

एमडीडीटीआई में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कक्षाओं, सिम्युलेटर सुविधाओं, प्रयोगशालाओं तथा प्रशिक्षुओं को उपलब्ध कराई जा रही आधुनिक तकनीकी सुविधाओं की जानकारी लेकर महाप्रबंधक ने क्लासरूम, ट्रैफिक मॉडल रूम, टीआरडी मॉडल रूम, योग कक्ष, हॉस्टल, लोको सिम्युलेटर का जायजा लिया। प्रशिक्षण कोर्सों का डिजिटलीकरण किए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान लोको पायलटों के तनाव प्रबंधन हेतु संचालित आर्ट ऑफ लिविंग कार्यक्रम की सराहना कीई। महाप्रबंधक ने संस्थान परिसर में पौधरोपण भी किया गया। निरीक्षण में संस्थान के प्रधानाचार्य अभिषेक सिंह एवं उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह उपस्थित रहे। बाद में महाप्रबंधक ने ट्रेक्शन मेंटेनेंस सेट पहुंचे और मेंटेनेंस कार्यों को देखा। मेमू शेड के निरीक्षण में अनुरक्षण, सुरक्षा मानकों तथा समयबद्ध रखरखाव प्रक्रियाओं की समीक्षा की।

महाप्रबंधक ने कहा कि सुगम एवं सुरक्षित रेल संचालन में लोको शेड की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा शेड से निकलने वाला प्रत्येक इंजन पूर्ण क्षमता के साथ कार्य करने योग्य होना चाहिए। निरीक्षण में प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर, यतेंद्र कुमार, मुख्य विद्युत लोको इंजीनियर आनंद सिंह, सचिव महाप्रबंधक अखिल शुक्ला, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर आकाश श्रीनेत्र उपस्थित रहे।

तनाव दूर करने के उपाय बताए

कानपुर। विश्वविद्यालय के स्कूल आफ बिजनेस मैनेजमेंट में कार्यशाला में विभाग के निदेशक प्रो सुधांशु पांड्या ने कहा कि विभाग के छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षक करण अरोड़ा एवं सुगंधा पारीक ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक और तेज़ रफ्तार जीवन में युवा वर्ग पढ़ाई और करियर के दबाव के कारण मानसिक तनाव, और आत्मविश्वास के अभाव जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। वर्कशॉप में युवाओं को यह बताया गया कि वे अपने मन को कैसे बेहतर तरीके से समझें, वर्तमान में कैसे रहें।

बर्रा-7 मेट्रो स्टेशन के लिए 21 डबल टी-गर्डर्स

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। देश में पहली बार मेट्रो कानपुर में स्टेशन के निर्माण के लिए डबल टी गर्डर्स स्थापित करने का कार्य कर रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य निर्माण समय को कम करना, कार्य क्षमता बढ़ाना और मेट्रो स्टेशन के कॉनकोर्स (यात्री प्लेटफार्म) के स्लैब के लिए एक मजबूत और सुंदर आधार प्रदान करना है। बुधवार को मेट्रो ने निर्माणाधीन बर्रा-7 स्टेशन पर डबल टी-गर्डर्स के परिनिर्माण (इरेक्शन) का काम पूरा कर लिया है। इससे मेट्रो स्टेशन के निर्माण में गति आएगी।

आईआईटी से कानपुर सेंट्रल तक करीब 16 किमी लंबे रूट पर मेट्रो का संचालन किया जा रहा है।सीएसए से बर्रा-8 तक मेट्रो का संचालन जल्द हो सके, इसके लिए मेट्रो ने परियोजना के कॉरिडोर-2 के अंतर्गत बुधवार को सेक्शन के निर्माणाधीन बर्रा-7 स्टेशन पर डबल टी-गर्डर्स के परिनिर्माण (इरेक्शन) का काम पूरा कर लिया। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि सीएसए- बर्रा-8 एलिवेटेड सेक्शन का सिविल निर्माण कार्य तेजी कर छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं। कानपुर मेट्रो की एलिवेटेड अवसंरचना में स्टेशन-बॉक्स को आधार देने के लिए डबल टी-गर्डर्स का प्रयोग किया जा रहा है। निर्माणाधीन बर्रा-7 स्टेशन का आधार तैयार करने के लिए 21 डबल टी-गर्डर्स लगाए गए हैं। कॉरिडोर-2 एलिवेटेड सेक्शन के लिए 141 डबल टी-गर्डर्स प्रस्तावित है, जिनमें से आधे से अधिक लगाए जा चुके हैं। कुछ दिनों के अंदर विजय नगर चौराहा स्टेशन पर भी डबल टी- गर्डर्स के इरेक्शन का कार्य पूरा होने की संभावना है। बताया कि देश में एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन के कॉनकोर्स लेवल को आधार देने के लिए सबसे पहले डबल टी-गर्डर्स का प्रयोग कानपुर मेट्रो ने किया है।

बर्रा-7 मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए लगाए गए डबल टी-गर्डर्स। अमृत विचार

आभूषणों से किया किनारा, सबको बुलियन अधिक भाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

02 से सहालग शुरू, उपहार के लिए भी आभूषण से किनारा

02 तोले से अधिक सोने के आभूषण की घटी बिक्री

80 फीसदी कारोबार बुलियन की ओर मुड़ा

30 फीसदी कारीगरों के पास बाजार में नहीं काम

अमृत विचार। सराफा बाजार में सहालग की खरीदारी शुरू हो गई है। इस खरीदारी में बसंत पंचमी के बाद और अधिक तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। सहालग की खरीदारी के रुझान भी बाजार में सामने आने लगे हैं। उनमें सामने आया है कि इस बार लोग सिर्फ जरूरत के आभूषणों की खरीदारी ही कर रहे हैं। खरीदारों का ज्यादातर जोर बुलियन पर ही है। बुलियन खरीदारी का 75 से 80 फीसदी हिस्से पर अभी भी काबिज है।

सोने व चांदी के दामों में भारी इजाफे के बीच सहालग के लिए जरूरी खरीदारी करने वालों पर मुसीबत आ गई है। मुसीबत इसलिए क्योंकि सोने व चांदी के आभूषण बजट से बाहर हो गए हैं। इस बीच बाजार में खरीदारी रुझान भी बदल रहा है। वे सोने व चांदी के जरूरी पारंपरिक उत्पादों के अलावा बाकी बजट का बुलियन ही खरीद रहे हैं। इसके पीछे की वजह भविष्य में बुलियन में कई तरह के शुल्क का न कटना है। सराफा कारोबारी मान रहे हैं कि खासतौर पर उपहारों में यह रुझान तेज हो गया है। परिवार के ऐसे सदस्य जो दूल्हा व दूल्हन को अनिवार्य रूप से उपहार देते हैं वे बुलियन की ओर अधिक रुख कर रहे हैं। कानपुर महानगर बुलियन एंड सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष पं. आशू शर्मा ने बताया कि सराफा बाजार में बुधवार को एक किलो चांदी का भाव 3,25,500 रुपये रहा। इसी तरह 24 कैरेट सोना 1,60,750 प्रति दस ग्राम रहा। ऐसे में सहालग में मध्यम वर्ग खरीदारी सीमित हो गई है। उच्च वर्ग की ओर से खरीदारी का रुझान पूरी तरह से बदल गया है। वे मांगलिक कार्यों में भी आभूषण के बजाय बुलियन अधिक खरीद रहे हैं।

कारीगरों पर मुसीबत

- सराफा बाजार में आभूषण सहालग के काफी पहले तैयार हो जाते हैं। कारोबारियों ने दावा किया है कि फिलहाल पूर्व के बने सोने व चांदी के आभूषणों के भी स्टॉक दाम अधिक होने की वजह से नहीं बिक रहे हैं। खासतौर पर दो तोले से अधिक के आभूषणों पर बाजार में सबसे अधिक संकट है। दो तोले से अधिक वजन के आभूषणों को खरीदने के बजाए ठोस सोने की ओर से खरीदार मुड़ रहे हैं। इस स्थिति में कारीगरों के काम नहीं आ पा रहा है। बाजार में लगभग 30 फीसदी कारीगरों के पास काम नहीं हैं।

आभूषण बाजार ठंडा

- शहर में सहालग से पहले आभूषण बाजार में लगने वाली भीड़ इस बार नहीं है। सिर्फ पारंपरिक आभूषण जैसे पायल, बिछिया, कमर पेटी जैसे उत्पाद ही खरीदे जा रहे हैं। सोने की बात की जाए तो सबसे जरूरी मंगलसूत्र, हार व अंगूठी तक ही खरीदार सीमित हैं। सहालग में उपहार व लेन-देन के लिए सबसे अधिक खरीदी जाने वाली सोने की चेन के खरीदार बाजार से गायब है। इसकी वजह उपहार देने के लिए सोने का ठोस स्वरूप ही खरीदा जा रहा है।

द ग्रेट पॉलिटिकल-शो

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत मार्ग पर होर्डिंग, बैनर और पोस्टर की होड़, 2027 के दावेदारों ने लगाई ताकत

पद-कद के लिए बड़ों का शक्ति प्रदर्शन, छोटों को बस दूर-दर्शन

विशेष संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष पंकज चौधरी के आज स्वागत की तैयारी मुकम्मल हो गई है। वे जिन राहों से गुजरेंगे, वहां चौतरफा बैनर, पोस्टर और होर्डिंग सजी हैं। 2027 में टिकट और संगठन में पद के लिए ललक रहे दावेदारों में इसके लिए होड़ मची है। यह अलग बात है कि आम कार्यकर्ता तो अध्यक्ष जी को दूर से ही देख पाएंगे। वे न तो पोस्टर और न ही होर्डिंग में दिखेंगे, लेकिन व्यवस्था संभालने और नारे लगाने में जरूर आगे रखे जाएंगे।

नियुक्ति के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पहली बार शहर आकर बैठक करेंगे और इसे 2027 चुनाव के मद्देनज़र महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र से जुड़े नेता ताकत दिखाने की होड़ में जुटे हैं। होर्डिंग और बैनरों में ज्यादातर वे चेहरे हैं, जो टिकट और पद के दावेदार हैं। एक विधायक जहां होर्डिंग लगवाना चाह रहे थे, वहां किसी दूसरे नेता ने जगह घेर ली तो वह परेशान हो गए। गंगापुल से विश्वविद्यालय तक स्वागत मार्ग पर 29 स्थानों में नेताओं को स्वागत का मौका मिलेगा। अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ गाड़ी में चलने की जुगत में कई नेता हैं, लेकिन यह मौका क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, सांसद के अलावा विधायकों को मिल सकता है। प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह, सांसद रमेश अवस्थी ने अन्य नेताओं के साथ स्वागत मार्ग और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर अंतिम रूप दिया।

स्वागत की तैयारियों पर चर्चा करते सांसद रमेश अवस्थी व अन्य भाजपा नेता। अमृत विचार

इस तरह होगी समीक्षा

- कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की 52 विधानसभा क्षेत्रों में अभी भाजपा के 38 विधायक हैं। 10 संसदीय क्षेत्रों में चार सांसद और दो राज्यसभा सदस्य हैं। अब पंकज चौधरी सीटें बढ़ाने की रणनीति बनाएंगे। यह उनके लिए एक चुनौती होगी। वह यह भी जानेंगे कि एसआईआर और पार्टी के अन्य कार्यक्रमों में किस नेता ने कितनी जिम्मेदारी से काम किया।

कमेटियों का गठन

- पंकज चौधरी नेताओं के कामकाज का ब्यौरा लेकर लौटेंगे और फिर कमेटियों के गठन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। इसी के साथ विधानसभा चुनाव की तैयारी भी तेज कर दी जाएगी। बड़े पैमाने पर बदलाव की तैयारी है। युवाओं को तरजीह मिलेगी।

बागी पार्षदों को फिलहाल मना लिया गया

कानपुर। मेयर और उनके पुत्र के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले छह बागी पार्षदों को फिलहाल शांत रहने के लिए हिदायत के साथ मना लिया गया है। अब वे भी स्वागत करेंगे। भाजपा पार्षद पवन गुप्ता, विकास जायसवाल, अंकित मौर्या, लक्ष्मी कोरी और आलोक पांडे ने मंगलवार देर रात प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता से भेंट कर अपनी मांगे रखी थीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रदेश अध्यक्ष के कार्यक्रम के बाद उनके साथ बैठक कर मामले का निपटारा किया जाएगा। यह भी कहा कि वे उत्साह से स्वागत की तैयारी में जुट जाएं। इसके बाद पार्षदों ने स्वागत की तैयारी शुरू कर दी।

प्रतिरक्षा कर्मचारियों की जीत, खुशी जताई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बोनस व बोनस मामले में प्रतिरक्षा कर्मचारियों की जीत हुई है। बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट ने आर्डिनेन्स की सभी 41 आयुध निर्माणियों समेत डीजीक्यूए, डीआरडीओ, नेवी डीजीएक्यूए के सभी वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों को ओटी, बोनस निर्धारण में मकान भत्ता एवं यात्रा भत्ता को शामिल कर एरियर्स का भुगतान किए जाने का आदेश करते हुए सरकारी कंपनी म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड द्वारा विरोध में दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया।

1 जनवरी 2006 को लागू हुए छठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार रक्षा उत्पादन मंत्रालय द्वारा ओवरटाइम निर्धारण के पूर्व निर्धारित नियमों में बदलाव करके मकान भत्ता और यात्रा भत्ता को कैलकुलेशन से बाहर कर दिया था। जिससे कर्मचारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। सभी यूनियनों के माध्यम से देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरणों (कैट) में मामले दायर करते हुए सरकार के श्रमिक विरोधी फैसले को चुनौती दी थी।

सभी दायर किए गए मामलों में कैट ने सरकारी फैसले को गलत ठहराते हुए कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय दे दिया था। आल इंडिया डिफेंस फ़ेडरेशन के पूर्व राष्ट्रीय सदस्य घनश्याम त्रिपाठी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में हुए इस आदेश से लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को दो से तीन लाख तक का एरियर मिलने का रास्ता साफ़ हो गया है।

सिटी ब्रीफ

40 करोड़ की भूमि कराई कब्जामुक्त

कानपुर। केडीए के प्रवर्तन जोन-1बी ने बुधवार को सिंहपुर कछार में सात बीघा जमीन पर बने अवैध निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त कराया। विशेष कार्याधिकारी व उप जिलाधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह ने बताया कि केडीए की सात बीघा जमीन पर 10 से अधिक मकान बने थे, जिसकी कीमत करीब 40 करोड़ रुपये के आसपास है। कल्याणपुर और बिठूर में जब उन्होंने जेई व अन्य अधीनस्थ अफसरों संग निरीक्षण किया, तो पांच बीघा जमीन पर भी अवैध निर्माण किया गया था। सभी को चेतावनी दी है कि एक से दो दिन में अपना सामान हटा लें, नहीं तो बुलडोजर से पूरा निर्माण ध्वस्त कराया जाएगा। बताया कि 12 बीघा जमीन पर अवैध निर्माणों को चिन्हित कर सात बीघा जमीन को कब्जा मुक्त करा दिया गया है। दोबारा कब्जे पर एफआईआर कराई जाएगी।

एआई मशीन से होगी जांच

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त हेमेटोलॉजी एनालाइजर मशीन की स्थापना की गई है। इस मशीन को स्थापित करने का उद्देश्य सीबीसी सहित रक्त और हार्मोन से जुड़ी जांचों का परीक्षण मिनटों में हो सकेगा। मरीजों को रिपोर्ट मिलने में शाम का या अगले दिन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. लुबना खान ने बताया कि यह मशीन खून जांच के जरिये किसी भी तरह की असामान्यता या रक्त कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के संकेत मिलने पर संकेत देगी।

200 मरीजों को दी गई पोटली

कानपुर। सिविल लाइंस स्थित जिला क्षय रोग अस्पताल में बुधवार को चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कानपुर मंडल के अपर निदेशक डॉ.जीके मिश्रा ने 200 टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की। कहा कि टीबी मुक्त भारत के लिए सबको मिलकर प्रयास करना होगा। पोटली प्रदान करते हुए टीबी मरीजों को जागरूक करते हुए कहा कि दवा नियमित रूप लें और जल्द स्वस्थ हों। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ.सुबोध प्रकाश यादव ने कहा कि परिवार में किसी सदस्य को टीबी लक्षण नजर आने पर उसकी जांच कराने के लिए जागरूक किया।

पांच एमओआईसी का काटा वेतन

- जिलाधिकारी ने जिला स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय (डीएचएस) की बैठक की

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जिला स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय (डीएचएस) की बैठक की। सभी एमओआईसी ऑनलाइन जुड़े, लेकिन चार एमओआईसी अपने तैनाती स्थल के बजाय अन्य स्थानों से बैठक में शामिल हुए। इसपर जिलाधिकारी ने सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना तैनाती स्थल छोड़ने पर भीतरगांव, चौबेपुर, कल्याणपुर और बिधनू के एमओआईसी का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के मुताबिक सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी, आभा आईडी, वेक्टर बॉर्न डिजीज और आरबीएसके समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति से संबंधित प्राथमिक जानकारी प्रस्तुत नहीं कर सके। सीएमओ से स्पष्टीकरण तलब किया। आरबीएसके कार्यक्रम की समीक्षा में घाटमपुर क्षेत्र में लापरवाही पर संबंधित एमओआईसी का वेतन रोकने के निर्देश दिए। जन आरोग्य समिति के कार्यों की समीक्षा में कृष्णा नगर, जूही, ग्वालटोली, जागेश्वर, बेनाझाबर, अनवरगंज और रामबाग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवंटित धनराशि का उपयोग नहीं करने पर एनएचएम के नोडल अधिकारी डॉ. कैलाश का वेतन रोकने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्रों पर उपलब्ध वेइंग मशीन, इन्फैंटोमीटर और स्टेडियोमीटर बड़ी संख्या में खराब मिलने का मामला सामने आया। इनमें से कई उपकरण हाल ही में स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए थे। इसपर जिलाधिकारी ने आपत्ति जताते हुए सीएमओ से स्पष्टीकरण मांगने के साथ पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट तलब की। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में 14 हजार 597 टीबी रोगियों को पोषण पोटली उपलब्ध कराई जा रही है। टीबी उन्मूलन रैंकिंग में प्रदेश स्तर पर जिला 12वें स्थान पर है। इस दौरान सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी, एसीएमओ डॉ. यूबी सिंह, डॉ. रमित रस्तोगी, डॉ. सुबोध प्रकाश, जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रीति सिन्हा आदि थे।

चतुर्ग्रही योग के संयोग में मनेगी बसंत पंचमी

- मकर राशि में सूर्य, बुध, मंगल और शुक्र ग्रह विराजमान रहेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी को मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्यों ने कहा कि चतुर्ग्रही योग के संयोग में इस बार बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा। इस साल मकर राशि में सूर्य, बुध, मंगल और शुक्र ग्रह विराजमान होने से यह संयोग बना है।

ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि बसंत पंचमी 23 जनवरी को रात 2:28 बजे शुरू होगी और 24 जनवरी को रात 1:46 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के आधार पर बसंत पंचमी 23 जनवरी शुक्रवार को मनाई जाएगी। बसंत पंचमी पर पूजन का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 57 मिनट से दोपहर 12 बजकर 21 मिनट तक रहेगा। पर्व पर मकर राशि में सूर्य, बुध, मंगल और शुक्र ग्रह विराजमान रहेंगे। ऐसे में 23 जनवरी को पंचमी तिथि और चतुर्ग्रही योग का अद्भुत संयोग बन रहा है। जो बेहद शुभदायक माना जाता है। उन्होंने बताया कि माता शारदा के पूजन के लिये भी बसंत पंचमी का दिन विशेष शुभ रहता है। इस दिन 2 से 10 वर्ष की कन्याओं को पीले-मीठे चावलों का भोजन कराए जाने की मान्यता है। मां शारदा और कन्याओं का पूजन करने के बाद पीले रंग के वस्त्र और आभूषण कन्याओ, निर्धनों व विप्रों को देने से परिवार में ज्ञान, कला व सुख -शान्ति की वृद्धि होती है। इसके अलावा इस दिन पीले फूलों से शिवलिंग की पूजा करना भी विशेष शुभ माना जाता है।

वास्तुदोष का उपाय

ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि ज्योतिष-शास्त्र के अनुसार, कई बार घर में वास्तु-दोष होने के कारण विद्यार्थी को शिक्षा में उचित परिणाम नहीं मिलते हैं। ऐसे में उन्हें बसंत पंचमी के दिन से ही पूर्व, उत्तर या पूर्वोत्तर के दिशा में पढ़ाई करना चाहिए। इस दिशा को ध्यान एवं शांति का केंद्र भी माना जाता है। इस दिशा में पढ़ाई करने से विद्यार्थी का मन एवं मस्तिष्क एकाग्रचित रहता है।

केसर व चंदन का टीका

- इस दिन विद्यार्थी माता सरस्वती को केसर या पीले चंदन का टीका लगाएं और पीले रंग के वस्त्र जरूर अर्पित करें। साथ ही पूजा स्थल पर किताब और कलम अवश्य रखें। ऐसा करने से मां सरस्वती की कृपा सदैव बनी रहती है और विद्यार्थी को ज्ञान, बुद्धि एवं विवेक का आशीर्वाद मिलता है।

बच्चों से खाली हुए घर, बुजुर्गों में एकाकीपन व अवसाद रहे भर

डॉक्टरों के अनुसार एकाकी जीवन से बुजुर्ग लोगों में बढ़ रहा उदासीपन और अवसाद

- वजह जानने के लिए वरिष्ठ मानसिक रोग विशेषज्ञ ने मरीजों पर की स्टडी

60 वर्ष से लेकर अधिक उम्र के रोगियों पर स्टडी

250 वरिष्ठ लोगों पर उदासी की अंदरूनी वजह जानी

60 फीसदी महिलाएं और 40 फीसदी पुरुष हैं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हमारे बुजुर्गों ने सामाजिक व भावनात्मक जुड़ाव शुरू से देखा है, लेकिन वर्तमान में जो डिजिटल जुड़ाव का ट्रेंड चल रहा है, यह बुजुर्गों को ज्यादा समझ में नहीं आ रहा है। अच्छा कमाने और भविष्य बनाने के उद्देश्य से बेटी व बेटे का परिवार के साथ अन्य शहर में शिफ्ट होना भी बुजुर्गों को अंदर ही अंदर खाए जा रहा हैं। लेकिन वह परिवार के प्रति प्यार और बेटा व बेटी की तरक्की के रास्ते में दखल न हो, इसलिए हमारे बुजुर्ग धीरे-धीरे शांत होकर उदासीपन और अवसाद की गिरफ्त में आ रहे हैं, जिसको प्यार और अपनेपन की सख्त जरूरत होती हैं।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में आए हरियाणा, रोहतक के पीबीडी शर्मा पीजीआईएमएस में मनोरोग विभाग में प्रोफेसर डॉ. हितेश खुराना ने बताया कि वरिष्ठ लोगों में भूलने की बीमारी को हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर वह उदास रहने लगे हों तो भी उनको अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। 60 वर्ष से लेकर इससे अधिक उम्र के 250 वरिष्ठ लोगों पर उदासी की अंदरूनी वजह जानने के लिए एक स्टडी की है। इन 250 मरीजों में 60 फीसदी महिलाएं और 40 फीसदी पुरुषों को शामिल किया गया था। स्टडी में पता चला है कि पोषण संबंधित कमी, अकेलापन, समय से पहले परिवार के बच्चों का शहर से बाहर जाना, बच्चों का गलत तरीके से व्यवहार करना और परिवार से अलग हो जाना वरिष्ठ लोगों में उदासीपन और अवसाद मुख्य वजह के रूप में उभर रहा है। इसके अलावा परिवार में किसी ऐसे शख्स की मृत्यु होना, जो सबसे अधिक प्रिय हो, घर का जिम्मेदार व्यक्ति हो या जीवनसाथी का समय से पहले दुनिया को अलविदा कहना भी उदासीपन के कारण में सामने आया है, जिनके बिना संबंधित बुजुर्गों को अपना जीवन भी बोझ सा लगने लगता है। स्टडी में ये भी जानकारी हुई कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं अधिक इस समस्या से प्रभावित होती हैं।

ऐसे करें बचाव

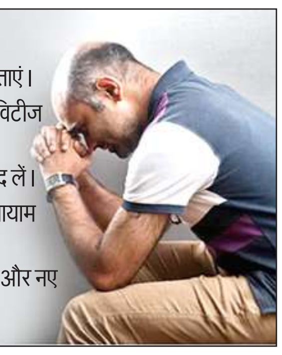

- दोस्त व परिवार के साथ समय अधिक बिताएं।
- अच्छे क्लब, स्वयंसेवा या अन्य ग्रुप एक्टिविटीज में शामिल रहे।
- किसी काउंसलर या मनोवैज्ञानिक से मदद लें।
- अकेलेपन को दूर करने के लिए योग व व्यायाम जरूर करें।
- तनाव को कम करने के लिए सैर पर जाएं और नए लोगों से मिलें।

पब्लिक इंडिया जनरल ऑफ साइकेट्रिक में भेजा

- डॉ.खुराना ने बताया कि 250 मरीजों पर की गई इस स्टडी को पब्लिश करने के लिए पब्लिक इंडिया जनरल ऑफ साइकेट्रिक में भेजा गया था, जो पब्लिश हो चुकी है। हमें अपने बुजुर्गों का ध्यान रखना काफी जरूरी है। लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के लिए अभियान का संचालन जरूरी है, ताकि वरिष्ठ लोग अकेलेपन और एकाकी जीवन को न जिएं। बताया कि अकेलापन अवसाद का एक प्रमुख जोखिम कारक है, जो लोग अकेले होते हैं, उनमें अवसाद विकसित होने की संभावना अधिक होती है और अवसादग्रस्त लोग खुद को और अलग-थलग महसूस करते हैं, जिससे यह एक दुष्चक्र बन जाता है।

विराट हिंदू सम्मेलन में मौजूद शहरी। अमृत विचार

सनातन संस्कृति पर गर्व की अनुभूति

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने पर नयागंज में नागेश्वर बस्ती श्रद्धानंद नगर में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें लोगों को सनातन संस्कृति पर गर्व की अनुभूति करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में सनातन धर्म से जुड़े सभी वर्गों को संगठित रहने के लिए प्रेरित किया गया। जाति का भेदभाव मिटाकर हम सब हिंदू हैं का भाव मन में रखने के लिए प्रेरित किया गया। जगतगुरु कृपालु जी महाराज की शिष्या साध्वी डॉ. सुश्री कुंजेश्वरी देवी ने सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता एवं आध्यात्मिक चेतना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज को एकजुट रहने का आह्वान किया। गीता महिला शिक्षण मंडल की संचालिका सीता देवी ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है। हम संगठित होकर आगे बढ़ें। इस अवसर पर राजकुमार दिल्लीवाल को नागेश्वर बस्ती जनरलगंज में किए गए उल्लेखनीय सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल ने राष्ट्र निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा संगठनात्मक अनुशासन, सामाजिक एकीकरण एवं हिंदू समाज के भविष्य पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर संयोजक घनश्याम, सोम गुप्ता, शशिकांत गुप्ता, शिवभगवान गोस्वामी, शशिकुमार गुप्ता, अरुण तिवारी, प्रवीण शुक्ला, विनीत चौधरी, सुरेन्द्र गुप्ता आदि थे।

मंच पर मौजूद अतिथि।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

स्काउटिंग मिटाती सामाजिक भेदभाव

- बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में हुआ आयोजन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कालेज में स्काउट एवं गाइस को प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। तीन दिवसीय शिविर के अंतिम दिन प्रशिक्षुओं को स्काउटिंग का महत्व बताया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि स्काउटिंग भेदभाव मिटाने का भी कार्य करती है।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कानपुर व चित्रकूट मंडल के सहायक प्रदेशिक आयुक्त आरसी शर्मा शामिल हुए। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग नवयुवकों के लिए एक स्वयंसेवी, गैर सरकारी शैक्षणिक कार्यक्रम है जो सामाजिक भेदभावों से परे प्रत्येक व्यक्ति को समाजसेवा के समान अवसर प्रदान करता है। 1907 से संस्थापित यह संगठन निर्दिष्ट लक्ष्यों, सिद्धान्तों व पद्धतियों को अनुरूप निरंतर कार्य कर रहा है। बताया कि भारत में स्काउटिंग व गाइडिंग का प्रारम्भ सन् 1920 में हुआ। स्काउटिंग व गाइडिंग के माध्यम से समाजसेवा करके सभी स्काउट्स व गाइड्स सर्वोत्कृष्ट राष्ट्र सेवा कर सकते हैं। आपदाकाल में स्काउट्स व गाइड्स के द्वारा राहत व बचाव कार्य किया जाता है। संजय तिवारी, अनीता अवस्थी, मीना द्विवेदी, आकाश बाजपेयी व प्रीति तिवारी, प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह, उपप्रधानाचार्या मंजूबाला श्रीवास्तव, नीतू मेहरोत्रा मौजूद रहे।

उद्घाटन करतीं मुख्य अतिथि। अमृत विचार

व्यक्तित्व विकास को शिक्षा जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एसडीकॉलेज में स्थापना दिवस समारोह आयोजित हुआ। युवाओं को शिक्षा का महत्व बताया गया। वक्ताओं ने शिक्षा को रोजगार का साधन मानना गलत बताया। कहा कि शिक्षा व्यक्तित्व विकास की कुंजी होती है।

समारोह के दौरान 'उच्च शिक्षा 2030 भारतीय मूल्य, वैश्विक प्रतिमान' विषय पर वक्ताओं ने विचार रखे। मुख्य वक्ता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल कोठारी ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगारपरक कौशल तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। उन्होंने भारतीय शिक्षा व्यवस्था को उसकी सांस्कृतिक और बौद्धिक परम्परा से जोड़ते हुये वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने पर बल दिया। प्रबन्ध समिति की सचिव सीए नीतू सिंह ने कहा कि विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म कॉलेज अपनी शैक्षिक परम्परा, अनुशासन और मूल्य आधारित शिक्षा के लिए जाना जाता है। महाविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है मुख्य अतिथि सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों को ज्ञान के प्रसार के साथ-साथ आलोचनात्मक चिन्तन, अकादमिक स्वतन्त्रता और संवाद की संस्कृति को सुदृढ़ करना चाहिए। सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में वीरेन्द्र पराक्रमादित्य, प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष आदित्य शंकर बाजपेयी, डॉ कमल किशोर गुप्ता, सीए सुरेन्द्र कक्कड़, योगेन्द्र भार्गव, यतीन्द्र शुक्ला उपस्थित रहे।

वीएसएसडी कॉलेज में हुआ स्थापना दिवस समारोह। अमृत विचार

मेडिकल अपडेट

नई दिल्ली में आयोजित एआईसीओजी सम्मेलन में जीएसवीएम के डॉक्टर हुए शामिल

भ्रूण को शरीर के बाहर भी विकसित किया जा सकता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नई दिल्ली में 14 से 18 जनवरी तक ऑल इंडिया कांग्रेस ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी (एआईसीओजी) का राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ, जिसमे देश व विदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेज के साथ जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के संकाय सदस्यों ने सक्रिय व अपनी प्रभावशाली सहभागिता दर्ज की। सम्मेलन में मुख्य रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य को कैसे सुधारा जाए, इसपर चर्चा की गई।

ऑल इंडिया कांग्रेस ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी के पांच दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में देश-विदेश से आए प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों ने नए शोध, आधुनिक तकनीकों, क्लिनिकल अपडेट्स और महिला स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.रेनू गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में रोबोटिक और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी की कई नई तकनीकों पर जानकारी साझा की गई। इसके अलावा अभी हाल में ही जापान में विकसित किए गए कृत्रिम गर्भ पर भी चर्चा की गई, जो एक तरल पदार्थ से भरी बायोटेक प्रणाली है, जिसमें भ्रूण को शरीर के बाहर विकसित किया जा सकता है। विशेषकर समय से पहले जन्मे शिशुओं के लिए यह तकनीक प्रजनन चिकित्सा में बेहतर साबित हो सकती है। वहीं, निसंतानता से जूझ रहे दंपती व उन महिलाओं के लिए यह एक नई उम्मीद है, जिनका गर्भाशय क्षतिग्रस्त है।

हालांकि यह अभी यह प्रारंभिक चरण में है। डॉ.रेनू गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में मिली जानकारियों के संबंध में बुधवार को विभाग की सभी डॉक्टरों व जेआर को अवगत कराया गया।

सम्मेलन में डॉ. रेनू गुप्ता, डॉ. दिव्या द्विवेदी के साथ डॉ. प्रतिमा वर्मा, डॉ. रश्मि यादव, डॉ. सुचिता त्रिपाठी, डॉ. फातिमा उस्मानी व डॉ. करिश्मा शर्मा भी शामिल थी।

सम्मेलन में सीखीं नई तकनीकों पर चर्चा करतीं डॉक्टर्स। अमृत विचार

बिना निशान के बच्चेदानी आ सकती बाहर

- डॉ. दिव्या द्विवेदी ने बताया कि सम्मेलन में स्कारलेस हिस्टेरेक्टॉमी पर भी विशेष चर्चा की गई। इस आधुनिक सर्जिकल तकनीक से गर्भाशय (बच्चेदानी) को पेट पर कोई निशान बनाए बिना ही प्राइवेट पार्ट के प्राकृतिक मार्ग से हटाया जा सकता है और कुछ मामलों में प्राकृतिक मार्ग से गर्भाशय को लैप्रोस्कोपिक उपकरण की मदद से भी बाहर निकाल सकते हैं। इससे कम दर्द, तेजी से रिकवरी, संक्रमण और हर्निया जैसी जटिलताओं का जोखिम भी नहीं होता है। बताया कि काफी अधुनिक तकनीक है, जो पारंपरिक तरीकों (जैसे पेट या लैप्रोस्कोपिक) से बेहतर भविष्य में साबित हो सकती है।

डॉ.गौरव चावला सहायक निदेशक बनाए गए

कानपुर। आईएमए सभागार में आईएमए की बैठक हुई, जिसमे अध्यक्ष डॉ.अनुराग मेहरोत्रा ने बताया कि आईएमए सीजीपी के सहायक निदेशक पद के लिए डॉ.गौरव चावला व आईएमए सीजीपी के सहायक सचिव पद के लिए डॉ. सरद दामेले का सर्व सहमति से निर्वाचन किया गया। एएमएस कानपुर सब चैप्टर के चेयरमैन पद के लिए डॉ.कुणाल सहाय व सचिव पद के लिए डॉ. मोहित खत्री निर्वाचित किए गए। आईएमए न्यूज एंड व्यूज के चीफ एडिटर डॉ. एसके गौतम और नेशनल आईएमए के लिए 24 व स्टेट आईएमए के लिए 48 डेलिगेट्स भी निर्वाचित किए गए। अध्यक्ष डॉ.अनुराग व सचिव डॉ.शालिनी मोहन ने सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई दी।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपने छोटे पुत्र गौरव द्विवेदी व पुत्रवधू रचना द्विवेदी पुत्री लाल जी अवस्थी से बात व्यवहार गलत होने के कारण संबंध विच्छेद कर उन्हें अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके कृत्यों से मेरा एवं मेरे परिवार के किसी सदस्य से कोई वास्ता नहीं होगा। **दीपा द्विवेदी पत्नी सुरेश द्विवेदी निवासी 130 ए-2 पी ब्लॉक यशोदा नगर, थाना सेन पश्चिम पारा, कानपुर नगर।**

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD AZEEM से बदलकर MOHAMMAD AZIM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-SULEMAN ADD-GADIYA FARM, DIST-BARABANKI - 225003**

सूचना

मैने अपने (माइनर) पुत्र का नाम DAKSH KAUSHAL से बदलकर DAKSH JEET KAUSHAL रख लिया है। भविष्य मे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-Adarsh Kumar Kaushal ADD - A-945/3 INDIRA NAGAR DIST-LUCKNOW - 226016 (U.P)**

सूचना

मैने अपना नाम RAFIQ AHMAD से बदलकर RAFEEQ KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **RAFEEQ KHAN ADD-130/540 BAKERGANJ,TP NAGAR BABU PURWA, DIST-KANPUR NAGAR - 208023 (U.P)**

सूचना

मैने अपना नाम KM. NASIMA BANO से बदलकर NASEEMA KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/O-KAMRUL HASAN KHAN ADD-529/689KA, KHURRAM NAGAR VIKAS NAGAR DIST-LUCKNOW - 226022 (U.P)**

सूचना

मैने अपना नाम MANSA RAM से बदलकर MANSA RAM GUPTA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O - SIYA LAL GUPTA ADD-367/12 NEW No-367/18 FATUHABAD JAIN TEMPLE, SAADATGANJ DIST-LUCKNOW - 226003 (U.P)**

सूचना

मैने अपनी पुत्री का नाम सफूरा (SAFOORAH) से बदलकर सफूरा तालिब (SAFOORAH TALIB) रख लिया है। भविष्य में उसे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **निदा गौरी पत्नी मोहम्मद तालिब निव-1/958, विशाल खन्ड, गोमती नगर लखनऊ**

सूचना

पहले मेरा नाम ZULEKHA था अब मैने बदलकर अपना नाम JULEKHA रख लिया है भविष्य में मुझे JULEKHA के नाम से जाना व पहचाना जाए। **W/O-MOHAMMAD ASHFAQ R/O, MOHALLA UPARI MANDAI SANDILA, HARDOI**

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMAD NASIR KHAN से बदल कर MOHAMMAD NASEER KHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: WAZIR KHAN R/O:268/48/1 TAKIYA CHAND ALI SHAH AISHBAGH LUCKNOW UTTAR PRADESH - 226004**

सूचना

मैंने अपना नाम MAQBULAN से बदलकर AISA KHATOON रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/O - MOHD RAZA KAREEM ADD - 544B/099 KANHAI KHERA CAMPEL ROAD DIST - LUCKNOW (U.P)**

सूचना

मैंने अपना नाम ASHOK KUMAR से बदल कर ASHOK KUMAR SINGH रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: JAGAT PAL SINGH R/O: 153,SARSAWAN ARJUNGANJ, LUCKNOW, UTTAR PRADESH - 226002**

सूचना

पहले मेरा नाम ASHWAQ AHMAD ANSARI था अब मैने बदलकर अपना नाम MOHAMMAD ASHFAQ रख लिया है भविष्य में मुझे MOHAMMAD ASHFAQ के नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O, BABU R/O, 150, MOHALLA UPARI MANDAI SANDILA, HARDOI**

न्यूज ब्रीफ

विधिक जानकारी के लिए पूर्व सैनिक कर सकते संपर्क

उन्नाव, अमृत विचार : जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मधु मिश्रा ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लीगल सर्विस क्लीनिक का संचालन जिले के सभी पूर्व सैनिकों, वीर नारियों व उनके आश्रितों को नि:शुल्क परामर्श सहायता व मार्गदर्शन दिया जा रहा है। किसी भी पूर्व सैनिक का कोई विधिक संबंधित प्रकरण है तो सीधे या जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के माध्यम से अपर जिला जज कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस पर सम्पर्क कर सकते हैं। इस केंद्र की स्थापना से जिले के सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों व उनके आश्रितों को विधिक समस्याओं के समाधान हेतु अब किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कल मनेगी हज़रत इमाम हुसैन की यौमे पैदाइश

उन्नाव, अमृत विचार : हज़रत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की यौमे पैदाइश (जन्मदिन) उर्दू तारीख 3 शाबान (23 जनवरी) जुमे के दिन ग्रामीण क्षेत्रों कस्बों व पूरे जिले में धूमधाम से मनाया जायेगा। अंजुमन हैदरिया अब्बासिया के मुर्तजा हैदर रिज़वी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मौके पर विभिन्न स्थानों पर जश्ने महफिले मिलाद का आयोजन होता है। जिसमें बैरूनी, मकामी शायर हजरत इमाम हुसैन की शान में कसीदे सलाम पढ़ेंगे। मस्जिदों, इमाम बारगाहों, खानकाहों, कर्बलाओ, कब्रिस्तानों व घरों में रोशनी, चिरागा, सजावट की जाएगी। घरों में पकवान पकेंगे।

कटरी पीपरखेड़ा में 36 करोड़ की भूमि हुई मुक्त

अवैध कब्जों पर गरजा सरकारी बुलडोजर, कार्रवाई के दौरान कब्जेदार नहीं दर्ज करा सके विरोध

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: जिले में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला प्रशासन ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कटरी पीपरखेड़ा के मजरा जुराखन खेड़ा के पास स्थित लगभग 18 बीघा सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया। मुक्त कराई गई जमीन की बाजार कीमत करीब 36 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी के निर्देश पर की गई, जिसमें राजस्व विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से अवैध बाउंड्री वॉल और प्लाटिंग को ध्वस्त कराया।

बाउंड्री वॉल को ध्वस्त करती जेसीबी। ● अमृत विचार

एआरओ प्रशांत नायक ने बताया कि कटरी पीपरखेड़ा क्षेत्र के गाटा संख्या 2010, 2011, 1995, 1996 व 1997 की 18 बीघा सरकारी भूमि पर अवैध रूप से बाउंड्री वॉल बनाकर प्लाटिंग की जा रही थी। जांच में मिला कि इन जमीनों पर सरसों की फसल भी बोई गई थी। कार्रवाई के दौरान किसी भी व्यक्ति ने जमीन पर स्वामित्व का दावा नहीं किया और न ही कोई आपत्ति दर्ज कराई। एआरओ ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में कोई व्यक्ति इन जमीनों पर दावा करता है तो उस पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के बाद मुक्त कराई गई भूमि को ग्राम प्रधान और सचिव के सुपुर्द कर दिया गया है। साथ ही सभी सरकारी जमीनों पर पिलर लगाकर तारों से बैरिकेडिंग और सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि दोबारा कब्जा न हो सके। एआरओ ने बताया कि जांच में ऐसे कई और भूमि नंबर चिन्हित हुए हैं, जिन पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कानूनगो सुरेश कुमार, प्रेम प्रकाश, सर्वे लेखपाल अभिषेक मिश्रा, फूलचंद, महेंद्र पाल सिंह, निर्मल कृष्ण, रविंद्र वाजपेई वयोगेश कुमार के अलावा पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

सरकारी जमीन पर पक्का निर्माण, नोटिस जारी

शुक्लागंज: मौके पर सरकारी जमीन पर बना एक पक्का मकान भी मिला। एआरओ ने बताया कि मकान मालिक जुनैद अंसारी को नोटिस जारी किया गया है। हैरानी की बात यह रही कि विद्युत पोल से मकान की दूरी 100 मीटर से अधिक होने के बावजूद उसमें कनेक्शन दिया गया है। इस मामले की भी जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी जमीन पर करीब पांच बीघा क्षेत्र में सरसों की फसल उगी हुई थी। जिसे कार्रवाई के बाद ग्राम प्रधान के हवाले कर दिया गया। प्रशासन ने निर्देश दिए कि फसल की देखरेख और उपयोग नियमानुसार किया जाएगा।

कमरे में फंदे से लटका मिला अधेड़ का शव

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार: सदर कोतवाली अंतर्गत बाबूखेड़ा गांव निवासी अधेड़ का शव उसके कमरे में फंदे से लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया है।

बता दें कि बाबूखेड़ा गांव निवासी रामनरेश गौतम (50) पुत्र स्व. रामनाथ मजदूरी कर परिवार पालता था। रोज काम न मिलने से वह परेशान रहता था। आर्थिक तंगी के चलते पत्नी सुनीता भी लोगों के घरों में काम करती है। बुधवार सुबह पत्नी के काम पर जाने के बाद रामनरेश घर में अकेला था। तभी उसने कमरे में गमछे का फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली। काम से लौटी पत्नी पति को लटका देख बेहाल हो गई। उसकी चीख सुन लोग वहां पहुंचे लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। पत्नी सुनीता के मुताबिक उसके पांच बच्चों में एक बेटी नीलम की शादी हो चुकी है। पिता की मौत से बेटे करन, अर्जुन, अरुण व अनुज रो-रोकर बेहाल हैं। पड़ोसियों से मिली जानकारी पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है।

कानपुर-लखनऊ हाईवे पर 6 घंटे रेंगे वाहन

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: बुधवार को एनएचएआई की ओर से कानपुर-लखनऊ हाईवे पर त्रिभुवन खेड़ा के आगे डामरीकरण का कार्य कराए जाने के कारण करीब छह घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। डामरीकरण के दौरान बीच सड़क तक निर्माण सामग्री और मशीनें खड़ी रहने से मार्ग संकरा हो गया, जिससे एक समय में केवल एक ही वाहन निकल पा रहा था। इसके चलते हाईवे पर बार-बार जाम की स्थिति बनी रही और वाहन रेंगते नजर आए।

सुबह के समय कार्य शुरू होने के बाद करीब 11 बजे वाहनों का दबाव बढ़ गया। देखते ही देखते लंबी कतारें लग गईं और दोनों ओर से वाहनों की रफ्तार थम गई। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने मोर्चा संभाला और एक-एक कर वाहनों को निकलवाया। इसके बावजूद दिनभर हाईवे पर रुक-रुक कर जाम लगता रहा। यातायात बाधित होने से लंबी दूरी की बसों, निजी वाहनों, एम्बुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में घंटों अतिरिक्त समय लगा। शाम करीब पांच बजे डामरीकरण का कार्य पूरा होने के बाद यातायात सामान्य हुआ।

डामरीकरण के चलते हाईवे पर वाहनों की लगी कतार। ● अमृत विचार

● **डामरीकरण कार्य के चलते राहगीरों को उठानी पड़ी परेशानी**

एनडीपीएस एक्ट के दोषी को सुनाई चार माह की सजा

उन्नाव, अमृत विचार: फतेहपुर चौरासी पुलिस ने 30 अगस्त 2022 को क्षेत्र के दोस्तपुरं गांव निवासी रोशन लाल को 1.400 किलो मादक पदार्थ के साथ पकड़ा था। पुलिस ने उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाई कर उसे जेल भेजा था। मुकदमे के विवेचक तत्कालीन एसआई राजीव भदौरिया ने आरोपी के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र कर 31 अगस्त 2022 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई में न्यायाधीश महेंद्र सिंह ने अभियोजन पक्ष से यशवंत सिंह व विनय प्रकाश शुक्ला की दलील व साक्ष्य के आधार पर दोषी को 4 माह की सजा सुनाई।

बसंत पंचमी कल, तैयारियों में जुटे लोग

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: विद्या, बुद्धि व संगीत की देवी मां सरस्वती की आराधना का पावन पर्व बसंत पंचमी शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसे लेकर शहर के बाजारों में बुधवार से ही रौनक देखी गई। पूजन सामग्री से लेकर सजावटी सामानों तक की दुकानों पर दिन भर ग्राहक आते रहे।

शहर के बड़ा चौराहा, सदर बाजार, सब्जी मंडी व गांधी नगर तिराहा पर सुबह से चहल-पहल शुरू हो गई थी। मां सरस्वती की प्रतिमाओं की स्थापना के लिए भक्तों ने शुभ मुहूर्त देख मूर्तियों की खरीदारी की। इसके साथ हवन सामग्री, अबीर-गुलाल व पीले वस्त्रों की बिक्री में उछाल देखने को मिला। बसंत पंचमी पर पीले रंग का विशेष महत्व होने से फूलों की मंडी पूरी तरह गेंदे के फूलों से पटी नजर आई। विक्रेताओं ने बताया कि मालाओं व खुले फूलों के लिए थोक बुकिंग पहले ही हो चुकी है। स्वाद के शौकीनों ने भी पर्व की तैयारी में कसर नहीं छोड़ी। हलवाइयों के यहां केसरिया लड्डू व पीली मिठाइयों के ऑर्डर की बुकिंग है। विद्या की देवी का पर्व होने के नाते छात्र-छात्राओं में विशेष उमंग देखी जा रही है। स्कूलों व कोचिंग सेंटरों में होने वाले आयोजनों के लिए युवाओं की टोलियां बाजार में साज-सज्जा का सामान व मूर्तियां खरीदते हुए दिखाई दीं।

बड़ा चौराहा पर पूजन सामग्री खरीदतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

● **पूजन सामग्री से लेकर सजावटी सामानों तक की दुकानों पर रही ग्राहकों की भीड़**

बीघापुर कोतवाल और पुलिस कर्मियों पर मारपीट का आरोप

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : बीघापुर कोतवाली प्रभारी व 6 पुलिस कर्मियों पर महिला ने उसके बेटे से मारपीट का आरोप लगाया था। कार्रवाई न होने पर महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने महिला का प्रार्थनापत्र स्वीकार कर सुनवाई के लिए 2 फरवरी की तिथि तय की है। बता दें कि बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के अढ़ौली गांव निवासी माधुरी देवी ने बताया कि 24 दिसंबर-2025 की दोपहर कोतवाली के दरोगा श्याम नारायण सिंह व पुरुषोत्तम, आरक्षी आदित्य कुमार, सतनाम सिंह एक साथी पुलिस कर्मी के साथ उसके घर आए और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर पुलिस कर्मियों ने पति महेश व बेटे अभिनीत से जमकर मारपीट की। इसके बाद पुलिस कर्मी बेटे को कोतवाली ले गए। आरोप है कि कोतवाल राजपाल ने भी उसके बेटे को पीटा जिससे वह गंभीर घायल हो गया। महिला के मुताबिक उसने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज करने की गुहार लगाई थी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इस पर उसने अधिवक्ता अनिल सिंह के जरिए सीजेएम कोर्ट में बीएनएसएस की धारा 173 (4) के तहत प्रार्थनापत्र दिया था। जिसे कोर्ट ने स्वीकृत करते हुए इस संबंध में कोतवाली से आख्या रिपोर्ट तलब करने का आदेश जारी किया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 2 फरवरी की तारीख तय की है। सीओ बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। न ही महिला ने उन्हें कोई प्रार्थनापत्र दिया है।

जंग खा रहीं विद्युत शवदाह गृह की मशीनें

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: मिश्रा कॉलोनी श्मशान घाट स्थित नगर पालिका द्वारा वर्ष 1994 में स्थापित विद्युत शवदाह गृह बीते 5 वर्षों से बंद है। कोरोना काल में वर्ष 2021 से ठप पड़े इस शवदाह गृह में लगी लाखों की मशीनें देखरेख के अभाव में जंग खा रही हैं। विद्युत शवदाह गृह बंद होने से लोगों को मजबूरी में खुले में लकड़ी के माध्यम से अंतिम संस्कार कराना पड़ रहा है। जिससे उन्हें अधिक खर्च उठाना पड़ रहा है। साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान हो रहा है, लेकिन नगर पालिका इस ओर गंभीर नहीं दिख रही है।

जानकारी के अनुसार विद्युत शवदाह गृह की शव जलाने वाली मशीनें इससे पहले भी कई बार खराब हो चुकी थीं। तत्कालीन अधिशासी अधिकारी उमेश चंद्र मिश्रा और नरेंद्र मोहन मिश्रा के कार्यकाल में इन्हें बारी-बारी से दो बार मरम्मत कराकर चालू कराया गया था। कोरोना काल के दौरान वर्ष 2021 में यहां करीब 25 शवों का अंतिम संस्कार किया गया, इसके बाद अचानक शवदाह गृह को बंद कर दिया गया। पूछताछ में बताया गया कि मशीन में लगे एलिमेंट खराब हो चुके हैं।

मिश्रा कॉलोनी में बंद पड़ा विद्युत शवदाह गृह। ● अमृत विचार

● **कोरोना काल से बंद पड़ा है खराब हो रहीं हैं लाखों की मशीनें**

पुलिस ने लापता भाइयों को किया बरामद

उन्नाव, अमृत विचार: असोहा थानाक्षेत्र के भाऊमऊ निवासी आशीष शर्मा का बड़ा बेटा लक्ष्य (14) अपने छोटे भाई संस्कार (9) के साथ बुधवार को रोज की तरह अपने सेरवईया गांव स्थित विद्यालय जाने को निकला था लेकिन वहा वहां नहीं पहुंचा। मां अपर्णा के मोबाइल पर विद्यालय से दोनों बेटो के गैर हाजिर होने की सूचना पर वह घबरा गई। इस पर उसने पीआरवी को सूचना दी। जांच के बाद पीआरवी कर्मियों थाने में मामले की जानकारी दी। इसके बाद सीओ तेज बहादुर सिंह के निर्देश पर एसओ फूल सिंह ने दोनों बच्चों को सोहरामऊ थानाक्षेत्र के गोमापुर बाजार से बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं व शक्तिपीठ के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

गायत्री शक्तिपीठ से निकाली गई कलश यात्रा

उन्नाव, अमृत विचार : अखिल विश्व गायत्री परिवार के संयोजन में बुधवार को पीडब्ल्यूडी परिसर स्थित गायत्री शक्तिपीठ सिविल लाइन के तत्वावधान में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें बुधवार को प्रथम दिवस जन संदेश कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा गायत्री शक्तिपीठ से निकलकर सिविल लाइन, बंधुहार से गोपेश्वर मंदिर होते हुए वापस शक्तिपीठ आई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में मातृ शक्तियां पीले परिधानों में सिर पर कलश लेकर यात्रा के पीछे चल रही थीं। आचार्य राम शंकर प्रजापति संगठन के धेय वाक्य हम सुधरेंगे युग सुधरेगा, हम बदलेंगे युग बदलेगा आदि नारों को बोलते हुए परिजनों के साथ यात्रा के साथ चल रहे थे। यात्रा का नेतृत्व शक्तिपीठ प्रबंधक दुर्गा प्रसाद व संयोजक विनोद शुक्ल व ओमप्रकाश सविता ने किया। इसमें जिला समन्वयक नरेंद्र सिंह, प्रशांत शुक्ला, राजकरन, गौरव शुक्ल, साधना सिंह, शशि सिंह, संगीता शर्मा, पुष्पा शुक्ला, रामेश्वरी, निशा सिंह, सरिता यादव, रेखा यादव आदि मौजूद रहे।

कोर्ट ने पॉक्सो व एससीएसटी एक्ट के दोषी को सुनाई 5 साल की सजा, 10 हजार जुर्माना

उन्नाव, अमृत विचार : छेड़छाड़, पॉक्सो व एससीएसटी एक्ट के मुकदमे की अंतिम सुनवाई में विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट-12 ने बुधवार को आरोपी को दोषी करार देते हुए 5 साल की सजा के साथ 10 हजार का अर्थदंड भी लगाया है। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव सफियापुर निवासी एक महिला ने गांव निवासी रेनू उर्फ विमल यादव पर 10 जून 2019 को घर में घुसकर छेड़छाड़, पॉक्सो एक्ट व एससीएसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुकदमे की विवेचना तत्कालीन सीओ सफीपुर गौरव त्रिपाठी ने की थी और आरोपी को 12 जून 2019 को पकड़कर जेल भेजा था। सीओ ने आरोपी के विरुद्ध साक्ष्य जुटाकर कोर्ट में 1 जुलाई 2019 को चार्जशीट पेश की थी। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई में अभियोजन पक्ष से सरकारी वकील प्रदीप श्रीवास्तव द्वारा पेश किए गए गवाहों व साक्ष्य सुनने के बाद न्यायाधीश शैलेंद्र कुमार ने रेनू उर्फ विमल यादव को दोषी ठहराते हुए 5 साल की सजा सुनाई।

डॉ. रचना ने घर-घर बांटी योगी की पाती

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 'योगी की पाती' के माध्यम से प्रदेश वासियों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। जिसमें वे विभिन्न मुद्दों जैसे साइबर अपराध से बचाव, सड़क सुरक्षा व एआई तथा तकनीकी शिक्षा के महत्व पर जनता को जागरूक कर रहे हैं।

शीतकालीन अवकाश के बाद विद्यालयों की नियमित उपस्थिति के लिए शिक्षक घर-घर संपर्क कर रहे हैं। ऐसे में उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरी पीपरखेड़ा कंपोजिट की शिक्षिका डॉ. रचना सिंह ने शिक्षक साथियों के साथ बच्चों के घरों में संपर्क किया और वहां चौपाल लगाकर नियमित उपस्थिति की बात की व कक्षा 1 व 2 में होने वाले निपुण आंकलन के बारे में अभिभावकों को बताया। वहां लोगों को मुख्यमंत्री योगी की पाती से भी अवगत कराया तथा योगी की पाती की प्रतियों को गांव में सभी के घरों में वितरित किया। बताया कि मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को देखकर अत्यंत दुखी हैं। ऐसी स्थितियां न हों इसके लिए प्रदेश भर में 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह आयोजित हो रहा है। योगी जी ने अपनी पाती में प्रदेश वासियों से पैदल चलने वालों का अत्यधिक ध्यान रखने व उनके प्रति संवेदनशील रहने की अपील की। उन्होंने सभी नवयुवकों, अभिभावकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई।

योगी की पाती बांटती डॉ. रचना सिंह। ● अमृत विचार

● **'योगी की पाती' के माध्यम से प्रदेश वासियों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं मुख्यमंत्री**

राम नाम की घंटी से जीवन होता है आनंदमय

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: पोनी रोड स्थित श्री राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर में चल रही श्री राम कथा के दौरान बुधवार को व्यास संजीव कृष्ण दुबे महाराज ने शबरी प्रसंग के माध्यम से सच्ची भक्ति के भावों को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि शबरी मइया के पास चार ऐसी वस्तुएं थीं, जो प्रत्येक भक्त के जीवन में होनी चाहिए।

व्यास जी ने कहा कि पहली वस्तु झाड़ू है जिसका भाव आंतरिक स्वच्छता से जुड़ा है। जैसे शबरी मइया आश्रम की सफाई करती थीं वैसे ही भक्त को अपने मन के विकार, कल्मष व बुरे विचारों को साफ कर मन निर्मल रखना चाहिए, क्योंकि जहां स्वच्छता व निर्मलता होती है वहीं भगवान का वास होता है। दूसरी वस्तु कलश है। कलश का जल धीरे-धीरे रिसता है। जिसका भाव नेत्रों से बहने वाले भक्ति रस से है। सच्चा भक्त भगवान के गुणगान में पुलकित होकर अश्रुधारा बहाता है। तीसरी वस्तु फलों की टोकरी बताई गई, जिसका भाव यह है कि जीवन में किए गए सभी पुण्य कर्मों को भगवान को समर्पित कर देना चाहिए, जैसा शबरी मइया ने किया। चौथी वस्तु घंटी है, जिसका भाव गुरु मंत्र और राम नाम से है।

कथा के दौरान समाजसेवी वीरेन्द्र शुक्ला को सम्मानित किया गया। ● अमृत विचार

● **पोनी रोड स्थित श्री राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर में चल रही राम कथा**

कार्यक्रम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कृषि भवन सभागार में किसान दिवस का हुआ आयोजन

मियागंज, हसनगंज व औरास में बनेंगी फल मंडियां :डीएम

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में बुधवार को कृषि भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें डीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और अगले किसान दिवस तक कोई भी शिकायत लंबित न रहे।

डीएम ने बताया कि मियागंज, हसनगंज व औरास में फल मंडी के लिए जगह चिन्हित कर ली गई है। इसके लिए ब्लॉकवार क्लस्टर बनाए जाएंगे। इस परियोजना की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए जिला उद्यान अधिकारी व विपणन अधिकारी की एक टीम गठित की गई है। जो हर मंगलवार इसकी समीक्षा करेगी। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए डीएम ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि खुरपका-मुंहपका व गलाघोंटू की बीमारी का टीकाकरण अभियान 22 जनवरी से शुरू हो रहा है। उन्होंने निर्देश दिये कि टीकाकरण से पूर्व ग्राम प्रधान व वीडीसी के माध्यम से गांव-गांव में सूचना दी जाए। ताकि कोई भी पशु छूटने न पाए। उप कृषि निदेशक ने बताया कि अब कृषि विभाग की योजनाओं जैसे कृषि यंत्र, सोलर पंप व निःशुल्क बीज मिनीकिट का लाभ लेने के लिए किसानों को जन सेवा केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग करानी होगी। इसके बाद लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी तरीके से किया जाएगा।

बैठक में किसानों ने विद्युत विभाग द्वारा शाम को की जा रही कटौती का मुद्दा उठाया। वहीं, सफीपुर के किसान रामप्रताप ने घरेलू कार्यों और पशुओं के लिए एक-दो ट्रॉली मिट्टी की जरूरत पर विभागीय अनुमति में होने वाली दिक्कतों को साझा किया। किसानों ने मांग की कि दो ट्रॉली तक मिट्टी के लिए अनुमति की प्रक्रिया में छूट दी जाए।

बैठक में उप कृषि निदेशक रविचंद्र प्रकाश, जिला उद्यान अधिकारी, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक, लघु सिंचाई, जल निगम, मत्स्य व लोक निर्माण विभाग के अन्य मौजूद रहे।

किसान दिवस पर किसानों व अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम गौरांग राठी।

परिवार नियोजन कार्यक्रम प्रभावी बनाने को हुई बैठक

उन्नाव, अमृत विचार : परिवार नियोजन सेवाओं की पहुंच व गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की अगुवाई में संचालित उम्मीद परियोजना के तहत डिस्ट्रिक्ट वर्किंग ग्रुप की बैठक सीएमओ कार्यालय के सभागार में हुई। इसमें परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता व क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं व उनके समाधान पर चर्चा की गई। बैठक में सीएमओ डॉ. हरिनंदन प्रसाद ने अधिकारियों से कहा कि परिवार नियोजन से जुड़ी सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की प्रतिनिधि शिल्पा नायर ने परिवार नियोजन सेवाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी प्रभावी करने पर बल दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी इंतजार अहमद ने जिले में संचालित परिवार नियोजन सेवाओं व उम्मीद परियोजना के उद्देश्यों की जानकारी दी। बताया कि परियोजना के सीएचसी व पीएचसी में परिवार नियोजन कॉर्नर की स्थापना, आरोग्य मंदिरों व उपकेंद्रों को परिवार नियोजन किट उपलब्ध कराना, स्वास्थ्य प्रदाताओं, एएनएम व आशा कार्यकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं व परामर्श हेतु प्रशिक्षित करना है। बैठक में कम उम्र में विवाह की रोकथाम, नए गर्भ निरोधक साधनों की जानकारी व परिवार नियोजन कार्यक्रमों में पुरुष सहभागिता बढ़ाने पर चर्चा हुई। इसमें एसीएमओ डॉ. जेआर सिंह, ज्योति भूषण पांडेय, रानू कटियार, मनिंदर सिंह, कपिल श्रीवास्तव आदि स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती हाशमा पत्नी शेर जमा खां व रेशमा पत्नी अब्दुल हक निवासी ग्राम दरियापुर परगना बाँगरमऊ तहसील सफीपुर जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 09–01–2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थिनीगण ने मोहल्ला बशीरगंज/सरोजनीनगर बाँगरमऊ का एक किता प्लाट श्री इलियास खां पुत्र इब्राहिम निवासी ग्राम सुरसेनी बाँगरमऊ जिला उन्नाव से श्रीमती हाशमा पत्नी शेर जमा खां ने 1/2 भाग व श्रीमती रेशमा पत्नी अब्दुल हक ने 1/2 भाग प्लाट जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 20–09–2011 को क्रय कर गोड़े का निर्माण करवा लिया है। जिसकी माप पूरब से पश्चिम 50 फिट व उत्तर से दक्षिण 16 फिट कुल माप 800 वर्गफीट या 74.35 वर्गमीटर उक्त गोड़े की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब– रास्ता कच्चा 14 फिट चौड़ा पश्चिम– मकान मसरूर उत्तर– मकान शमसुल दक्षिण– मकान अब्दुल रहमान प्रार्थिनीगण ने अपने उपरोक्त भवन को पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र, रजिस्टर्ड बैनामा, शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा। तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार

गुरुवार, 22 जनवरी 2026

जिस तरह से विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न धाराएं अपना जल समुद्र में मिला देती हैं, उसी प्रकार मनुष्य द्वारा चुना हर मार्ग, चाहे अच्छा हो या बुरा भगवान तक जाता है।

–स्वामी विवेकानंद

भाजपा में नवीन युग

पार्टी के पैदा होने के बाद जन्म लेने वाले 45 साल के नितिन नवीन भाजपा यानी दुनिया की सबसे बड़ी और भारत की सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना केवल एक व्यक्ति का उदय नहीं, बल्कि राजनीति की कार्यशैली में संभावित पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है। स्वाभाविक है कि इसका असर अन्य दलों पर भी पड़ेगा और वहां भी युवा नेतृत्व को आगे लाने का दबाव बनेगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल या अन्य तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह सवाल उठ सकता है कि क्या वे भी नेतृत्व की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने का साहस कर सकते हैं। यदि वास्तव में युवाओं को निर्णायक जिम्मेदारी मिलती है, तो पार्टी व राजनीति दोनों में कुछ सकारात्मक बदलाव दिख सकते हैं। युवाओं की सोच अपेक्षाकृत अधिक तकनीक-संवेदी, डेटा-आधारित और परिणामोन्मुख होती है। संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही, सोशल मीडिया व जमीनी नेटवर्क का बेहतर तालमेल और जाति-गणित से आगे बढ़कर विकास व अवसर की राजनीति को प्राथमिकता मिलने की संभावना बढ़ेगी। हालांकि अनुभव की कमी एक चुनौती रहेगी, लेकिन सही मार्गदर्शन के साथ यह कमजोरी ताकत में बदली जा सकती है। संभव है संसदीय बोर्ड और राष्ट्रीय महासचिव जैसे शीर्ष निकायों में भी युवा बदलाव आए। कार्यकारिणी में 60-70 प्रतिशत युवाओं को शामिल करने का वादा कठिन जरूर है, पर असंभव नहीं। इसके लिए संगठन को वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा के संतुलन का मॉडल अपनाना होगा। नए अध्यक्ष के सामने तात्कालिक चुनौती संगठनात्मक अनुशासन यथावत रखने और आगामी विधानसभा चुनावों में प्रदर्शन सुधारने की होगी, जबकि दीर्घकालिक चुनौती 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी है, जो परिसीमन के बाद होंगे। सरकार, संघ और संगठन के बीच तालमेल बैठाना उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

यूपी की राजनीति नितिन नवीन के लिए निर्णायक साबित होगी। 2027 में सत्ता की हैट्रिक का लक्ष्य संगठन पर भारी दबाव डालेगा। लोकसभा चुनाव में पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक समीकरण का असर दिख चुका है, जिसकी काट के लिए सामाजिक प्रतिनिधित्व, स्थानीय नेतृत्व और कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी डिलीवरी पर जोर देना होगा। दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में भी परीक्षा कम नहीं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी के चुनाव भाजपा के लिए अलग-अलग तरह की चुनौतियां पेश करते हैं। असम में वापसी और बंगाल में जीत संभव है, लेकिन तमिलनाडु व केरल में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना दीर्घकालिक रणनीति मांगता है। महिला आरक्षण लागू होने की स्थिति में 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों का चयन संगठनात्मक ढांचे को नए सिरे से गढ़ने की मांग करेगा। परिसीमन के बाद उत्तर-दक्षिण संतुलन और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर सहमति बनाना भी नवीन के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौतियां होंगी। साथ ही 2029 तक नरेंद्र मोदी के बाद के नेतृत्व को लेकर चलने वाली अटकलों के बीच उन्हें आलाकमान के फैसलों और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। नए पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे युवा ऊर्जा को संस्थागत अनुशासन और वैचारिक निरंतरता के साथ कितनी कुशलता से जोड़ पाते हैं।

प्रसंगवश

संघ का सतत सेवा कार्य

भारतीय समाज अपनी सहनशीलता और समन्वय की क्षमता के लिए विश्वविख्यात है। इस विशाल समाज के बीच यदि कोई संस्था अपने ध्येय, अनुशासन और सात्विक सेवा के कारण जनमानस के हृदय में स्थान बनाए हुए है, तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा मात्र एक शाखा से रोपित यह बीज आज विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन के रूप में वटवृक्ष बन चुका है। संघ का लक्ष्य राजनीतिक लाभ या प्रचार नहीं, बल्कि एक संगठित, सशक्त और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है, जिसे वह चरित्र निर्माण और सतत सेवा के जरिए पूरा करता है। संघ की सेवा-परंपरा "सबका हित, सबका उन्नयन" के मूल चिंतन का विस्तार है। संघ मानता है कि समाज तभी प्रगति कर सकता है, जब प्रत्येक नागरिक एक-दूसरे के प्रति उत्तरदायी बने। यही कारण है कि शाखा-व्यवस्था में शारीरिक और बौद्धिक संस्कारों के साथ-साथ 'सेवा' को प्रमुख स्थान दिया गया। आज संघ और उसके प्रेरित संगठनों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामविकास और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हजारों प्रकल्प सक्रिय हैं, जो किसी प्रचार के बिना मौन तपस्या की तरह कार्य कर रहे हैं। संघ के सेवा-कार्य का आधार उसका स्वयंसेवक है, जो किसी वेतन या पुरस्कार की अपेक्षा के बिना राष्ट्र-समर्पण के भाव से कार्य करता है। शाखाओं में यह भाव जागृत किया जाता है कि "समाज की पीड़ा मेरी पीड़ा है।" इसीलिए संघ का कार्य राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना निरंतर और आत्मनिष्ठा पर आधारित रहता है। आज सुदूर ग्रामीण इलाकों, जनजातीय क्षेत्रों और शहरी मलिन बस्तियों तक सेवा भारती, विद्या भारती, वनवासी कल्याण आश्रम और राष्ट्रीय सेवा भारती जैसे संगठन सक्रिय हैं।

प्रो. विवेकानंद तिवारी

अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

शिक्षा और स्वास्थ्यः शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती और एकल विद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे हैं, बल्कि उसे भारतीय मूल्यों और सामाजिक समरसता से जोड़ रहे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा भारती के चल चिकित्सा केंद्र, निःशुल्क अस्पताल और रक्तदान शिविर समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंच रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान स्वयंसेवकों ने भोजन वितरण से लेकर अंतिम संस्कार तक के कार्यों को जिस निष्ठा से संपन्न किया, उसने इस सेवा-तंत्र की सक्षमता को सिद्ध कर दिया। ग्रामविकास और आपदा प्रबंधनः दीनदयाल शोध संस्थान जैसे प्रकल्पों ने 'समग्र ग्राम विकास' का मॉडल प्रस्तुत किया है, जो आत्मनिर्भर ग्रामों का निर्माण करता है। इसी प्रकार वनवासी कल्याण आश्रम जनजातीय समाज के उत्थान और संस्कृति-संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आपदा प्रबंधन में भी संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वाली टोली होते हैं। भूकंप, बाढ़ या महामारी हर संकट में स्वयंसेवकों ने बिना किसी भेदभाव के राहत और पुनर्वास के कार्य किए हैं।

संघ के सेवा-कार्य का सबसे अद्भुत पक्ष यह है कि ये कार्य किसी एक केंद्रीय आदेश से नियंत्रित नहीं होते। प्रत्येक स्वयंसेवक, प्रत्येक शाखा, प्रत्येक विभाग और प्रत्येक आनुषंगिक संगठन सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए स्वयं ही प्रकल्प प्रारंभ करता है। संघ की रचना लोकतांत्रिक, विकेंद्रित और आत्मनिर्भर है। इसीलिए यह सेवा-कार्य लंबी अवधि तक स्थिर, प्रभावी और सतत बना रहता है। संघ अपने स्वयंसेवकों को केवल सेवा का नहीं, बल्कि सहअस्तित्व, समरसता, स्वावलंबन और संस्कारयुक्त समाज के निर्माण का मार्ग दिखाता है। संघ का सेवा-कार्य किसी एक व्यक्ति, संगठन या नेतृत्व पर आधारित नहीं है, यह समाज की अपनी शक्ति, समाज की अपनी संवेदना और समाज की अपनी रचनात्मकता का विस्तार है। सेवा केवल सहायता नहीं, बल्कि परिवर्तन का माध्यम है और यही परिवर्तन संघ के कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

आरएसएस के पंच परिवर्तन से समाज में आएगा बदलाव

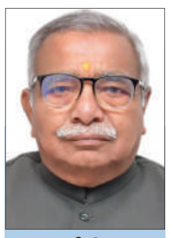

अंजनी निगम

वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश ही नहीं विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी स्वयंसेवी सामाजिक संगठन है, जो कहीं से भी अनुदान नहीं लेता, बल्कि अपने स्वयंसेवकों के माध्यम से देश के लोगों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना बीते सौ सालों से जगा रहा है। विक्रम संवत 1982 में विजयादशमी अर्थात 27 सितंबर 1925 को नागपुर में संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से इस कार्य की शुरुआत हुई थी और अपनी शाखाओं के माध्यम से और समाज की सहभागिता से संगठन सौ वर्षों से निरंतर इस कार्य को कर रहा है।

संघ की स्थापना डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार ने की थी। वर्ष प्रतिपदा अर्थात पहली अप्रैल 1889 को जन्मे केशव बचपन में एक स्कूल में पढ़ते थे, जहां निरीक्षण के लिए अंग्रेज इंस्पेक्टर आया, तो उसके स्वागत में अपने साथियों के साथ वंदेमातरम् का गायन किया और परिणामस्वरूप उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया। डॉक्टरी की पढ़ाई करने कोलकाता गए, तो वहां क्रांतिकारियों के संगठन से जुड़ गए और 1921 में महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरु हुए असहयोग आंदोलन में सत्याग्रह कर जेल गए जहां एक साल रहे। कुछ साथियों के साथ संघ की स्थापना होने के बाद वे जीवनपर्यंत इसी कार्य में लगे रहे। उनकी ध्येय निष्ठा और लगन का ही परिणाम है कि इस समय देश के 924 जिलों में से 98 फीसद से अधिक में संघ की शाखाएं चल रही हैं।

> सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है।

इन सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है। अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में संघ ने संगठन को समाज व्यापी बनाने के लिए कई कार्यों का प्रारंभ किया है, जिनमें सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कार्य है पंच परिवर्तन। संघ मानता है कि राजनीतिक सत्ता पर आश्रित न रहकर समाज आधारित रचनाएं खड़ी करने के आग्रह के कारण परिवर्तन शास्वत परिणाम में परिवर्तित होता है। संघ की शाखाओं में इस बात को लेकर एक गीत "केवल सत्ता से मत करना परिवर्तन की आस, जागृत जनता के केन्द्रों से होगा अमर समाज" गाया जाता है। बस इसी गीत को चरितार्थ करने और समाज के स्वभाव में समरस करने के भाव से संघ ने पांच विशिष्ट कार्य अपने हाथ में लिए हैं, जिनमें सबसे पहला है "सामाजिक समरसता"।

देश की स्वतंत्रता के बाद बने संविधान में राजनीतिक समानता और सामाजिक समरसता को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। सामाजिक समानता बंधुता के बिना नहीं आ सकती है, भेदभाव की भावना से मुक्त हुए बिना समानता बहुत ही कठिन कार्य है। सामाजिक समरसता हिंदू समाज की स्वाभाविक विशेषता है, लेकिन विभिन्न कारणों से सामाजिक भेदभाव और कुरीतियों का लंबे समय तक प्रचलन रहा, जिसके परिणामस्वरूप समाज के कुछ अंगों को लगातार प्रताड़ना झेलनी पड़ी। इस सामाजिक बुराई को समाप्त करना अति आवश्यक है। भगवान श्रीकृष्ण भी गीता में कहते हैं कि चारो वर्ण गुण और कर्म पर आधारित हैं, न कि जन्म पर।

किसी भी धर्मग्रंथ में भी जन्म आधारित भेदभाव का जिक्र नहीं है और कोई भी कार्य ऊंचा या नीचा नहीं होता है। धर्म के अनुरूप समाज के हित में किया गया हर कार्य सत्कर्म होता है। शारीरिक कार्य भी उतना ही अधिक महत्व रखता है जितना बौद्धिक कार्य, लेकिन बीच के काल में हमारे समाज में यह बुराई आ गई कि जो जिस परिवार में जन्मा उसे उसी कार्य को करने का अधिकार है। संघ कहता है "हिन्दवः सोदरा सर्वे, न हिन्दु पतितो भवेत" अर्थात सारे हिन्दू भाई हैं और कोई भी पतित नहीं है। समरसता के भाव से ही समाज में समानता आती है। मंदिर में प्रवेश, जल के स्रोत, श्मशान व सार्वजनिक क्षेत्र सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हों, यह कार्य सभी को मिलकर सुनिश्चित करना होगा। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा आयाम पर्यावरण संरक्षण है। पर्यावरण असंतुलन आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। पर्यावरणीय असंतुलन के परिणाम स्वरूप "ग्लोबल वार्मिंग" का खतरा हर ओर मंडरा रहा है, जिसे ठीक करने के लिए सबको मिलकर आगे आना होगा। जंगलों के महत्व को समझने के साथ ही पानी का संतुलित उपयोग करना होगा।

पंच परिवर्तन में तीसरा कार्य कुटुंब प्रबोधन का है। भारतीय दर्शन में परिवार को समाज की सबसे छोटी इकाई माना गया है। हमें अपने परिवारों में पुत्र-पुत्रियों, नाती-पोतों के साथ आनंद के संग रहना चाहिए। घर में यदि रोज न संभव हो, तो सप्ताह में एक दिन सब मिलकर मोबाइल और टीवी से दूरकर साथ भोजन और भजन करें। एक दूसरे के साथ मधुर संवाद करते हुए मातृशक्ति का सम्मान करें और समाज के सामने आदर्श हिंदू परिवार का उदाहरण प्रस्तुत करें।

स्व की भावना का संचार करना चौथा परिवर्तन है। आर्थिक हों या सांस्कृतिक हर क्षेत्र में हमें स्व की भावना को सर्वोपरि रखते हुए अपने पैरों पर खड़े होना है। स्वदेशी जीवनशैली न केवल आर्थिक, बल्कि व्यापक और व्यावहारिक बदलाव लाएगी। स्वभाषा, स्वभूषा और स्वसंस्कृति को समझने के साथ ही उसे अपनाते हुए गर्वानुभूति होना चाहिए। पांचवां और अंतिम परिवर्तन नागरिक कर्तव्यबोध और शिष्टाचार है। प्रत्येक नागरिक में यह बोध जगाना होगा कि वे अपने देश के संविधान, प्रतीकों और राष्ट्रीयता का सम्मान करें। चुनावों को देशहित में मानते हुए मतदान अवश्य करें। सड़क पर चलते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें। व्यक्तिगत रूप से नागरिक कर्तव्यों का पालन करने से ही जागृत समाज का निर्माण हो सकेगा।

आमने

नई भाजपा के अंदर अब मजबूत व्यक्तित्व वाले और अपनी ख़ुद की राजनैतिक जमीन वाले नेताओं के लिए क्या बचा है? नितिन को बॉस कहकर वो अपने अहम को आश्वस्त कर रहे हैं कि उनको "संजय जोशी" या "नितिन गडकरी" को बॉस कहने में कितनी तकलीफ होती। मोदी ने अपने पीएम बनने के बाद किसी भी महत्वपूर्ण पद पर किसी मजबूत व्यक्तित्व को नहीं बैठने दिया। – **सौरभ भारद्वाज** दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, आप

सामने

जिस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है और जो केवल एक व्यक्ति के इशारों पर चलती है, उसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। आप चार लोगों का गैंग है, उन्हें राजनीतिक पार्टी कोई मानता नहीं है और उनसे ये आशा करना कि पीएम मोदी के बयान की गरिमा समझ आएगी ऐसी हम उनसे आशा भी नहीं करते हैं।

– **कपिल मिश्रा**, बीजेपी उपाध्यक्ष, दिल्ली

नारी शक्तिः भारत @2047 की आधार स्तंभ

डॉ सुनिधि मिश्रा

स्वतंत्र लेखिका

भारत @2047 का विजन केवल तेज आर्थिक वृद्धि, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर या वैश्विक शक्ति बनने तक सीमित नहीं है। यह सपना एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानव-केंद्रित विकास की कल्पना करता है, जिसमें महिलाओं की भूमिका केंद्रीय हो। आज की भारतीय महिलाएं अब केवल बदलाव की प्रतीक नहीं रहीं, वे बदलाव की दिशा और गति दोनों तय कर रही हैं। हाल के वर्षों के सर्वे, रिपोर्ट और आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि महिला शक्ति भारत के भविष्य की सबसे मजबूत नींव बन सकती है। शिक्षा इस परिवर्तन की पहली और सबसे मजबूत कड़ी है।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (2021-22) के अनुसार, उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन लगभग 49–50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह अपने आप में ऐतिहासिक बदलाव है, क्योंकि कुछ दशक पहले तक उच्च शिक्षा पर पुरुषों का वर्चस्व माना जाता था। आज महिलाएं न केवल कला और सामाजिक विज्ञान, बल्कि विज्ञान, चिकित्सा, प्रबंधन और तकनीकी विषयों में भी आगे बढ़ रही हैं। यह बदलाव केवल डिग्रियों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि आने वाले वर्षों में एक कुशल, आत्मनिर्भर और जागरूक महिला कार्यबल की नींव रख रहा है, जो किसी भी विकसित राष्ट्र की बुनियादी आवश्यकता है।

> विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा, जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा।

शिक्षा के बाद अगला महत्वपूर्ण चरण आर्थिक भागीदारी का है। पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (2023-24) बताता है कि भारत में महिलाओं की श्रमबल भागीदारी दर बढ़कर लगभग 37 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो 2017-18 के मुकाबले एक उल्लेखनीय वृद्धि है। यह दर्शाता है कि महिलाएं धीरे-धीरे कार्यबल में अपनी जगह बना रही हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि अधिक दिखाई देती है, जहां महिलाएं कृषि, पशुपालन, लघु उद्योग और स्वयं सहायता समूहों के जरिये आर्थिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। हालांकि यह भी सच है कि अभी बड़ी संख्या में महिलाएं अनौपचारिक और असुरक्षित कामों में लगी हैं, लेकिन यह बढ़ती भागीदारी भविष्य के औपचारिक व गुणवत्तापूर्ण रोजगार की दिशा में पहला कदम है।

स्वयं सहायता समूह आंदोलन भारत में महिला सशक्तिकरण की सबसे सफल कहानियों में से एक बन चुका है। विश्व बैंक और ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि करोड़ों महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़कर माइक्रो-क्रेडिट, उद्यमिता और सामुदायिक नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इन समूहों ने महिलाओं को केवल आय का साधन नहीं दिया, बल्कि निर्णय लेने की शक्ति और सामाजिक सम्मान भी दिया है। यह नीचे से ऊपर आने वाला विकास मॉडल भारत @2047 के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह विकास को केवल शहरों तक सीमित नहीं रखता।

डिजिटल इंडिया ने महिला शक्ति को एक नया आयाम दिया है। आईएमएआई और अन्य डिजिटल सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी अब लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है और यह लगातार बढ़ रही है। डिजिटल भुगतान, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन शिक्षा ने महिलाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। आज एक ग्रामीण महिला भी मोबाइल फोन के जरिए बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकती है, ऑनलाइन प्रशिक्षण ले सकती है और अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचा सकती है। यह डिजिटल सशक्तिकरण भारत @2047 के उस सपने को मजबूत करता है, जहां विकास समावेशी और तकनीक-आधारित हो। स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में महिलाएं विकसित भारत की आधारशिला हैं। एनएफएचएस-5 के अनुसार, भारत में अभी भी लगभग 57 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं-यह एक बड़ी चुनौती है, लेकिन साथ ही यह भी सच है कि मातृ स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। महिलाएं अब केवल परिवार की देखभाल करने वाली नहीं, बल्कि अपने स्वास्थ्य को लेकर निर्णय लेने वाली बन रही हैं। स्वस्थ महिला का अर्थ है स्वस्थ परिवार और स्वस्थ भविष्य की पीढ़ी, जो भारत @2047 के मानव संसाधन को मजबूत बनाएगा।

नेतृत्व और शासन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका भी भारत के विकास की दिशा बदल रही है। पंचायत स्तर पर महिला प्रतिनिधित्व कई राज्यों में लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे शिक्षा, जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को स्थानीय स्तर पर प्राथमिकता मिली है। शोध बताते हैं कि महिला नेतृत्व वाले क्षेत्रों में सामाजिक सूचकांक बेहतर होते हैं।

नई पीढ़ी की महिलाएं भारत @2047 की सबसे बड़ी शक्ति हैं। वे परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रही हैं। वे करियर, परिवार, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान सबको एक साथ महत्व देना चाहती हैं। यह सोच भारत के विकास को अधिक मानवीय और टिकाऊ बना सकती है। चुनौतियां अब भी मौजूद हैं- समान वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, डिजिटल सुरक्षा और सामाजिक सोच में बदलाव,लेकिन सकारात्मक संकेत यह है कि दिशा स्पष्ट है और गति भी।

विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा, क्योंकि महिलाओं पर किया गया हर निवेश शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता के रूप में कई गुना लौटता है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो केवल वे ही नहीं बढ़तीं, पूरा देश आगे बढ़ता है।

सोशल फोरम

किताबों की ड्रॉइंग नहीं सड़कें

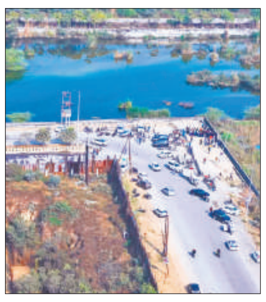

इस इंजीनियरिंग मार्वल को देखिए, नब्बे डिग्री का सीधा मोड़। यह नोएडा की वही जगह, वही सड़क, जहां बीते दिनों कोहरे भरी रात में इंजीनियर युवराज इस मोड़ को देख नहीं पाए। सच कहें तो सिर्फ कोहरा ही वजह नहीं था। साफ रात में भी यहां हादसा होना तय था। इतनी तीखी मोड़ वाली सड़क और सामने गड्ढा, यह किसी दुर्घटना का इंतजार नहीं, उसका न्योता है। पिछले कई सालों से इंटरनेट पर इन "इंजीनियरिंग चमत्कारों" पर बहस होती रही है। हर बार लोक निर्माण विभाग के तेज-तर्रार इंजीनियर पूरी आत्मविश्वास से समझाते रहे कि ऐसे नब्बे डिग्री मोड़ क्यों जरूरी हैं। तर्क इतने तकनीकी होते हैं कि आम आदमी चुप हो जाए। इसी सड़क की तस्वीरें अमेरिका के सोशल मीडिया पर मीम बनकर भारत और उसकी तकनीक का मजाक उड़ाते हुए घूमती रहीं हैं। भारतीय होने के नाते खून खौलता है, लेकिन उससे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब अपने ही लोग इन्हें गर्व से "इंजीनियरिंग" कहते हैं। इसी जगह कुछ दिन पहले एक ट्रक ड्राइवर भी कोहरे में यह मोड़ नहीं देख पाया। कोहरा हो या न हो- ऐसी सड़क बनाना ही अपराध है। ट्रक अस्थायी बैरिकेड तोड़ते हुए नीचे गड्ढे में जा गिरा। किस्मत अच्छी थी, लोगों ने बचा लिया, वह जिंदा निकल गया। प्रशासन ने क्या किया? कुछ नहीं। वही टूटा बैरिकेड, वही अंधेरा, वही गंदा पानी।

नितिन त्रिपाठी

लेखक, लखनऊ

कुछ दिन बाद उसी जगह युवराज पहुंचा, लेकिन तब तक अस्थायी बैरिकेड पहले ही टूट चुका था। इस बार किस्मत ने साथ नहीं दिया। हमारे यहां सिस्टम को जगाने के लिए हमेशा एक मानव बलि चाहिए। इस बार वह बलि एक युवा इंजीनियर युवराज के रूप में मिली। अब देखिए, वही विभाग हरकत में आ गया है। गड्ढा भरेगा, सीवेज साफ होगा, पानी निकलेगा, स्थायी बैरिकेड लगेंगे, तेज रोशनी होगी, चेतावनी बोर्ड लगेंगे। सब कुछ होगा, क्योंकि अब एक जान जा चुकी है, लेकिन यह भी स्थायी समाधान नहीं है। स्थायी समाधान यह नहीं कि हादसे के बाद मरम्मत की जाए। स्थायी समाधान यह है कि ऐसी सड़कें बनाई ही न जाएं और अगर किसी मजबूरी में बनानी ही हों, तो मोड़ से बहुत पहले स्पीड कंट्रोल की व्यवस्था हो, रोड डिजाइन ऐसा हो कि गाड़ी की रफ्तार अपने आप 30-35 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा न हो। सड़कें किताबों की ड्रॉइंग नहीं होतीं। उन पर इंसान चलते हैं, जब इंजीनियरिंग संवेदनहीन हो जाती है, तब हर मोड़ पर कोई न कोई युवराज इंतजार कर रहा होता है, सिस्टम को जगाने के लिए।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

नवीन की वरिष्ठों संग समन्वय बिठाने की रहेगी चुनौती

नितिन नवीन को पार्टी की कमान सौंपकर भारतीय जनता पार्टी ने सियासी पटल पर एक नई इबारत लिखी है। पार्टी में वरिष्ठों और अनुभवी नेताओं की लंबी कतार होने के बावजूद एक युवा नेता को अध्यक्ष बनाने का सीधा-सीधा मतलब है कि भारतीय राजनीति में नई संस्कृति को बढ़ावा देना। दरअसल, ये ऐसा सियासी संदेश है, जिसे दूसरे दलो को भी सीखना चाहिए। देश में तमाम दल ऐसे हैं, जो परिवार से घिरे हैं। उनके यहां अध्यक्ष पार्टी से किसी सामान्य कार्यकर्ताओं को बनाने की रत्ती भर भी परंपरा नहीं है। कोई सोच भी नहीं सकता कि टीएमसी, शिवसेना, सपा, बसपा, टीडीपी जैसी पार्टियों में कोई सामान्य पार्टी का कार्यकर्ता अध्यक्ष भी बने, लेकिन भाजपा ने नितिन नवीन को अपना अध्यक्ष बनाकर ऐसे दलों को सोचने पर विवश कर दिया है। इस परंपरा को कोई अपनाए या नहीं? लेकिन दूसरे दलों के कार्यकर्ताओं में चेतनाएं जरूर जग गई हैं। वह भी अपने दल में ऐसे उच्च पदों पर आसीन होने की कल्पनाएं करेंगे। हालांकि ऐसा दूसरे दलों में भी होगा, संभव नहीं?

डॉ.रमेश ठाकुर

वरिष्ठ पत्रकार

नवीन की ताजपोशी किसी चमत्कार से कम नहीं? देशवासी भाजपा के इस कदम को राजनीति में बदलती हुई नई तस्वीर के रूप में देख रहे हैं। बीते 14 दिसंबर को उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया और 20 जनवरी को पूर्णकालिक औहदे पर बिठा दिया गया। वह भी निर्विरोध? ये अकल्पनीय है और चमत्कारी फैसले जैसा है। नवीन का कार्यकारी अध्यक्ष का प्रोबेशन समय एक महीना ही रहा। हालांकि तमाम राजनीतिक पंड़ित नवीन के सामने पार्टी की लय को बरकरार रखने की चुनौती देख रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसा देखा जाएगा, कयास भी लगाए जाएंगे, लेकिन संगठन बड़ा है, टीम वर्क बेहतरीन है, साथ ही उन्हें वरिष्ठों की सपोर्ट मिलेगी। इसलिए हो सकता है वह प्रेसर न लें। वैसे, नितिन नवीन की संगठनात्मक क्षमता का आकलन पार्टी अगले एकाध साल में ही कर लेगी, जिसमें बंगाल विधानसभा चुनाव पहली परीक्षा होगी। बंगाल को जीतना पार्टी का न सिर्फ सपना है, बल्कि मोदी-शाह के लिए प्रतिष्ठा का सवाल भी बन हुआ है। नवीन के समक्ष एक सबसे बड़ी चुनौती तो 2014 से भारतीय जनता पार्टी ने जो विस्तार किया है, उसे यथावत रखने की रहेगी। केंद्र में नरेंद्र मोदी के आगमन के बाद पार्टी में सदस्यों की संख्या पिछले सालों के मुकाबले आधे से ज्यादा बढ़ी। दक्षिण भारत को भेदना अब भाजपा के लिए अंतिम लक्ष्य हो गया है। वह हिस्सा उनसे अभी भी अभेद है। कर्नाटक में पार्टी सरकार बना चुकी है। आंध्र प्रदेश में टीडीपी के गठबंधन में है, लेकिन तेलंगाना, तमिलनाडु में सफलता नहीं मिली है। हालांकि केरल में पहली बार भाजपा का एक इकलौता सांसद बना और तिरुवनंतपुरम में मेयर बनाने में सफल हो चुकी है, पर पूर्णरूपी कब्जा करने की कसक अभी बाकी है। नवीन को इन्हीं चुनौतियों से जूझना पड़ेगा। भाजपा नवीन में संगठनात्मक मजबूती पहले देख चुकी है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत को नितिन नवीन के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्णमोड़ माना जाता है। तब, उनकी बड़े नेताओं ने प्रशंसाएं भी की थी। नवीन तभी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के चहेते बनें। पद को संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं नवीन, लेकिन उनके करियर को असली रफ्तार साल 2019 में मिली थी, जब उन्हें सिक्किम विधानसभा चुनाव में भाजपा के अभियान की कमान सौंपी गई थी। फिलहाल, भाजपा के नए बॉस अब नितिन नवीन बनें हैं। कैसे होंगे अगले कुछ महीने उनके लिए, पहले से गठित टीम में बदलाव होगा या फिर पुरानी टीम के साथ ही आगे बढ़ेंगे। आगे लगातार चुनाव हैं, किन रणनीतियों पर करेंगे काम, इसका अंदाजा कुछ समय बाद लग जाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

करियर के नए विकल्प
स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी

पिछले दो दशकों में भारतीय रोजगार व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आया है। एक समय स्थायी नौकरी को ही सामाजिक सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक माना जाता था, लेकिन वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और तकनीकी नवाचार ने करियर की पारंपरिक अवधारणा को चुनौती दी है। भारतीय जेन-जी यानी 18 से 27 वर्ष की उम्र के युवाओं का करियर को लेकर नजरिया तेजी से बदल रहा है। लिंक्डइन और रैंडस्टैड के संयुक्त अध्ययन पर आधारित हालिया रिपोर्ट बताती है कि आज का युवा वर्ग पारंपरिक नौकरियों से ज्यादा साइड इनकम और फ्रीलांसिंग को प्राथमिकता दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेन-जी अब केवल स्थिर नौकरी या तयशुदा करियर पाथ पर भरोसा नहीं कर रही, बल्कि वह अपनी स्किल, आजादी और डिजिटल प्लेटफॉर्म की ताकत पर दांव लगा रही है। आज स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी केवल वैकल्पिक रोजगार नहीं, बल्कि मुख्यधारा के करियर विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। सफलता उसी युवा को मिलेगी, जो इन विकल्पों को ट्रेंड नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुना गया रास्ता माने। हालांकि इस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं। आइए आज इसके पहलुओं पर विस्तृत विश्लेषण करते हैं।

सत्यदत्त शुक्ला
चार्टर्ड अकाउंटेंट, लखनऊ

अवसरों का विस्तार
भारत आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में गिना जाता है। सरकारी और निजी रिपोर्टों के अनुसार देश में लगभग दो लाख पंजीकृत स्टार्टअप सक्रिय हैं, जो सीधे और परोक्ष रूप से लाखों युवाओं को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। स्टार्टअप संस्कृति युवाओं को पारंपरिक पदानुक्रम से अलग, नवाचार और जिम्मेदारी का अवसर देती है। यहां कार्यक्षेत्र सीमित नहीं होता। एक कर्मचारी को कई भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं, जिससे सीखने की गति तेज होती है। इसके साथ ही स्टार्टअप संस्कृति अपने आसपास के युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करती है।

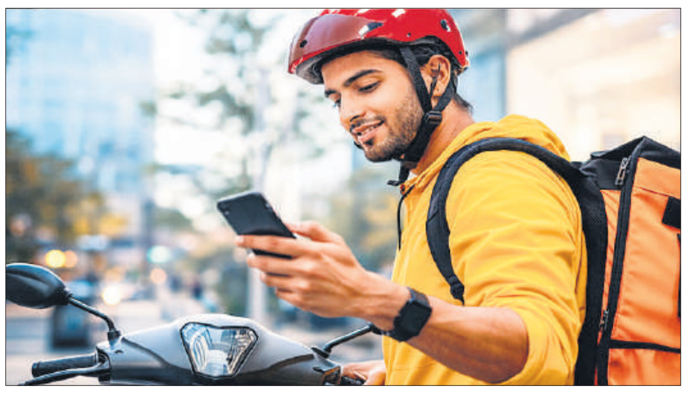

फ्रीलांस अर्थव्यवस्था: कौशल का बाजार
डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ फ्रीलांसिंग तेजी से बढ़ी है। विभिन्न आकलनों के अनुसार भारत में दो करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार से फ्रीलांस काम से जुड़े हैं। कंटेंट लेखन, डिजाइन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन शिक्षण इस क्षेत्र के प्रमुख हिस्से बनकर उभरे हैं। फ्रीलांसिंग में डिग्री से ज्यादा महत्व कौशल और अनुभव का है। यही कारण है कि पारंपरिक शिक्षा से बाहर रह गए युवा भी इस मॉडल के जरिए आय अर्जित कर पा रहे हैं।

गिग इकोनॉमी: त्वरित आय
गिग इकोनॉमी का दायरा अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों तक तेजी से फैल चुका है। कैब सेवाएं, फूड और ई-कॉमर्स डिलीवरी प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन ट्यूटरिंग, डिजिटल मार्केटिंग और कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आज करोड़ों युवा अल्पकालिक अनुबंधों पर काम कर रहे हैं। विभिन्न आकलनों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत की गिग वर्कफोर्स कुल श्रम शक्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन सकती है। यह मॉडल बेरोजगारी के दबाव को कुछ हद तक कम करने के साथ-साथ युवाओं को वैकल्पिक आय के अवसर भी प्रदान कर रहा है।

क्या संकेत देते हैं आंकड़े
आर्थिक सर्वेक्षण और श्रम अध्ययनों से संकेत मिलता है कि भविष्य में रोजगार सृजन का बड़ा हिस्सा पारंपरिक उद्योगों के बजाय सेवा, तकनीक और प्लेटफॉर्म आधारित कार्यों से आएगा। वहीं यह भी सच है कि इन क्षेत्रों में काम करने वाले युवाओं की औसत आय और कार्य-स्थिरता में भारी अंतर है। यानी नए करियर विकल्प अवसर तो दे रहे हैं, लेकिन समानता और सुरक्षा की गारंटी नहीं।

शिक्षा व्यवस्था और कौशल अंतर
विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच की खाई इन नए मॉडलों में और स्पष्ट हो गई है। स्कूल और कॉलेज आज भी छात्रों को स्थायी नौकरी की तैयारी कराते हैं, जबकि बाजार लचीले, बहु-कौशल वाले और तकनीक-सक्षम युवाओं की मांग कर रहा है। इसका परिणाम यह है कि बड़ी संख्या में डिग्रीधारी युवा या तो बेरोजगार हैं या अपनी योग्यता से कम काम करने को मजबूर हैं।

मानसिक और सामाजिक प्रभाव
स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी में काम करने वाले युवाओं में तनाव और असुरक्षा की भावना अधिक देखी जा रही है। आय की अनिश्चितता, सामाजिक दबाव और भविष्य की चिंता मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। यह पहलू अक्सर करियर चर्चा में उपेक्षित रह जाता है।

संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता
यह स्पष्ट है कि नए करियर विकल्प न तो पूरी तरह समाधान हैं और न ही पूरी तरह संकट। वे अवसर भी हैं और चुनौती भी। आवश्यकता इस बात की है कि युवा इन क्षेत्रों में प्रवेश से पहले कौशल, वित्तीय योजना और मानसिक तैयारी करें। साथ ही नीति-निर्माताओं और शिक्षा संस्थानों को भी चाहिए कि वे करियर गाइडेंस, कौशल प्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा के नए मॉडल विकसित करें।

जॉब अलर्ट

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित
- पद का नाम-कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा), सोसायटी मैनेजर, ऑफिसर
- कुल रिक्तियां-(1763 क्लर्क + 313 ऑफिसर) 2076 पद
- वेतन/पे स्केल-क्लर्क : लेवल-4 (रु. 19,500-62,000) 7 वां वेतनमान / लेवल-7 (रु. 28,700-91,300) / 6 वां वेतनमान (रु. 5,200-20,200 + 1900 GP)
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक
- आयु सीमा-18 से 35 वर्ष (छूट के साथ 40 वर्ष) कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा) : 18 से 55 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-05/02/2026
- वेबसाइट-www.apexbankmp.bank.in

नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD)
- पद का नाम-डेवलपमेंट असिस्टेंट / डेवलपमेंट असिस्टेंट (हिंदी)
- पदों की संख्या-162 (159 DA + 3 DA हिंदी)
- वेतन-20,700 - 55,700 (लगभग 46,500/- सकल शुरुआती वेतन)
- योग्यता-50% अंकों के साथ बैचलर डिग्री + कंप्यूटर का ज्ञान
- आयु सीमा-21 से 35 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-03/02/2026
- वेबसाइट-www.nabard.org

यूको बैंक

- पद का नाम-जर्नलिस्ट और स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- पदों की संख्या-173
- वेतन- 48480-93960
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट / बी.ई. / बी.टेक./ एम.सी.ए. / एम.एससी. कंप्यूटर साइंस / चार्टर्ड अकाउंटेंट सर्टिफिकेशन / फुल टाइम दो साल का एमबीए या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- आयु सीमा-20 से 35 वर्ष
- आवेदन अंतिम तारीख-02-02-2026
- वेबसाइट-https://uco.bank.in

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया

- पद का नाम-लॉ क्लर्क कम-रिसर्च एसोसिएट
- पदों की संख्या-लगभग 90
- वेतन-1,00,000/- प्रति माह (समेकित पारिश्रमिक)
- योग्यता कानून में स्नातक डिग्री (कानून में इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स सहित)
- आयु सीमा-20 से 32 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-07/02/2026
- वेबसाइट-www.sci.gov.in

कॉलेज जाना भी किसी मोर्चे पर जाने जैसा लगा
कैंपस में पहला दिन

वर्ष 1999 का जुलाई महीना था। देश ऑपरेशन विजय के दौर से गुजर रहा था। कारगिल युद्ध की खबरें सुबह-शाम टीवी पर छाई रहती थीं। सड़कों पर सेना के ट्रक, रेलवे स्टेशनों पर जवानों से भरी रेलगाड़ियां और हर घर में युद्ध की चर्चाएं, पूरा माहौल रोमांच और तनाव से भरा हुआ था। उसी समय मुझे लखनऊ के IET में जून की काउंसलिंग के लगभग एक महीने बाद झांसी स्थित बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (BIET) की मैकेनिकल ब्रांच में प्रवेश लेना था।

इंजीनियरिंग में दाखिले की खुशी थी, लेकिन फर्स्ट ईयर में होने वाली रैगिंग की कहानियों ने मन में डर भी भर रखा था। एक तरफ नए जीवन की शुरुआत का उत्साह था, तो दूसरी तरफ अनजाने माहौल का भय। ऊपर से पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ भी सिर पर महसूस हो रहा था। IIT में चयन न होने का मलाल था, लेकिन उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन मिलने का गर्व भी कम नहीं था। जैसे-जैसे 9 जुलाई नजदीक आ रहा था, घर में तैयारियां तेज हो गईं। कुछ कपड़े, बिस्तर और रोजमर्रा का जरूरी सामान समेटकर बड़े भाई के साथ कानपुर से होते हुए झांसी की यात्रा शुरू हुई। जुलाई का महीना और उत्तर भारत की बारिश, उस दिन भी मूसलाधार वर्षा हो रही थी। रास्ते में पहली बार छोटे-छोटे पथरीले पहाड़ दिखे। भले ही वे सिर्फ पठार थे, लेकिन मेरे लिए वे शोले फिल्म के पहाड़ों जैसे ही रोमांचक थे, क्योंकि इससे पहले पहाड़ मैंने कभी नहीं देखे थे।

BIET का कैंपस अपने आप में एक दुनिया था। पूरे उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में सबसे बड़ा IIT कानपुर को छोड़कर। कानपुर रोड से कॉलेज के मुख्य प्रशासनिक भवन तक लगभग एक किलोमीटर का रास्ता, चारों तरफ खुले मैदान और बारिश से नहाई हरियाली। मन प्रसन्न हो गया। ऐसा लग रहा था, जैसे कुछ-कुछ होता है फिल्म के कॉलेज कैंपस में प्रवेश कर रहा हूं। संयोग से वह फिल्म भी उसी दौर में रिलीज हुई थी। पहले वृंदावन हॉस्टल में सामान रखा और फिर प्रवेश प्रक्रिया के लिए सिविल डिपार्टमेंट पहुंचे, जहां पूरे फर्स्ट ईयर की काउंसलिंग और एडमिशन हो रहे थे। सीनियर्स अभिभावकों के सामने बेहद विनम्र और सहयोगी थे, लेकिन हमें देखकर उनकी आंखों में एक अलग ही संदेश झलक रहा था- मानो कह रहे हों, "अब आ गए हो, अब यहीं के तौर-तरीके सीखने होंगे।" अभिभावक भी अपने-अपने जिले या आसपास के इलाके के सीनियर्स खोज रहे थे, ताकि आगे बच्चों का ख्याल रखा जा सके।

शिव मोहन
मुख्य इंटीग्रेशन अधिकारी, रेलवे परिवहन व्यवसाय, लार्सन एंड टुब्रो, यूएई

कन्नौज से कोई सीनियर नहीं मिला, लेकिन फर्रुखाबाद के एक सीनियर से भाई ने बात की। उन्होंने न सिर्फ भरोसा दिया, बल्कि पूरे चार साल सचमुच अभिभावक की तरह ध्यान भी रखा। सच ही कहा गया है, घर से दूर अपने जिले का कोई मिल जाए, तो वह परिवार जैसा हो जाता है।

शाम तक सभी छात्रों को कमरे आवंटित कर दिए गए। हॉस्टल वार्डन और शिक्षकों ने ध्यान रखा कि कोई क्षेत्रीय गुट न बने। हमारे कमरे में तीन तखत थे, लेकिन उस शाम सिर्फ दो ही छात्र आए। मैं और फैजाबाद से आया मेरा एक सहपाठी, जिसे बाद में सब प्यार से "पप्पू" कहने लगे। पूरे बैच में लगभग 180 छात्र थे और हर किसी का कोई न कोई उपनाम उसकी आदत, बोली या स्वभाव के आधार पर रख दिया गया था, जो पहचान आज भी सिर्फ बैच के लोगों के बीच जीवित है।

शाम ढलते ही सीनियर्स की पूरी फौज हॉस्टल पहुंच गई। परिचय का पहला दिन था। अलग-अलग वर्षों के सीनियर्स के लिए अलग-अलग तरह से अभिवादन करना होता था। कहीं 90 डिग्री, कहीं 120 डिग्री और फाइनल ईयर के लिए पूरा साष्टांग प्रणाम। कॉलेज का परिचय गीत, बोलने का तरीका सब कुछ नया और रोमांचक था। राहत इस बात की थी कि यह सब मौज-मस्ती तक सीमित रहा, कोई प्रताड़ना जैसी घटना नहीं हुई। इन्हीं सीनियर्स में से कुछ से ऐसे गहरे रिश्ते बने, जो 27 साल बाद भी कायम हैं। इंजीनियरिंग के चार सालों में हमने सिर्फ तकनीकी शिक्षा ही नहीं सीखी, बल्कि लोगों से जुड़ना, परिस्थितियों के अनुसार ढलना, नेतृत्व करना और खुद को समझना भी सीखा। कॉलेज के पहले दिन जीवन का जो मूलमंत्र मिला, वह आज भी हर मोड़ पर काम आता है।

करंट अफेयर्स
- हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की जनवरी 2026 में भारत यात्रा के दौरान भारत और UAE के बीच एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक ऊर्जा समझौता संपन्न हुआ। इस समझौते के तहत UAE भारत को हर वर्ष 0.5 मिलियन मीट्रिक टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) की आपूर्ति करेगा। इस करार के बाद UAE, कतर के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा LNG आपूर्तिकर्ता बन गया है, जिससे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं। इसके अलावा दोनों देशों ने वर्ष 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 200 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर सहमति व्यक्त की।
- हाल ही में जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन एक गहराते जनसांख्यिकीय संकट का सामना कर रहा है। वर्ष 2025 में चीन की जनसंख्या में लगातार चौथे वर्ष गिरावट दर्ज की गई, जबकि सरकार परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और नीतिगत उपाय लागू कर रही है।
- बीती 17 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ किया है, जो कोलकाता (हावड़ा) को गुवाहाटी (कामाख्या) से जोड़ती है। इस ट्रेन को पश्चिम बंगाल के मालदा से हरी झंडी दिखाई गई। यह ओवरनाइट सेमी-हाई-स्पीड सेवा आधुनिक रेल यात्रा के एक नए चरण की शुरुआत है और पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत के बीच लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी।
- भारत ने अपनी विदेश नीति को सशक्त करने की दिशा में हाल ही में दो महत्वपूर्ण राजनयिक नियुक्तियों की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय ने वरिष्ठ भारतीय विदेश सेवा (IFS) अधिकारियों मुआनपुई सायावी और अमित कुमार मिश्रा को क्रमशः न्यूजीलैंड में भारत का अगला उच्चायुक्त और जॉर्जिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है। ये नियुक्तियां विभिन्न क्षेत्रों में भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों को दर्शाती हैं।

नोटिस बोर्ड
- रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार 23 जनवरी को वसंत पंचमी के अवसर पर अवकाश घोषित होने के चलते विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में बीए पंचम सेमेस्टर (मुख्य एवं बैक) की अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा की तिथि में संशोधन किया गया है। 23 जनवरी को प्रस्तावित परीक्षा अब 2 फरवरी को आयोजित की जाएगी। शेष परीक्षा कार्यक्रम पूर्व निर्धारित तिथियों के अनुसार ही रहेगा।
- उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा सहारनपुर की गिल कॉलोनी में 28 जनवरी को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले के अंतर्गत संविदा के आधार पर परिचालकों की भर्ती की जाएगी। उक्त रोजगार मेले में संविदा पर चालकों के आबद्धीकरण हेतु आर्हताएं पूर्वत : (न्यूनतम कक्षा 8 पास लंबाई न्यूनतम 5 फुट 3 इंच, भारी वाहन चलाने का लाइसेंस अवधि न्यूनतम 02 वर्ष पुराना, न्यूनतम 23 वर्ष 06 माह और कार्य करने की अधिकतम आयु 60 वर्ष) ही रहेगी।

ड्रोन प्रोग्रामिंग : टेक्नोलॉजी में रोजगार का नया रास्ता

तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में आज ड्रोन केवल उड़ने वाली मशीन नहीं रह गए हैं। इन्हें प्रोग्राम करना, ऑटोमेट करना और अलग-अलग कामों के लिए तैयार करना एक नई और अहम स्किल बन चुकी है। यही वजह है कि 12 वीं के बाद टेक्नोलॉजी में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स एक उभरता हुआ विकल्प बनकर सामने आया है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

क्या है ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स
ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स में यह सिखाया जाता है कि ड्रोन को कोड के जरिए कैसे नियंत्रित किया जाए? ड्रोन किस दिशा में उड़ान भरे, कितनी ऊंचाई पर जाए, कैमरा कब एक्टिव हो और सेंसर से मिलने वाला डेटा कैसे इस्तेमाल किया जाए। ये सभी काम प्रोग्रामिंग से तय होते हैं। इस कोर्स में Python, C++, ROS और मिशन प्लानर जैसे सॉफ्टवेयर और टूल्स की ट्रेनिंग दी जाती है। आसान शब्दों में कहें, तो यह कोर्स ड्रोन उड़ाने से ज्यादा, उसे सोचने और निर्देश समझने की क्षमता देता है।

कौन कर सकता है यह कोर्स
ड्रोन प्रोग्रामिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे 12 वीं पास छात्र भी कर सकते हैं। साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई करने वालों को इसमें थोड़ी बढ़त मिलती है, लेकिन आर्ट्स और कॉमर्स के छात्र भी बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान के साथ इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिन युवाओं को टेक्नोलॉजी, मशीनों और नई चीजें सीखने में रुचि हैं, उनके लिए यह कोर्स खास तौर पर उपयुक्त माना जाता है।

क्या-क्या सिखाया जाता है कोर्स में
ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स पूरी तरह प्रैक्टिकल आधारित होता है। इसमें ड्रोन हार्डवेयर की बुनियादी जानकारी, फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम, ऑटोमेटेड मिशन प्लानिंग, GPS और सेंसर प्रोग्रामिंग, कैमरा और डेटा प्रोसेसिंग, लाइव प्रोजेक्ट और फील्ड ट्रेनिंग जैसी स्किल्स पर फोकस किया जाता है, जिससे छात्र इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सकें।

जॉब और कमाई के अवसर
इस कोर्स के बाद रोजगार के कई विकल्प खुलते हैं। युवा ड्रोन प्रोग्रामर, ड्रोन ऑपरेटर, UAV इंजीनियर, ड्रोन मैपिंग स्पेशलिस्ट, सर्वे इंजीनियर या ड्रोन टेक्नीशियन के रूप में काम कर सकते हैं। शुरुआत में 25 से 50 हजार रुपये तक मासिक आय संभव है। अनुभव बढ़ने पर यही कमाई से 2 लाख रुपये प्रति माह तक पहुंच सकती है। फ्रीलांस और प्रोजेक्ट आधारित काम में इससे भी अधिक कमाई के अवसर मिलते हैं।

भविष्य के लिहाज से अहम
ड्रोन टेक्नोलॉजी को खेती, पुलिस, सर्वे, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिल्म इंडस्ट्री, डिलीवरी और स्मार्ट सिटी जैसे कई क्षेत्रों में तेजी से अपनाया जा रहा है। आने वाले समय में ड्रोन एक्सपर्ट्स की मांग और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स युवाओं के लिए न केवल नई तकनीक सीखने का अवसर है, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत और आधुनिक करियर की नींव भी रखता है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	81,909.63	25,157.50
गिरावट	270.84	75.00
प्रतिशत में	0.33	0.30

सोना 1,57,697 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,33,900 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार, 22 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

अटल पेंशन योजना 2030-31 तक जारी रखने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सरकार की प्रमुख अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने को बुधवार को मंजूरी दे दी। इसके साथ प्रचार, विकासात्मक गतिविधियों और गैप फंडिंग के लिए वित्तीय सहायता के विस्तार को भी स्वीकृति दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, असंगठित क्षेत्र के कामगारों के बीच पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता एवं क्षमता निर्माण जैसी गतिविधियों को सरकारी समर्थन मिलता रहेगा।

दीपिंदर गोयल छोड़ेंगे इटर्नल के समूह सीईओ-एमडी के पद

नई दिल्ली। जोमैटो और ब्लिंकिट का संचालन करने वाली इटर्नल ने बुधवार को कहा कि दीपिंदर गोयल समूह के सीईओ और एमडी का पद छोड़ेंगे। उनकी जगह ब्लिंकिट के सीईओ अलबिंदर ढींडसा एक फरवरी से समूह के नए सीईओ के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे। शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में गोयल ने कहा कि वह नए विचारों पर काम करने के लिए अपने वर्तमान पद से हट रहे हैं और अब वाइस-चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे। इटर्नल ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि बोर्ड में वाइस चेयरमैन और निदेशक के रूप में गोयल की नियुक्ति पांच साल के कार्यकाल के लिए होगी।

नवी मुंबई हवाई अड्डे पर नेटवर्क स्थापना की ट्राई कर रहा जांच

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई अदाणी समूह-समर्थित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास दूरसंचार नेटवर्क तैनात करने के लिए दूरसंचार कंपनियों को पेश आ रही मूल्य-निर्धारण संबंधी समस्या की जांच कर रहा है। एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों के निकाय सीओएआई ने इस मुद्दे पर नियामक से हस्तक्षेप की मांग की है।

अदाणी समूह ने दावोस में पेश की भारत के लिए 66 अरब डॉलर के निवेश की योजना

विमानन, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी अवसंरचना, डिजिटल मंचों और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश का लक्ष्य

दावोस, एजेंसी

अदाणी समूह ने विमानन, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी अवसंरचना, डिजिटल मंचों और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में 66 अरब डॉलर के निवेश की रूपरेखा पेश की है जो भारत की वृद्धि प्राथमिकताओं के अनुरूप निजी पूंजी के बड़े पैमाने पर निवेश के नए चरण का संकेत है। अपनी योजनाएं प्रस्तुत करते हुए समूह ने कहा कि यह निवेश महाराष्ट्र, असम और झारखंड में किया जाएगा।

दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक में समूह ने असम में गुवाहाटी के लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को केंद्र में रखते हुए विमानन एवं वैमानिकी परिवेश के विस्तार की जानकारी दी। इसका परिचालन अगले महीने शुरू होने की उम्मीद है। योजनाओं में आतिथ्य एवं खुदरा अवसंरचना, ''लेवल-डी फुल-फ्लाइट सिमुलेटर'' के साथ विमानन प्रशिक्षण अकादमी तथा चौड़े व संकीर्ण विमानों के लिए रखरखाव, मरम्मत (एमआरओ) सुविधाएं शामिल हैं। इससे गुवाहाटी को पूर्वोत्तर के लिए क्षेत्रीय विमानन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। समूह ने असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की भी घोषणा की जिनसे 2,700 मेगावाट से अधिक सौर क्षमता जुड़ेगी। इसके पूरक निवेशों में सीमेंट विनिर्माण एवं 'ग्राइंडिंग' इकाइयां शामिल हैं जिनका उद्देश्य पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत में निर्माण आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना है।

महाराष्ट्र में अदाणी समूह के प्रस्तावित निवेश शहरी पुनर्विकास, डिजिटल अवसंरचना और अगली पीढ़ी की ऊर्जा प्रणालियों पर केंद्रित हैं। इनमें मुंबई की धारावी पुनर्विकास परियोजना, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तथा इससे जुड़े लॉजिस्टिक्स, वाणिज्यिक एवं आतिथ्य परिवेश शामिल है।

भारत के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दावोस में जमाया डेरा

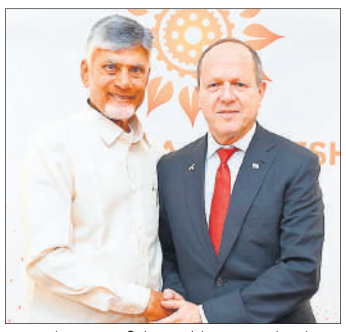

दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी।

तेलंगाना ने रखा 25 अरब डॉलर निवेश का लक्ष्य

तेलंगाना सरकार ने अपनी जीवन विज्ञान के लिए अगली पीढ़ी की नीति 2026-30 के तहत वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र में 25 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करने और पांच लाख नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। दावोस में जारी डब्ल्यूईएफ की बैठक के दौरान बुधवार को अलग से इस नीति को पेश किया गया। इस नीति के माध्यम से तेलंगाना का लक्ष्य दुनिया के शीर्ष तीन जीवन विज्ञान केंद्रों में शामिल होना है। दुनिया भर के कुल टीके का एक-तिहाई हिस्सा अकेले तेलंगाना में बनाया जाता है जहां 2,000 से अधिक जीवन विज्ञान से जुड़ी कंपनियां काम कर रही हैं। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए इस नीति के तहत निवेशकों को कई रियायतें दी गई हैं। इनमें बिक्री और पट्टे पर स्टांप शुल्क तथा हस्तांतरण शुल्क की शत-प्रतिशत वापसी, बिजली सब्सिडी और औद्योगिक पार्क में जमीन की लागत पर 25 प्रतिशत छूट शामिल है। इसके अलावा, वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की तारीख से पांच साल तक शुद्ध एसजीएसटी की पूरी वापसी का भी प्रावधान है।

फडणवीस ने 15 लाख करोड़ के समझौतों पर किए साइन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावोस में राज्य के लिए 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनके जरिए 13 लाख लोगों को रोजगार का दावा किया गया है। महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा के मीडिया सेल प्रमुख नवनाथ बान ने कहा कि विदेशी निवेश लाने के लिए कौशल की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री ने दावोस दौरे के दौरान विदेशी निवेश को महाराष्ट्र में लाने के लिए कड़ी मेहनत की है।

रुपये को तगड़ा झटका, 67 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 91.64 पर आकर गिरा

मुंबई, एजेंसी

• वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता ने भारतीय मुद्रा को अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचाया

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बुधवार को 67 पैसे लुढ़ककर अब तक के सबसे निचले स्तर 91.64 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों के जोखिम लेने से बचने के कारण लगातार पूंजी निकासी की गई, जिससे रुपया और धराशायी हो गया।

इससे पहले रुपया 16 दिसंबर 2025 को 91.14 के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा था। इस महीने अब तक रुपये में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई है जिसका कारण बढ़ती भूराजनीतिक अनिश्चितता को बताया जा रहा है। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.05 पर खुला और डॉलर के मुकाबले 91.74 के कारोबार के निचले स्तर पर आ गया। कारोबार के अंत में रुपया 91.64 के सर्वकालिक निम्न स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 67 पैसे कम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार के मुताबिक 21 नवंबर 2025 के बाद यह एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है।

शेयर बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स 82,000 के नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 271 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 75 अंक की गिरावट रही। डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी और वित्तीय, बैंकिंग एवं उपभोग से जुड़े शेयरों में बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक भारी उतार-चढ़ाव के बाद 270.84 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,056.02 अंक टूटकर 81,124.45 तक आ गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 75 अंक यानी 0.30 प्रतिशत फिसलकर 25,157.50 अंक पर बंद हुआ।

आईएलएंडएफएस के निदेशकों पर अभी कार्रवाई नहीं

• एनसीएलएटी ने बढ़ाया संरक्षण बैंकों को किसी भी कार्रवाई से पहले पूर्वानुमति लेने का आदेश

नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने कर्ज में डूबे समूह आईएलएंडएफएस के नए निदेशक मंडल में शामिल पेशेवर निदेशकों को बैंकों द्वारा इरादतन चूककर्ता घोषित किए जाने से दी गई संरक्षण अवधि को आगे बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने एक फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि बैंक नए बोर्ड के पेशेवर निदेशकों के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई से पहले एनसीएलएटी से अनुमति लेंगे।

अपीलीय न्यायाधिकरण के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो-सदस्यीय पीठ ने कहा, चार अप्रैल, 2025 को पारित आदेश अब भी प्रभावी है और 15 अक्टूबर, 2018 के आदेश के तहत दिए गए निर्देश नए बोर्ड में पुनर्नियुक्त पेशेवर निदेशकों पर भी लागू होंगे। चार अप्रैल 2025 के आदेश में सरकार द्वारा गठित नए बोर्ड के निदेशकों को बैंकों की ओर से अभियोजन से संरक्षण दिया गया था। हालांकि उस आदेश में केनरा बैंक और इंडियन बैंक को आईएलएंडएफएस के पूर्व निदेशकों के खिलाफ इरादतन चूककर्ता घोषित करने की कार्यवाही आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई थी, जो नए बोर्ड का हिस्सा नहीं हैं।

कीटनाशकों के ई-कॉमर्स के लिए कड़े कानून बनें

नई दिल्ली, एजेंसी

• नकली उत्पादों से किसानों को बचाने के लिए क्रॉपलाइफ की मांग

कीटनाशक बनाने वाली 17 बड़ी कंपनियों के संगठन 'क्रॉपलाइफ इंडिया' ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इनकी बिक्री के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की है ताकि घटिया या नकली उत्पादों से किसानों को संभावित नुकसान की स्थिति में जवाबदेही तय की जा सके।

क्रॉपलाइफ इंडिया के अध्यक्ष और क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के कार्यकारी अध्यक्ष एवं एमडी अंकुर अग्रवाल ने बुधवार को यहां ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर फसलों की सुरक्षा संबंधी उत्पादों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन से इतर कहा कि मौजूदा समय में कीटनाशकों का विनियमन इनसेक्टिसाइड्स एक्ट, 1968 के तहत होता है। सरकार ने साल 2022 में इसमें संशोधन कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आम उत्पादों की तरह कीटनाशकों की बिक्री के लिए भी अनुमति दी थी। अब सरकार पेस्टिसाइड मैनेजमेंट विधेयक लाने की तैयारी कर रही है जिसका प्रारूप तैयार हो चुका है। सरकार ने संगठन से 4 फरवरी तक अपने सुझाव सौंपने के लिए कहा है।

अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह विक्रेता को लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के लिए भी लाइसेंस अनिवार्य किया जानी चाहिए। वर्तमान में यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं है कि ऑनलाइन बिक रहा पेस्टिसाइड असली है या नकली। उन्होंने कहा कि यदि कोई कंपनी बिना लाइसेंस के कीटनाशक बेच रही है तो उस पर भी नकली उत्पाद की तरह ही कार्रवाई होनी चाहिए।

कर्नाटक राज्यपाल भी विधानमंडल के संयुक्त सत्र में नहीं देंगे अभिभाषण

तमिलनाडु-केरल के बाद कर्नाटक की राजनीति भी गर्म, सरकार करेगी राज्यपाल से बात

बेंगलुरु, एजेंसी

• सरकार ने अभिभाषण में शामिल किए हैं केंद्र से संबंधित संदर्भ

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 22 जनवरी को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इन्कार कर दिया है। गहलोत के इस फैसले के बाद सरकार ने उनसे मुलाकात करने का निर्णय लिया है। इस इन्कार का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, बताया जा रहा है कि अभिभाषण में केंद्र सरकार के संदर्भ के कारण गहलोत ने संबोधन करने से इन्कार किया है। एक दिन पहले कर्नाटक की तरह गैर भाजपा शासित केरल और तमिलनाडु के राज्यपालों के विधानसभा में दिए गए अभिभाषणों पर विवाद खड़ा हो गया था।

राज्य के विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल के नेतृत्व में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में राज्यपाल से मुलाकात करने के लिए लोक भवन जाएगा। विधि मंत्री के कार्यालय ने एक बयान में कहा, कल राज्यपाल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इन्कार करने के बाद विधि मंत्री की अगुवाई में शाम 5:45 बजे एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल राज भवन जाएगा। मंगलवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि वर्ष के पहले सत्र के पहले दिन यह कहते हुए विधानसभा में अपना पारंपरिक अभिभाषण दिए बिना सदन से बाहर चले गए थे कि अभिभाषण के पाठ में गलतियां थीं। इसी तरह, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने अपने भाषण के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया था, हालांकि लोक भवन का दावा है कि राज्यपाल के सुझावों को अभिभाषण के मूल मसौदे से हटा दिया गया था। कर्नाटक विधानसभा का संयुक्त सत्र 22 जनवरी को शुरू होगा। 31 जनवरी तक चलने वाले इस सत्र की शुरुआत बृहस्पतिवार को राज्यपाल गहलोत के परंपरागत अभिभाषण से होनी थी।

मनरेगा को रद्द करने पर केंद्र के खिलाफ प्रस्ताव लाने की योजना बनी रही है कर्नाटक सरकार

केंद्र की ओर से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने समेत कई मुद्दों पर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा-जद (एस) गठबंधन के बीच टकराव की संभावना के चलते सत्र के हंगामेदार रहने की आशंका है। सत्तारूढ़ कांग्रेस केंद्र में भाजपा-नीत राजग सरकार के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करने की योजना बना रही है, जिसमें मनरेगा को रद्द करने पर आपत्ति जताते हुए इसे बहाल करने की मांग की जाएगी। साथ ही नए विकसित भारत-रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को रद्द करने की भी मांग की जाएगी।

सुखना को और कितना सुखाएंगे बिल्डर, माफिया और नौकरशाह

नई दिल्ली, एजेंसी

• सीजेआई ने चंडीगढ़ की झील की हालत चिंता जताते हुए की टिप्पणी

सीजेआई सूर्यकांत ने बिल्डर, माफिया और नौकरशाहों के गठजोड़ के कारण चंडीगढ़ की प्रसिद्ध झील के सूखने पर चिंता जताते हुए बुधवार को टिप्पणी की कि सुखना झील को और कितना सुखाओगे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ 1995 में लंबित जनहित याचिका 'इन रे: टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद' में दायर अंतरिम आवेदनों की सुनवाई कर रही थी।

सीजेआई सूर्यकांत ने एक अधिवक्ता की ओर से झील से संबंधित याचिका का उल्लेख करने पर मौखिक टिप्पणी की, पंजाब में राजनीतिक दलों के समर्थन और नौकरशाहों की मिलीभगत से अवैध निर्माण हो रहे हैं, जिसके कारण झील पूरी तरह नष्ट हो रही है। वहां सभी बिल्डर माफिया सक्रिय हैं। इससे पहले शीर्ष अदालत ने आश्चर्य जताया था कि जंगलों और झीलों से संबंधित सभी मामले उच्च न्यायालयों को दरकिनार करते हुए उच्चतम न्यायालय में क्यों आ रहे हैं, वह भी 1995 की लंबित जनहित याचिका में अंतरिम आवेदनों के रूप में।

सीजेआई ने सुखना झील मामले से संबंधित एक आवेदन का जिक्र करते हुए कहा था कि जाहिर तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ निजी डेवलपर्स और अन्य लोगों के इशारे पर दोस्ताना मुकाबला चल रहा है। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और वन मामले में न्यायमित्र की भूमिका निभा रहे वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्वर से उन स्थानीय मुद्दों के बारे में जानकारी देने को कहा था, जिनसे उच्च न्यायालय स्वयं निपट सकते हैं। चंडीगढ़ की सुखना झील से संबंधित मुकदमा मुख्य रूप से उच्च न्यायालय द्वारा इसके जलग्रहण क्षेत्र को अतिक्रमण से बचाने के प्रयासों से जुड़ा है, जिसमें 2020 में संरक्षित क्षेत्र में बनी संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया गया था।

कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री पर समाज में अंधविश्वास फैलाने का आरोप, पुलिस से शिकायत

भोपाल। दलित पिछड़ा समाज संगठन ने कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। आरोप लगाया है कि धीरेंद्र शास्त्री अंधविश्वास फैलाकर लोगों को मेडिकल साइंस से दूर कर रहे हैं। उनके झूठे इलाज के प्रचार के कारण कई लोगों की जान खतरे में आ रही है।

दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव ने बताया कि संगठन ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और भोपाल पुलिस कमिश्नर को वीडियो सबूत के साथ लिखित शिकायत सौंपी है। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री सांप्रदायिकता और छुआछूत को बढ़ावा दे रहे हैं और समाज में भय और हिंसा फैलाने वाले बयान दे रहे हैं। यादव ने चेतावनी दी कि अगर पुलिस दो दिन के भीतर कार्रवाई नहीं करती है तो संगठन हाईकोर्ट जबलपुर के माध्यम से धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ कार्रवाई कराने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि संगठन की मांग है कि धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच हो, ताकि समाज में फैल रहे अंधविश्वास, हिंसा और भय पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

जांच में फेल हुए रेबीहांस हर्बल के सभी कफ सिरप, एफआईआर

इंदौर। छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद सामने आए सिरप कांड का असर अब इंदौर जिले तक पहुंच गया है। इंदौर के सांवेर क्षेत्र में सील की गई आयुर्वेदिक ड्रग कंपनी के सभी आयुर्वेदिक सिरप सैंपल जांच में फेल हो गए हैं। जिला प्रशासन ने फैक्ट्री मालिक पर सांवेर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

यह मामला सांवेर क्षेत्र के ग्राम धरमपुरी स्थित मेसर्स रेबीहांस हर्बल प्राइवेट लिमिटेड का है। छिंदवाड़ा सिरप कांड के बाद 18 दिसंबर 2025 को इंदौर जिला प्रशासन ने आयुष विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई की थी। आयुष विभाग प्रभारी डॉ. हंसा बारिया के निर्देशन में की गई जांच के दौरान फैक्ट्री से आयुर्वेदिक सिरप के आठ उत्पादों के सैंपल लेकर शासकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला आमखो ग्वालियर भेजे गए थे। रिपोर्ट में सभी सैंपल निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। जांच में यह भी सामने आया कि फैक्ट्री में सिरप निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का गंभीर रूप से उल्लंघन किया जा रहा था। मौके पर न तो कोई प्रयोगशाला पाई गई और न ही दवा निर्माण से जुड़े आवश्यक कंपोनेंट्स और दस्तावेज उपलब्ध थे।

सड़क हादसे में मृत युवक के माता पिता को 23.45 लाख का मुआवजा

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2021 में तेज रफ्तार ट्रक से हुई सड़क दुर्घटना में मारे गए 18 वर्षीय एक सेल्समैन के माता-पिता को 23.45 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

एमएसीटी की अध्यक्ष सदस्य रूपाली वी. मोहिते ने अपने आदेश में कहा कि ट्रक चालक के पास दुर्घटना को टालने का अंतिम अवसर था, लेकिन वह वाहन की गति नियंत्रित नहीं कर सका जिसके कारण टक्कर हुई। टक्कर के बाद चालक मौके से फरार हो गया था। न्यायाधिकरण ने पाया कि हादसे के समय ट्रक चालक के पास वैध परिवहन लाइसेंस नहीं था, जो बीमा शर्तों का जानबूझकर उल्लंघन है।

डिप्टी सीएम की टिप्पणियां हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाली

मदुरै, एजेंसी

• मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए की टिप्पणी, अमित मालवीय के खिलाफ प्राथमिकी रद्द

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने भाजपा के नेता अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज उस प्राथमिकी को रद्द कर दिया है जिसमें उन पर 'सनातन धर्म' को लेकर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति एस. श्रीमती ने कहा कि उदयनिधि की टिप्पणियां नफरत फैलाने वाले भाषण के समान थीं और इस पर सवाल उठाना एक प्रतिक्रिया थी।

फैसले में न्यायमूर्ति श्रीमती ने कहा, समग्र रूप से विचार करने पर मंत्री का भाषण स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यह पूरी तरह से 80 प्रतिशत हिंदुओं के खिलाफ है, जो नफरत फैलाने वाले भाषण की श्रेणी में आता है। फैसले में कहा गया है, यह न्यायालय दुख के साथ इस व्यापक स्थिति को दर्ज करता है कि नफरत फैलाने वाले भाषण देने की शुरुआत करने वाले व्यक्ति को बिना किसी सजा के छोड़ दिया जाता है, लेकिन नफरत फैलाने वाले भाषण पर प्रतिक्रिया देने वाले व्यक्ति को कानून का सामना करना पड़ता है। न्यायालय प्रतिक्रिया देने वाले व्यक्तियों से भी पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन नफरत फैलाने वाले भाषण देने की शुरुआत करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानून को लागू नहीं कर रहे हैं। नफरत फैलाने वाले भाषण के लिए मंत्री के खिलाफ राज्य में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन अन्य राज्यों में कुछ मामले दर्ज किए गए हैं।

राजग में लौटी दिनाकरन की पार्टी एएमएमके

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाली अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) बुधवार को फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई। एएमएमके कुछ महीने पहले अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन पर धोखेबाजी का आरोप लगाकर गठबंधन से बाहर निकल गई थी।

अन्नाद्रमुक में काफी समय से जारी कई विवादों के बाद अब इस विवाद के शांत होने के संकेत दिख रहे हैं। इसी के तहत पार्टी प्रमुख ईके पलानीस्वामी ने दिनाकरन का राजग में स्वागत किया। एएमएमके के संस्थापक ने भी दिल से धन्यवाद कहा, लेकिन यह भी स्वीकार किया कि अन्नाद्रमुक और उनके बीच भाइयों के जैसी लड़ाई थी। दिनाकरन पहले अन्नाद्रमुक में भी रह चुके हैं।

कर्नाटक: भगवा झंडा उठाने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग

उडुपी। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने यहां धार्मिक कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त टी के स्वरूपा के भगवा झंडा उठाने पर आपत्ति जताते हुए उन पर कार्रवाई की मांग की है। स्वरूपा ने कहा है कि वह आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुई थीं और उनकी भागीदारी किसी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं थी।

जिला कांग्रेस कमेटी के कानूनी और मानवाधिकार प्रकोष्ठ ने 18 जनवरी को पर्याय यात्रा की शुरुआत के दौरान भगवा झंडा उठाने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखकर स्वरूपा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। सोमवार को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उडुपी जिला कांग्रेस कमेटी के कानूनी और मानवाधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हरीश शेट्टी ने कहा था कि 18 जनवरी की सुबह जोदु कट्टे से कृष्णा मठ तक यात्रा की शुरुआत से पहले उडुपी भाजपा विधायक यशपाल सुवर्णा ने आरएसएस का झंडा डीसी को दिया, जिसे उन्होंने सार्वजनिक रूप से उठाया और लहराया। उन्होंने कहा कि अधिकारी के सेवा नियमों के खिलाफ उपायुक्त का यह व्यवहार अस्वीकार्य है, संविधान में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के भी विरुद्ध है।

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली समेत कई शहरों में हाई अलर्ट

- आतंकी हमलों के मद्देनजर खुफिया एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

गणतंत्र दिवस से पहले देश की खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों और बांग्लादेश स्थित आतंकवादी समूहों से संभावित खतरों के मद्देनजर हाई अलर्ट जारी किया है।

अलर्ट के मुताबिक दिल्ली और देश में कई अन्य प्रमुख शहर संभावित निशाने पर हो सकते हैं। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी तेज कर दी गई है। खुफिया सूत्रों से पता चला है कि पंजाब के कुछ गैंगस्टर कथित तौर पर खालिस्तानी और अन्य कट्टरपंथी विदेशी आकाओं के लिए 'फुट सोल्जर' के रूप में काम कर रहे हैं। आरोप है कि विदेश में बैठे ये आका देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने और अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए इन आपराधिक नेटवर्कों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में सक्रिय हैं।

सूत्रों का कहना है कि इन नेटवर्कों का उपयोग हथियारों की तस्करी, धन और रसद सहायता उपलब्ध कराने जैसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा सकता है। इसे देखते हुए दिल्ली और अन्य महानगरों में सुरक्षा सख्त की जा रही है।

शेख हसीना के खिलाफ नौ फरवरी को होगी सुनवाई

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले में आरोप तय करने के लिए अगली सुनवाई की तारीख नौ फरवरी निर्धारित की। यह मामला उन आरोपों से जुड़ा है कि दिसंबर 2024 में हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक समूह की ऑनलाइन बैठक में हिस्सा लिया था, जहां मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गिराने की कथित तौर पर साजिश रची गई। ढाका की विशेष अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुस सलाम ने इस संबंध में बचाव पक्ष की याचिकाओं में आदेश पारित किया।

व्यवस्था की डूबती संवेदनशीलता

नोएडा जैसे आधुनिक शहर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से हुई मौत केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि शहरी नियोजन और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की विफलता का प्रतीक है। इंजीनियर की जान बचाने के लिए फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचती हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव का हवाला देकर किनारे खड़ी रहती हैं, आधुनिकता के दावों पर यह गहरा तमाचा है। यह घटना दर्शाती है कि हमारे सुरक्षा बल आज भी बुनियादी उपकरणों, जैसे कि डाइविंग सूट, अंडरवाटर लाइट और त्वरित बचाव नौकाओं के लिए तरस रहे हैं। सेक्टर-स्तर पर तैनात फायरकर्मियों को अक्सर केवल आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि शहरी बाढ़ या गहरे गड्ढों में बचाव के लिए उनके पास न तो विशेषज्ञता है और न ही उपकरण।

नोएडा हादसा

कहां हुई चूक

- प्रशासनिक लापरवाही : निर्माणाधीन क्षेत्र या खुले गड्ढों को ढकने और वहां चेतावनी बोर्ड लगाने में प्राधिकरण विफल रहा।
- संसाधनों का अभाव : फायरकर्मी और स्थानीय पुलिस सबसे पहले पहुँचते हैं, लेकिन उनके पास पानी में उतरने के लिए आवश्यक वेट सूट या स्कूबा गियर नहीं थे।
- प्रतिक्रिया समय : एसडीआरएफ की टीम को पहुंचने में घंटों लग गए, शुरुआती गोल्डन ऑवर में स्थानीय बल मूकदर्शक बने रहे।

संसाधन-प्रशिक्षण

- फायर ब्रिगेड : वर्तमान में अधिकांश फायर स्टेशनों के पास केवल आग बुझाने की गाड़ियां, सीढ़ियां और कुछ मात्रा में रस्सियां होती हैं। जल बचाव के लिए इन्फ्लेटेबल बोट्स या सोनार डिवाइस जिला स्तर पर बहुत कम हैं।
- प्रशिक्षण : इनका मुख्य प्रशिक्षण फायर फाइटिंग पर केंद्रित है। गोताखोरी इनके नियमित प्रशिक्षण का हिस्सा नहीं है।

केवल टैक्स लेने तक जिम्मेदारी नहीं

- राज्य की जिम्मेदारी केवल टैक्स वसूलने और कंक्रीट के जंगल खड़े करने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका प्राथमिक दायित्व है। इस मामले में जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन इकाइयों के बीच समन्वय की भारी कमी दिखी। यदि समय रहते गड्ढे की घेराबंदी की गई होती या बचाव दल के पास एक साधारण लाइफ-जैकेट और ऑक्सीजन सिलेंडर होता, तो शायद आज एक नागरिक और होनहार इंजीनियर जीवित होता। यह घटना पूरी व्यवस्था की खामियों को उजागर करती है। ऐसा नहीं है कि यह देश या प्रदेश की इस तरह की पहली धटना है लेकिन सरकारों या जिम्मेदारों ने इन घटनाओं से निपटने की कोईसीख नहीं ली।

राज्य की जवाबदेही

- सुरक्षा मानक : नगर निकायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी गड्ढा खुला न रहे। नोएडा प्राधिकरण जैसे संस्थानों पर भारी जुर्माना और जवाबदेही तय होनी चाहिए।
- बजट आवंटन : आपदा प्रबंधन बलों को आधुनिक उपकरणों (जैसे ड्रोन, थर्मल सेंसर और अंडरवाटर कैमरा) से लैस करने के लिए पर्याप्त फंड देना।
- जवाबदेही : लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा चलना चाहिए।

जब तंत्र फेल हुआ

- मुंबई (2017) : प्रसिद्ध डॉक्टर दीपक अमरापुरकर की खुले मैनहोल में गिरने से मौत।
- गुरुग्राम (2023) : बारिश के पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौतें।
- दिल्ली (2024) : कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से छात्रों की मौत।

वर्ल्ड ब्रीफ

जापान में परमाणु संयंत्र फिर चालू होगा

तोक्यो। जापान में 2011 में हुएफुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद दुनिया के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र का संचालन बुधवार को फिर से शुरू हो जाएगा। जापान बिजली की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। काशीवाजाकी-कारिवा परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर में ऊर्जा उत्पादन की शुरुआती प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका संचालन तोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स (टीईपीसीओ) कर रही है। यह वही कंपनी है जो क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र का भी संचालन करती है।

आईएस के बड़े शिविर पर नियंत्रण किया

अल-होल। सीरिया की सरकारी सेना ने बुधवार को उत्तर-पूर्वी सीरिया में एक बड़े शिविर पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया जिसमें इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े हजारों लोग रह रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार और कुर्द लड़ाकों के बीच समझौता हो गया है। सरकारी सेना और कुर्द लड़ाकों के बीच दो हफ्ते तक चली झड़पों के बाद, बुधवार को सरकारी सैनिकों को ले जा रहीं बख्तरबंद गाड़ियों का एक काफिला अल-होल शिविर में पहुंचा। कुर्द लड़ाके उस जमीन का एक बड़ा हिस्सा खो चुके थे जिस पर उनका सालों से नियंत्रण था।

37 तस्करों को अमेरिका को सौंपा

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री ने कहा कि उनके देश ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोहों के 37 और सदस्यों को अमेरिका को सौंप दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ट्रंप प्रशासन सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले आपराधिक नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए सरकारों पर दबाव बढ़ा रहा है। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री उमर गार्सिया हारफुच ने एक्स पर कहा कि जिन लोगों को भेजा गया है, वे शातिर अपराधी थे और देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए थे।

श्रीनिवास राय का 83 वर्ष की उम्र में निधन

सिंगापुर। सिंगापुर में हिंदी सोसाइटी के संस्थापक सदस्य और गांधीवादी मूल्यों के पैरोकार श्रीनिवास राय का रविवार को उनके घर पर निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। संसद के पूर्व मनोनीत सदस्य राय 10 साल की उम्र में सिंगापुर आए थे और यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में कानून की पढ़ाई करने के बाद पांच दशक से ज्यादा समय तक विधिक क्षेत्र में काम किया।

संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती

राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत-संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है नवगठित बोर्ड ऑफ पीस

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र ने कभी भी अपनी क्षमता के अनुसार काम नहीं किया और यदि उसने प्रभावी भूमिका निभायी होती तो गाजा के लिए गठित बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही ना पड़ती। ट्रंप ने संकेत दिए कि नवगठित बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है जिसका उद्देश्य गाजा के पुनर्निर्माण में सहायता करना है।

ट्रंप से जब सवाल किया गया कि क्या वह चाहते हैं कि बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले तो ट्रंप ने कहा कि यह हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र बहुत मददगार साबित नहीं हुआ है। मैं संयुक्त राष्ट्र की क्षमताओं का बड़ा समर्थक हूं, लेकिन यह कभी अपनी पूरी क्षमता के अनुसार काम नहीं कर पाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ पर मंगलवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से रूबरू हुए और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। यह प्रेसवार्ता करीब 105 मिनट तक चली। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है और मुझे लगता है कि यह वाकई शानदार साबित होने जा रहा है। अगर संयुक्त राष्ट्र ने अधिक कदम उठाए होते तो शायद इसकी जरूरत नहीं होती। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले साल में आठ युद्धों को सुलझाया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने किसी भी युद्ध में उनकी मदद नहीं की। ट्रंप ने कहा कि मैं उन्हें दोष नहीं दे रहा हूं। मैंने उन्हें मदद के लिए फोन नहीं किया, लेकिन मैंने राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों को एक साथ बैठाया, हमने सख्ती से बात की, आपसी सहमति बनाई और वे मुझे पसंद करने लगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को उन सभी युद्धों को सुलझाना चाहिए था, जिन्हें मैंने सुलझाया। मैं उसका मदद के लिए कभी आह्वान नहीं किया। उन्हें वे प्रत्येक युद्ध सुलझाने चाहिए थे जो मैंने सुलझाया लेकिन उन्होंने वह नहीं किया। मेरा मानना है कि संयुक्त राष्ट्र को जारी रहने देना चाहिए, क्योंकि इसकी क्षमता बहुत अधिक है।

शांति बोर्ड में शामिल होने पर चीन को आपत्ति

बीजिंग। चीन ने गाजा के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित शांति बोर्ड में शामिल होने पर बुधवार को अपनी आपत्ति प्रकट की है और संयुक्त राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां कहा कि चीन हमेशा सच्चे बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध रहा है, और संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की मजबूती से रक्षा करेगा। गुओ ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हालात कैसे भी हों, चीन संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करेगा।

कई संगठनों से रहे हैं संयुक्त राष्ट्र के संबंध

वहीं इस पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र हमेशा कई संगठनों के साथ सह-अस्तित्व में रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने सोमवार को कहा कि दुनिया भर में क्षेत्रीय संगठन, उप-क्षेत्रीय संगठन और विभिन्न रक्षा गठबंधन मौजूद हैं। इनमें से कुछ के साथ हमारे संबंध भी हैं। हक ने कहा कि कुछ संगठनों के साथ हमारे ऐसे संबंध नहीं हैं। बोर्ड ऑफ पीस वास्तव में किस रूप में स्थापित होता है और उसका स्वरूप क्या होता है, यह देखने के बाद ही यह तय किया जा सकेगा कि उसके साथ हमारा किस तरह का संबंध होगा।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री आबे के हत्यारे को उम्रकैद

तोक्यो। जापान की एक अदालत ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या करने का अपराध कबूल करने वाले एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी और दक्षिण कोरिया के एक विवादास्पद चर्च के बीच दशकों पुराने करीबी संबंधों को उजागर किया। तेत्सुया यामागामी (45) ने पश्चिमी शहर नारा में जुलाई 2022 में चुनाव प्रचार के दौरान भाषण दे रहे आबे की हत्या किए जाने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। नारा जिला अदालत ने फैसले की पुष्टि की और अभियोजन पक्ष के अनुरोध के अनुसार यामागामी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

जापान के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल रहे आबे की 2022 में पश्चिमी शहर नारा में चुनाव प्रचार के दौरान हत्या की गई थी। उस समय वह प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद एक नियमित सांसद के रूप में काम कर रहे थे। कड़े बंदूक नियंत्रण वाले देश को इस घटना ने झकझोर दिया। यामागामी ने कहा कि उसने यूनिफिकेशन चर्च से संबद्ध एक समूह को भेजा गया आबे का वीडियो संदेश देखने के बाद उनकी हत्या की।

ऐसा हल निकालेंगे जिससे नाटो भी खुश और हम भी

- ग्रीनलैंड पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर पड़े नरम

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर मंगलवार को अपेक्षाकृत संयमित रुख अपनाया जो उनके एक दिन पहले दिए गए आक्रामक बयानों से अलग था। ट्रंप व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत की पहली वर्षगांठ के अवसर पर प्रेस प्रतिनिधियों से बात कर रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि डेनमार्क के अधीन आर्कटिक क्षेत्र ग्रीनलैंड को हासिल करने की उनकी कोशिश क्या विभाजन के जोखिम जैसी है, तो ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि हम ऐसा कोई समाधान निकाल लेंगे जिससे नाटो भी खुश होगा और हम भी खुश होंगे।

यह बयान सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री को भेजे गए ट्रंप के उस संदेश से अलग था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अब केवल शांति के दृष्टिकोण से सोचने के लिए बाध्य महसूस नहीं करते। हालांकि ट्रंप ने दोहराया कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में ग्रीनलैंड पर नियंत्रण आवश्यक है। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस सप्ताह पेरिस में यूरोपीय नेताओं की एक आपात बैठक बुलाने का आह्वान किया है, जिसमें ग्रीनलैंड को हासिल करने की ट्रंप की कोशिशों और शुल्क को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव पर चर्चा की जानी है। ट्रंप ने कहा कि वह इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। इसका एक कारण यह बताया कि मैक्रों अधिक समय तक अपने देश का नेतृत्व नहीं करेंगे। इस सप्ताह ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मैक्रों और नाटो महासचिव मार्क रुटे के निजी संदेश भी साझा किए थे।

डब्ल्यूईएफ के लिए दावोस रवाना हुए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड तनाव के बीच विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस रवाना हो गए हैं। इससे पहले उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद एयरफोर्स वन विमान में मामूली खराबी का पता चलने के बाद दूसरे विमान से एयर फ़ोर्स वन को जॉइंट बेस एंड्रयूज पर वापस लौटना पड़ा। व्हाइट हाउस रैपिड रिस्पांस टीम ने एक्स पर बताया कि उड़ान भरने के बाद एयर फ़ोर्स वन के चालक दल ने एक मामूली बिजली संबंधी समस्या की पहचान की। सावधानी बरतते हुए एयर फ़ोर्स वन को जॉइंट बेस एंड्रयूज वापस लौटना पड़ा। राष्ट्रपति और उनकी टीम दूसरे विमान से स्विट्जरलैंड की यात्रा जारी रखेंगे।

नेपाल चुनाव में चार पूर्व पीएम भी आजमाएंगे अपनी किस्मत

- पड़ोसी देश में इस साल पांच मार्च को होने वाले हैं आम चुनाव

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों के महीनों बाद पांच मार्च को कराए जा रहे आम चुनाव में चार पूर्व प्रधानमंत्री भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष और जेन-जी आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ने को मजबूर हुए के पी शर्मा ओली ने आगामी चुनाव के लिए झापा-5 सीट से नामांकन दाखिल किया है।

वहीं, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहाल 'प्रचंड' रुकुम पूर्व से किस्मत आजमा रहे हैं। दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के माधव कुमार नेपाल और प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट-1 और गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किया है। हालांकि, दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्री नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता झाला नाथ खनाल इस दौड़ में शामिल नहीं हैं।

नेपाल में जेन-जी युवाओं के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद ओली ने नौ सितंबर को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद देश में आम चुनाव आवश्यक हो गए थे।

चार मंत्रियों ने चुनाव लड़ने को पद त्यागा

नेपाल में सुशीला कार्की सरकार के चार मंत्रियों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा देकर पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया है। विज्ञान एवं शिक्षा मंत्री महाबीर पुन ने मंगलवार को पद छोड़ने के बाद म्याग्दी जिले से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। इससे पहले संचार मंत्री जगदीश खरेल और खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने मंत्री पदों से इस्तीफा दे दिया था। खरेल ने ललितपुर-2 क्षेत्र से जबकि गुप्ता ने सिराहा-1 निर्वाचन क्षेत्र से पर्चा भरा है। कुछ सप्ताह पहले ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्री कुलमान घीसिंग ने भी अपने पद से इस्तीफा देकर उज्यालो नेपाल पार्टी के अध्यक्ष के रूप में सक्रिय भूमिका निभाने का फैसला किया था।

द. कोरिया के पूर्व प्रधानमंत्री हान को 23 वर्ष की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया कि तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा 2024 में लागू किया गया मार्शल लॉ विद्रोह की श्रेणी में आता है। अदालत ने इस मामले में संलिप्तता के लिए यून के समय देश के प्रधानमंत्री रहे हान डक-सू को 23 साल की कारावास की सजा सुनाई। पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू, यून सरकार के पहले अधिकारी बन गए हैं, जिन्हें दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति यून द्वारा लगाए गए मार्शल लॉ से जुड़े विद्रोह के आरोपों में दोषी ठहराया गया। इस फैसले से राष्ट्रपति यून और उनके अन्य सहयोगियों के खिलाफ आने वाले फैसलों की दिशा तय होने की उम्मीद है।

अमेरिका को ईरान ने दी चेतावनी हमला हुआ तो देंगे कड़ा जवाब

- बढ़ते तनाव के बीच ईरान के विदेशमंत्री अराघची ने चेताया

दुबई, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अमेरिका के खिलाफ अब तक की सबसे सीधी और कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि यदि इस्लामिक गणराज्य पर दोबारा हमला हुआ तो वह अपने पास मौजूद हर ताकत से जवाब देगा। तेहरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के निर्ममतापूर्वक दमन के बाद बढ़ते तनाव के बीच अराघची ने यह बात कही है।

इस दमन के चलते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में उन्हें दिया गया निमंत्रण रद्द कर दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका के लड़ाकू विमान उपकरणों के साथ एशिया से पश्चिम एशिया की दिशा में बढ़ रहे हैं। वहीं, कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिका की एक बड़ी सैन्य तैनाती के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने के बीच, पश्चिम एशिया में अमेरिकी लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य उपकरणों की गतिविधियां भी बढ़ती दिख रही हैं।

अराघची ने यह चेतावनी द वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक लेख में दी। लेख में उन्होंने दावा किया कि अशांति का हिंसक चरण 72 घंटे से भी कम समय तक चला। उन्होंने हिंसा के लिए सशस्त्र प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया।

...तो ईरान का नामो निशान मिटा देंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या कराई तो अमेरिका ईरान का नामोनिशान मिटा देगा। ट्रंप ने न्यूजनेशन के कार्यक्रम केटी पॉवलिच टुनाइट को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मेरे बहुत सख्त निर्देश हैं कि अगर कुछ होता है, तो वे उन्हें नक्शे से मिटा देंगे। इससे पहले ईरान ने ट्रंप को देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ किसी प्रकार की कार्रवाई करने पर चेतावनी दी थी। ट्रंप ने खामेनेई के लगभग 40 वर्षों के शासन को समाप्त करने का आह्वान किया था जिसके कुछ दिनों बाद ईरान ने ट्रंप को यह चेतावनी दी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 23 जनवरी 02 .28 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

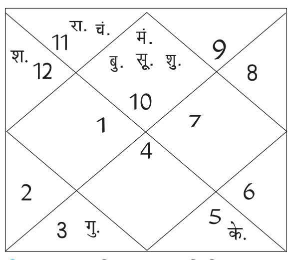

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 14 .27 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष

आज आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपने मित्रों पर अविश्वास न करें। नींद पूरी न लेने के कारण अपच की समस्या हो सकती है। मन की बातें दूसरों से शेयर न करें।

वृष

आज पैतृक व्यवसाय में उत्तम धन-लाभ होगा। परिवार के सदस्यों से राय लेना आपके लिए हितकर रहेगा। आय के नए स्रोत निर्मित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन

आज मार्केटिंग संबंधी गतिविधियों से धन लाभ हो सकता है। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। आप अपने सभी काम समय पर पूरे कर लेंगे। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। आयात-निर्यात से आपको लाभ प्राप्त होगा।

कर्क

आज सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। कोई रुकी हुई डील आपके सामने आ सकती है, लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी परेशानी होगी। धन की कमी के कारण जरूरी काम रुक सकते हैं। अधिकारियों के साथ तनाव दूर होगा।

सिंह

आज अपनी बातों को दूसरों पर न थोपें। व्यापार में नए साथी जुड़ सकते हैं। सिर्फ अपने काम पर ही फोकस बनाए रखें। दूसरे कार्यों में दिमाग न लगाएं। कानूनी मामलों को लेकर सावधानी रखें। वरिष्ठों का भरोसा जीतेंगे।

कन्या

आज आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। किसी मांगलिक उत्सव की योजना बनाएंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। दांपत्य संबंधों में ताजगी आएगी। परिवार का बेहतरीन सहयोग मिलेगा। घर में मित्रों का आगमन हो सकता है।

तुला

आज उच्च अधिकारी आपसे संतुष्ट रहेंगे। अपने काम को लेकर फोकस करेंगे। संतान की समस्याओं का समाधान होगा। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। प्रेम संबंधों में नई ऊर्जा का संचार होगा।

वृश्चिक

आज का काम कल पर न टालें। निवेश में सोच-समझकर कदम उठाएं। मित्रों के साथ खास विषय पर चर्चा कर सकते हैं। आपको नई-नई बातें जानने को मिलेंगी। संतान को लेकर तनाव दूर होगा। खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

धनु

आज करियर को लेकर दिन काफी अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। घर की आवश्यकताओं के बोझ में दबे रहेंगे। लोग आपके साथ होने का दिखावा कर सकते हैं। इसीलिए अपना मत प्रकट करने में सावधानी रखें।

मकर

आज कारोबार में बड़ा धन लाभ होगा। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। संपत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं। उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। भाई-बंधुओं के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पलों का आनंद लेंगे।

कुंभ

आज का दिन थोड़ा तनावग्रस्त होगा। कुछ जरूरी कार्य अटक सकते हैं। कारोबार में अनुबंध होने की संभावना है। दांपत्य संबंधों में खर्चों के कारण थोड़ी खिट-पिट हो सकती है। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपका अपमान हो।

मीन

आज चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। छात्रों को मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। आपकी जीवनशैली अत्यंत व्यवस्थित रहेगी। विदेश में नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है।

सुडोकू -39

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3	2			6			9
7				2				
	1		9				5	
8					2		1	
4			7			9		
	2			5			6	
		8		6				1
2					3		8	
	4			7				5

सुडोकू - 38 का हल

6	1	3	5	4	8	2	7	9
5	9	7	6	1	2	3	4	8
2	4	8	9	3	7	6	5	1
3	7	2	4	9	5	8	1	6
9	6	4	8	7	1	5	3	2
1	8	5	3	2	6	7	9	4
4	5	9	2	8	3	1	6	7
7	2	6	1	5	9	4	8	3
8	3	1	7	6	4	9	2	5

> हार्दिक पंड्या के बिना भारतीय टीम अधूरी है। वह बल्ले और गेंद से जो कर दिखाते हैं, वह कोई नहीं कर सकता। भारत अंतिम एकादश में वरुण या कुलदीप जैसे स्पिनर को शामिल करे, लेकिन नंबर आठ पर एक बल्लेबाज की जरूरत होगी।
>
> आकाश चोपड़ा, पूर्व बल्लेबाज

स्टेडियम

कानपुर नगर, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

अभिषेक का विस्फोटक पचासा, भारत 48 रनों से जीता

पांच मैच की शृंखला में भारत की 1-0 से बढ़त, रिंकू ने भी की धमाकेदार बल्लेबाजी

अभिषेक शर्मा

- ग्लेन फिलिप्स के अर्धशतक के बावजूद न्यूजीलैंड को मिली हार

नागपुर, एजेंसी

भारत ने अभिषेक शर्मा की 35 गेंद में 84 रन की विस्फोटक पारी से बुधवार को पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को 48 रनों से हराया। इस तरह पांच मैच की शृंखला में भारत 1-0 से आगे हो गया। टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज अभिषेक ने अपनी पारी में आठ छक्के और पांच चौके लगाए। रिंकू सिंह ने अंत में 20 गेंद में नाबाद 44 रन बनाए। इससे भारत ने 7 विकेट पर 238 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने एक रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ग्लेन फिलिप्स (78 रन) के अर्धशतक के बावजूद टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 190 रन ही बना सकी। भारत ने इस दौरान न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को आउट करने के कई मौके गंवाए। लेकिन बड़ा स्कोर होने से भारत को जीत दर्ज करने में परेशानी नहीं हुई। अर्शदीप सिंह ने भारत को शानदार शुरुआत कराई और पारी की दूसरी ही गेंद पर डेवोन कॉनवे को विकेटकीपर संजू सैमसन के हाथों कैच कराया। दूसरे ओवर में हार्दिक पंड्या ने रचिन रविंद्र को आउट किया, जिससे न्यूजीलैंड ने एक रन पर दो विकेट गंवा दिए। टिम रॉबिन्सन (21) सातवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर पवेलियन लौट गए। फिलिप्स और मार्क चैपमैन (39 रन) ने 42 गेंद में 79 रन जोड़े। लेकिन अक्षर पटेल ने 14वें ओवर में फिलिप्स को चलता किया। दूबे ने अंतिम ओवर में लगातार गेंद पर डेरिल मिचेल (28 रन) और क्रिस्टियन क्लार्क (0) के विकेट लिए। कप्तान मिचेल सैंटनर 20 रन बनाकर नाबाद रहे।

रिंकू सिंह

इससे पहले अभिषेक और कप्तान सूर्यकुमार यादव (32 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। अंत में रिंकू को भी लंबे समय बाद अच्छी पारी खेलने का मौका मिला। उन्होंने अपनी नाबाद पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने संजू सैमसन (10 रन) और ईशान किशन (08) के तौर पर जल्दी विकेट गंवा दिए। अभिषेक ने जैकब डफी पर अपनी पारी का पहला छक्का जड़ा जो यह साइट स्क्रीन पर गया था। पंजाब के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने दो विकेट गिरने का असर खुद पर नहीं पड़ने दिया और उनकी बल्लेबाजी की खासियत उनकी बल्ले की तेज स्पीड है। क्रिस्टियन क्लार्क और काइल जैमीसन की गेंदें सपाट पिच पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही थीं और बाउंड्री के पार जा रही थीं। अभिषेक ने अपनी पारी के चार छक्के जड़ने के बाद पहले तीन चौके स्पिनर ग्लेन फिलिप्स की गेंदबाजी पर लगाए। वहीं दूसरे छोर पर सूर्यकुमार थोड़े संघर्ष करते दिखे। लेकिन डफी की गेंद पर बैक-फुट पर चौका और क्लार्क की गेंद पर स्क्वायर के पीछे एक जोरदार छक्का लगाने के दौरान भारतीय कप्तान में पुरानी झलक दिखाई दी। लेकिन वह अब भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से काफी दूर है।

कप्तान मिचेल सैंटनर (तीन ओवर में 37 रन देकर एक विकेट) ने लगाम लगाने की कोशिश की और उन्हें सफलता जब मिली तब सूर्यकुमार लॉग-ऑन पर कैच आउट हो गए। अभिषेक ने अपना कहर जारी रखा। हालांकि वह अगले ही ओवर में आउट हो गए जब लेग-स्पिनर ईश सोढ़ी ने अपनी लेग-ब्रेक की लेंथ थोड़ी कम की और जैमीसन ने उनका कैच लपक लिया। आखिर में रिंकू को प्रभाव डालने के लिए काफी गेंदें मिलीं और उन्होंने डेरिल मिचेल के पहले और पारी के अंतिम ओवर में 21 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया।

भारत

238/7 (20 ओवर)

संजू का रचिन रविंद्र बो जैमीसन	10
अभिषेक का जैमीसन बो सोढी	84
ईशान किशन का चैपमैन बो डफी	08
सूर्यकुमार का रॉबिन्सन बो सैंटनर	32
हार्दिक पंड्या का चैपमैन बो डफी	25
शिवम दूबे का एवं बो जैमीसन	09
रिंकू सिंह नाबाद	44
अक्षर पटेल का मिचेल बो क्लार्क	05
अर्शदीप सिंह नाबाद	06

गेंदबाजी : जैकब डफी 4-0-27-2, काइल जैमीसन 4-0-54-2, क्रिस्टियन क्लार्क 4-0-40-1, ईश सोढी 3-0-38-1, ग्लेन फिलिप्स 1-0-20-0, मिचेल सैंटनर 3-0-37-1, डेरिल मिचेल 1-0-21-0

न्यूजीलैंड

190/7 (20 ओवर)

कॉनवे का सैमसन बो अर्शदीप	00
रॉबिन्सन का शिवम बो चक्रवर्ती	21
रचिन का अभिषेक बो हार्दिक	01
ग्लेन फिलिप्स का दूबे बो पटेल	78
चैपमैन का अभिषेक बो चक्रवर्ती	39
मिचेल का सब (बिश्नोई) बो दूबे	28
मिचेल सैंटनर नाबाद	20
क्रिस्टियन क्लार्क का रिंकू बो दूबे	00
काइल जैमीसन नाबाद	01

गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 4-0-31-1, हार्दिक पंड्या 2-0-20-1, जसप्रीत बुमराह 3-0-29-0, अक्षर पटेल 3.3-0-42-1, वरूण चक्रवर्ती 4-0-37-2, शिवम दूबे 3-0-28-2, अभिषेक शर्मा 0.3-0-3-0

हाईलाइट

मुबंई इंडियंस की ली पर लगा जुर्माना

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स की विकेटकीपर लिजेले ली पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए बुधवार को मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक लगाया गया। डब्ल्यूपीएल ने कहा कि ली ने आचार संहिता की धारा 2.2 के तहत लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के अनादर को लेकर है। इसके लिए मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है। यह घटना दिल्ली की पारी के 11वें ओवर की थी जब ली को तीसरे अंपायर के रिव्यू के बाद 46 के स्कोर पर स्टम्प आउट करार दिया गया। फैसले से नाखुश ली ने बाद में पुरस्कार समारोह में कहा कि विकेटकीपर ने अच्छा काम किया लेकिन मुझे इसके बारे में इतना ही कहना है। दिल्ली ने मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया।

केकेआर ने दिशांत को फील्डिंग कोच बनाया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 के सत्र से पहले पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिशांत याग्निक को बुधवार को टीम का फील्डिंग कोच बनाया है। केकेआर ने कहा कि याग्निक अपने साथ भरपूर अनुभव और फील्डिंग में उत्कृष्टता की गहरी समझ लेकर केकेआर में शामिल होंगे। फ्रेंचाइजी आईपीएल में नए सहायक स्टाफ के साथ उतरेगी, जिसमें अभिषेक नायर (मुख्य कोच) के अलावा डेरेन ब्रावो (मेंटोर-मार्गदर्शक), शेन वॉटसन (सहायक कोच), टिम साउदी (गेंदबाजी कोच) और आंद्रे रसेल (पावर कोच) शामिल हैं। आईपीएल से पहले याग्निक का केकेआर में शामिल होना पूर्व क्रिकेटर के कोचिंग करियर में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

निशानेबाजी में सेन शीर्ष पर, मनु-ऐश्वर्य भी जीते

नई दिल्ली। तिलोत्तमा सेन ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) में दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के टी1 फाइनल में दमदार जीत दर्ज की। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में टी1 में तीसरे स्थान पर रहने वाले ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित टी2 में पहला स्थान हासिल किया। तिलोत्तमा ने बुधवार को फाइनल में फिर संयमित प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3पी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आयुषी दूसरे स्थान पर रहीं। सुरभि भारद्वाज रापोले 348.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 ग्वालियर में

नई दिल्ली। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से ग्वालियर स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) शुक्रवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 की मेजबानी करेगा, जिसमें प्रशासक, कोच और शिक्षाविद् भारत में खेल शिक्षा और ट्रेनिंग के भविष्य पर मंथन करने के लिए एकत्र होंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अनुसार, यह कॉन्क्लेव देशभर के नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, खेल प्रशासकों, कोच, खेल वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के हितधारकों को एक मंच पर लाने को आयोजित हो रहा है।

टी20 विश्व कप : बीसीबी को झटका बांग्लादेश के मैच भारत में ही होंगे

- आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया निर्णय
- मैचों को बांग्लादेश ने श्रीलंका में कराने का किया था अनुरोध

दुबई, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के टी20 विश्व कप के अपने मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को खारिज कर दिया। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे क्योंकि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। यह निर्णय आईसीसी बोर्ड की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित बैठक में लिया गया, जो बीसीबी द्वारा भारत में खेलने को लेकर चिंता जताने और आयोजन स्थलों में बदलाव की मांग के बाद चर्चा को बुलाई गई थी।

आईसीसी के अनुसार, बोर्ड ने स्वतंत्र मूल्यांकनों सहित कई सुरक्षा आकलन की समीक्षा की, जिनमें से सभी ने निष्कर्ष निकाला कि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों, मीडियाकर्मियों या प्रशंसकों की सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं था। आईसीसी ने कहा कि अब इतने कम समय में कार्यक्रम में बदलाव करना संभव नहीं है और सुरक्षा जोखिम की पुष्टि न होने पर मैचों में बदलाव करना भविष्य के वैश्विक आयोजनों के लिए अवांछनीय मिसाल कायम कर सकता है। आईसीसी ने कहा कि बोर्ड ने गौर किया कि मौजूदा परिस्थितियों में मैचों को स्थानांतरित करने से आईसीसी प्रतियोगिताओं की पवित्रता खतरे में पड़ सकती है और एक वैश्विक शासी निकाय के रूप में संगठन की निष्पक्षता कमजोर हो सकती है।

क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने कहा कि उसके प्रबंधन ने पिछले कुछ सप्ताह में बीसीबी के साथ कई बैठकें और पत्राचार किए हैं, जिसमें टूर्नामेंट की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की गई है। इनमें आयोजन स्थल से जुड़ी विशिष्ट योजनाएं और संघीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को शामिल करते हुए स्तरीय सुरक्षा का आश्वासन शामिल था।

पीसीबी ने किया बांग्लादेश का समर्थन

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप खेलने से बांग्लादेश के इन्कार का समर्थन किया है और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भेजे पत्र में बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी की पेशकश की। बांग्लादेश को ग्रुप चरण के चारों मैच भारत में खेलने हैं, जिनमें से पहले तीन कोलकाता में और एक मुंबई में होना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपनी सरकार के समर्थन से भारत जाने से इन्कार किया और उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। पीसीबी के सूत्र ने बताया कि पीसीबी ने ईमेल में कहा है कि बीसीबी की मांग जायज है और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए और अगर बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में करने में समस्या है तो पाकिस्तान उसके सभी मैचों की मेजबानी को तैयार है। पीसीबी ने इस मसले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है लेकिन बोर्ड के सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश सरकार ने आईसीसी में सहयोग के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया था। पाकिस्तान के सारे मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत श्रीलंका में होंगे।

खेल मंत्रालय ने साई से एसओपी तैयार करने के लिए कहा

नई दिल्ली। ओलंपिक की मेजबानी की चाहत रखने वाले भारत पर बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय निगरानी को ध्यान में रखते हुए खेल मंत्रालय ने साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) से मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने को कहा है ताकि हाल में यहां हुए बैडमिंटन इंडिया ओपन में हुई चूक दोबारा नहीं हों। इंडियन ओपन में कोर्ट पर पक्षियों की बीट, दर्शक दीर्घा में बंदर और ट्रेनिंग सुविधाओं में अस्वच्छता ने टूर्नामेंट की छवि को नुकसान पहुंचाया।

टाटा स्टील मास्टर्स : गुकेश ने प्रज्ञानानंद से ड्रॉ खेला

विज्क आन ज़ी (नीदरलैंड), एजेंसी

- अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके, अरविंद चिदंबरम को भी मिली हार

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हमवतन आर प्रज्ञानानंद के साथ अंक बांटकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में लगातार चौथी बाजी ड्रॉ खेली जबकि अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके।

प्रज्ञानानंद का इस टूर्नामेंट में सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा है। उन्हें दो बाजियों में हार का सामना करना पड़ा जबकि दो बाजी ड्रॉ खेली। वह गिरी के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। भारत के एक अन्य खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम को अमेरिकी खिलाड़ी हैंस मोके नीमन के हाथों अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चेक गणराज्य के खिलाड़ी दाई वान गुयेन को पराजित किया। अब्दुसत्तोरोव और नीमन चार में से तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जबकि अर्जुन एरिगैसी, उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव और नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट उनके ठीक पीछे हैं। सिंदारोव ने जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम को हराया।

शीर्ष से फिसले कोहली, मिचेल ने बनाई जगह

आईसीसी वनडे रैंकिंग

- मिचेल ने ताजा शृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं पारी में तेज नौ वनडे शतक पूरा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने

दुबई, एजेंसी

न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने हाल में संपन्न शृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली को ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान से हटा दिया। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ यह शृंखला 2-1 से अपने नाम की थी। इस तरह उसने भारतीय सरजमीं पर पहली बार वनडे शृंखला जीतकर 37 साल का इंतजार खत्म किया था।

मिचेल ने शृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं पारी में सबसे तेज नौ वनडे शतक पूरे करने वाले चौथे पुरुष खिलाड़ी बन गए। केवल इमाम-उल-हक (48), हाशिम अमला (52) और क्विंटन डिकॉक (53) ही उनसे आगे हैं। हैमिल्टन में जन्मे मिचेल अपने करियर की शीर्ष फॉर्म में हैं। उन्होंने तीन मैच की शृंखला में 352 रन बनाए। किसी तीन मैच की वनडे शृंखला में यह न्यूजीलैंड के खिलाड़ी द्वारा बनाए सर्वाधिक रन हैं और यह तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनसे आगे केवल पाकिस्तान के बाबर आजम (2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 360 रन) और भारत के शुभमन गिल (2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 360 रन) हैं।

आईसीसी ने कहा कि 845 रैंकिंग अंक के साथ मिचेल ने कोहली (795 अंक) की जगह ली है जो अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दोनों बल्लेबाजों के बाद इब्राहिम जदरान, रोहित शर्मा, शुभमन गिल और बाबर आजम मौजूद हैं। यह दूसरी बार है जब मिचेल ने वनडे क्रिकेट में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले वह पिछले साल नवंबर में सिर्फ तीन दिन के लिए शीर्ष पर रहे थे जिसके बाद रोहित शर्मा ने उन्हें पछाड़ दिया था। भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेले गए वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स (पांच शतक) के बाद मिचेल (चार शतक) दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

एलेक्स डि मिनौर ने हमाद मेदजेदोविच को और एलिना स्वितोलिना ने लिंडा क्लिमोविकोवा को दी मात

सबालेंका, गॉफ, अल्काराज और ज्वेरेव तीसरे दौर में पहुंचे

- अल्काराज ने हंफमैन को हराकर तीसरे दौर में जगह की पक्की

मेलबर्न, एजेंसी

दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो एरिना सबालेंका और कोको गॉफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई। पुरुष वर्ग में कार्लोस अल्काराज और एलेक्जैंडर ज्वेरेव भी जीत गए।

सबालेंका ने चीन की बाइ झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने ओल्गा डानिलोविच को मात दी। अल्काराज ने जर्मनी के यानिक हंफमैन को हराया। ज्वेरेव ने एलेक्जैंडर मुलर को शिकस्त दी। स्थानीय दावेदार एलेक्स डि मिनौर ने हमाद मेदजेदोविच को मात दी और अब उनका सामना फ्रांसेस टियाफो से होगा, जिन्होंने फ्रांसिस्को कोमेसाना को हराया। सबालेंका का सामना अब अनास्तासिया पोपापोवा से होगा जिन्होंने पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन एम्मा राडूकानू को हराया।

महिला वर्ग के एक अन्य मैच में 12वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने पोलैंड की लिंडा क्लिमोविकोवा को मात दी। तुर्की की जेनेप सोंमेज ने अन्ना बोंडर को हराया। पुरुष वर्ग में 11वीं वरीयता प्राप्त और 2021 अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव ने क्वेटिन हालिस को हराया जबकि 13वीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने जैमी फारिया को मात दी। 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने थियागो आगस्टिन को हराया।

भांबरी और गोरानसन पुरुष युगल के दूसरे दौर में

भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी युकी भांबरी और स्वीडन के उनके जोड़ीदार आंद्रे गोरानसन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और गोरानसन की दसवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कोर्ट नंबर 13 पर चले मुकाबले में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ और क्रूज़ हेविट को 6-3 6-4 से हराया। अगर प्रतिशत के आंकड़ों पर गौर करें तो भांबरी और गोरानसन ने पहली सर्विस पर 97 प्रतिशत अंक जीते। दूसरी पर उन्होंने 91 प्रतिशत अंक जीते। भांबरी और गोरानसन ने प्रतिद्वंद्वियों की सर्विस को दो बार तोड़ा और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया, जिससे वे पूरे समय नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहे। निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार से सीधे सेटों में हारकर पुरुष युगल से बाहर हो गए थे।

सिंधु, लक्ष्य, श्रीकांत और अनमोल इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

जकार्ता, एजेंसी

- आयुष, प्रणय और किरण जॉर्ज पहले ही दौर में बाहर, मिश्रित युगल में भारतीय चुनौती समाप्त

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत बुधवार को इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहे। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर के मैच में जापान की मनामी सुइज़ु पर कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की।

विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने जापान के कोकी वातानाबे को हराया। अब उनका मुकाबला चौथे वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन से होगा, जिन्होंने आयरलैंड के न्हाट गुयेन को हराया। लक्ष्य सेन ने पहले दौर में चीनी ताइपे के वांग त्ज़ु वेई पर जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अनमोल खरब ने चीनी ताइपे के पाई यू पो पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। हालांकि आयुष शेट्टी, एचएस प्रणय और किरण जॉर्ज पहले ही दौर में बाहर हो गए। आयुष को इंडोनेशिया के अलवी फरहान से और किरण को इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्ला से हार मिली। प्रणय को केवल 35 मिनट तक चले मैच में मलेशिया के ली ज़ी जिया ने बाहर का रास्ता दिखाया।

महिला एकल में मालविका बंसोड़ को कनाडा की मिशेल ली से हार मिली। विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा जापान की तोमोका मियाजाकी से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। महिला एकल के एक अन्य मैच में आकर्षी कश्यप डेनमार्क की जूली डावल जैकबसेन से हारीं। मिश्रित युगल में भारत का अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया। रोहन कपूर और रुथविका गड्डे को फ्रांस के थॉम गिक्वेल और डेल्फिन डेलरू से जबकि ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो को फ्रांस के जूलियन मायो और लीया पालेर्मो से हार मिली।